1965 के युद्ध में शास्त्री ने निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया - 12

भारत की साख रेटिंग बढ़ाकर बीबीबी+ की - 12

गाजा में युद्धविराम के 15 में से 14 वोट, जवाब में अमेरिका का वीटो - 13

विश्व चैंपियनशिप पदक चूकने से निराश सचिन यादव - 14

आज का मौसम
33.0[0] अधिकतम तापमान
27.0[0] न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.56
सूर्यास्त 06.07

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:17 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शनिवार, 20 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 39, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

टेक्नोलॉजी रोजगार नहीं छीनती पैदा करती है अवसर : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में युवाओं से योगी का आह्वान- एआई व नई टेक्नोलॉजी को अपनाएं

- कहा, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही यूपी को बनाएंगे 36 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं बल्कि नए अवसर पैदा करती है। जिस तरह कंप्यूटर आने पर नई संभावनाएं बनीं, उसी तरह एआई भी कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में नई दिशा देगा। किसान यदि तकनीक अपनाएंगे तो उनकी उत्पादकता तीन गुना तक बढ़ सकती है।

गाजियाबाद में शुक्रवार को पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर की पुस्तक भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी का विमोचन करने के मौके पर उन्होंने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाने और युवाओं को तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अब तक की उपलब्धियों को संजोने वाली प्रेरणादायी कृति है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पुस्तकालयों में रखा जाए ताकि नई पीढ़ी प्रेरणा ले सके। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाला है। उत्तर प्रदेश भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। 2017 से पहले यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2016-17 में यूपी की जीडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, जिसे 2025-26 में ही 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

गाजियाबाद में पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर की पुस्तक भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी के विमोचन समारोह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

लोगों ने कहा भूत है, फिर भी मैं रात में रुका...

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले गाजियाबाद की पहचान गंदगी और गैंगस्टर से जुड़ी थी। गौतमबुद्ध नगर को अफवाह फैलाकर लूट का अड्डा बना दिया गया था। कहा जाता था कि कोई मुख्यमंत्री यहां नहीं आ सकता, आएगा तो कुर्सी चली जाएगी। बिजनौर और आगरा के लिए भी बना दी गई थी। डर और अफवाहें फैला दी गई थीं। मैं बिजनौर में रात में रुका, आगरा के कथित भूतिया सर्किट हाउस में ठहरा और नोएडा भी गया। जनता ने दोबारा आशीर्वाद देकर मुझे मुख्यमंत्री बनाया। अफवाहें फैलाने वालों की सच्चाई जनता के सामने आनी जरूरी थी।

परखीं अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो की तैयारियां

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने ई कार्ट में बैठकर आयोजन स्थल को देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तैयारियों के विषय में जानकारी ली और जरूरी निर्देश भी दिए।

ब्रीफ न्यूज

फर्जी नौकरी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली। वियतनाम में फर्जी नौकरी गिरोह चलाने वाले ठगों के साथ जुड़े दो लोगों को दिल्ली के एक व्यक्ति से 3.12 लाख रुपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में नौकरी की तलाश कर रहे भारतीयों को निशाना बनाता था। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश में 1,000 किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर करने के बाद तीन दिनों तक चली छापेमारी में गिरोह के मास्टरमाइंड सहदेव सिंह (37) और उसके सहयोगी नीरज (37) को एटा से पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान सिंह ने खुलासा किया कि वियतनाम में गिरोह चलाने वालों के साथ काम किया था।

शरजील, उमर की बेल पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र शरजील इमाम, उमर खालिद और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 22 सितंबर के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई शुक्रवार को स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली उच्च न्यायालय के दो सितंबर 2025 के संबंधित आदेश को चुनौती दी है, जिसमें जमानत मंजूर करने से इनकार कर दिया गया था।

सोलर विलेज धोरडो का मोदी करेंगे लोकार्पण

गांधी नगर। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा श्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में गुजरात में प्रतिष्ठित कच्छ के धोरडो गांव का सौ प्रतिशत सौरीकरण (सोलराइजेशन) किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भावनगर में आयोजित समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम अंतर्गत इसका लोकार्पण करेंगे। मेहसाणा के मोढेरा, खेडा के सुखी तथा बनासकांठा के मसाली के बाद धोरडो राज्य का चौथा सोलर विलेज बना है।

भारत-ईयू एफटीए के लिए यूनान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी से यूनानी समकक्ष ने फोन पर की बात
- दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती पर जताई प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को यूनानी प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस ने फोन पर बात की और उन्हें पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा करने के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच फोन पर बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा। मोदी और मित्सोताकिस ने भारत तथा यूनान के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में संबंधों का भी जायजा लिया।

भारत की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नौवहन, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क और लोगों के बीच रिश्तों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में विकास का स्वागत किया तथा भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि मित्सोताकिस ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने और 2026 में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर

सम्मेलन की सफलता के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। फोन यूनानी नेता की ओर से किया गया।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए 13वें दौर की वार्ता पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित हुई। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 135 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा। दोनों पक्षों ने पहले ही 11 अध्यायों पर बातचीत पूरी कर ली है, जिनमें सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, विवाद निपटान, डिजिटल व्यापार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, लघु और मध्यम आकार के उद्यम, प्रतिस्पर्धा तथा सब्सिडी और पूंजीगत आवाजाही शामिल हैं।

474 और दलों को सूची से किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने छह वर्षों से चुनाव न लड़ने पर की कार्रवाई
- दो महीने में कुल 808 राजनीतिक दलों को सूची से हटाया

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले छह वर्षों में चुनाव न लड़ने सहित अन्य मानदंडों का उल्लंघन करने के कारण 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है।

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, निर्वाचन आयोग ने नौ अगस्त को 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को

सूची से हटा दिया था। बयान में कहा गया है कि इसी क्रम में, दूसरे चरण में, निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर को 474 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया। यह सूची निर्वाचन आयोग द्वारा लगातार छह वर्षों तक आयोजित चुनावों में भाग न लेने के आधार पर बनाई गई।

इस प्रकार, पिछले दो महीनों में 808 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया गया है। हाल तक 2,520 आरयूपीपी थे। सूची से बाहर करने की प्रक्रिया के बाद, 2,046 आरयूपीपी बचे हैं। इसके अलावा, छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं।

भानवी ने गोपाल से बताया जान का खतरा

प्रतापगढ़। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री व कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की पत्नी भानवी कुमारी ने एक बार फिर राजा भैया के करीबी व मुंह बोले भाई एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपाल पर हमला बोला है। उनसे अपने व बच्चों की जान का खतरा बताते हुए प्रधानमंत्री व गृहमंत्री से सुरक्षा की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भानवी ने यह पोस्ट लिखी है।

एआई से होगी अभ्यर्थियों की पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूपीएससी ने किया एआई युक्त सत्यापन तकनीक का परीक्षण
- संघ लोक सेवा आयोग की आगामी परीक्षाओं में इस्तेमाल की तैयारी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि उम्मीदवारों के त्वरित और सुरक्षित सत्यापन के वास्ते कृत्रिम मेधा (एआई) युक्त चेहरे की पहचान करने वाली प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए एक प्रायोगिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के साथ साझेदारी से विकसित इस पहल का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता को मजबूत करना और परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश को बेहतर बनाना है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी आगे चलकर सिविल सेवा परीक्षाओं सहित अपनी सभी परीक्षाओं में उम्मीदवारों के लिए चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक का उपयोग करने की योजना बना रहा है। आयोग विभिन्न भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है। कुमार ने बताया कि वाई-फाई की उपलब्धता और चेहरे की पहचान में शामिल कर्मियों के लिए प्रशिक्षण जैसी रसद व्यवस्थाएं प्रमुख विचारणीय बिंदु हैं।

इस संबंध में आवश्यक मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित की जा रही हैं। 14 सितंबर को आयोजित एनडीए, एनए और सीडीएस परीक्षा के दौरान यह प्रयोगिक परीक्षण किया गया।

डूसू चुनाव : एबीवीपी के आर्यन बने अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- एबीवीपी तीन, एनएसयूआई को एक पद पर मिली जीत

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर जीत हासिल की जबकि कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई को बेहद रोमांचक मुकाबले में केवल एक पद से ही संतोष करना पड़ा।

एबीवीपी के आर्यन मान ने एनएसयूआई की जोसलिन नंदिता चौधरी को 16,196 मतों के अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। एनएसयूआई के राहुल झांसला (29,339 मत) ने एबीवीपी के

अध्यक्ष पद पर विजयी होने के बाद आर्यन मान

गोविंद तंवर (20,547 मत) को हराकर उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। एबीवीपी के कुणाल चौधरी ने 23,779 मत प्राप्त कर एनएसयूआई के कबीर को हराकर सचिव पद पर जीत हासिल की। एबीवीपी की दीपिका झा ने लवकुश भड़ाना को हराकर संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल की। एसएफआई और आइसा को खाली हाथ रहना पड़ा। छात्र संघ के नए अध्यक्ष मान ने कहा कि उन्हें अपनी जीत का 100 प्रतिशत भरोसा है।

उन्होंने जीत के बाद कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता डीयू के छात्रों के लिए मेट्रो रियायती पास का वादा पूरा करना होगा। हमारे खिलाड़ियों को पर्याप्त प्रशिक्षण उपकरण उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता होगी।

असम के लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग का निधन

गुवाहाटी, एजेंसी

- सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुआ हादसा
- गैंगस्टर सहित कई बॉलीवुड फिल्मों में गाए थे गाने

...या अली और जाने क्या चाहे मन बावरा... जैसे प्रसिद्ध बॉलीवुड गानों को अपनी आवाज देने वाले और युवा दिलों की धड़कन जुबिन गर्ग की शुक्रवार को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई।

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सिंगापुर में एक महोत्सव के आयोजकों ने यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी हैं। स्कूबा डाइविंग के दौरान गर्ग को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वह तीन दिवसीय नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह बहुत दुखद है और राज्य तथा राष्ट्र के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

उपहार का सम्मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक आवास पर कदम्ब का एक पौधा रोपा, जो उनके 75वें जन्मदिन पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की ओर से उपहार में मिला था जो मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल से प्रेरित है।

पतंजलि ने दी विज्ञापन के प्रसारण पर रोक को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

डाबर च्यवनप्राश मामला

- हाईकोर्ट ने चेताया, अपील बेकार लगी तो लगाएंगे जुर्माना

पतंजलि आयुर्वेद ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया गया था।

शुरुआत में, न्यायमूर्ति सी हरिशंकर और ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि यह सामान्य अपमान का मामला है और पतंजलि द्वारा दिए गए बयान प्रतिवादी डाबर के लिए एक स्पष्ट संदर्भ हैं। उच्च न्यायालय ने पतंजलि को चेतावनी दी कि यदि उसे यह बेकार अपील लगी तो वह उस पर जुर्माना लगाएगा। पीठ ने पतंजलि के वकील से कहा कि आपने कहा है कि 40 जड़ी-बूटियों से बने साधारण च्यवनप्राश से क्यों संतुष्ट हों?' इसलिए जब आपने 40 जड़ी-बूटियों शब्द का प्रयोग किया है, तो यह स्पष्ट रूप से प्रतिवादी (डाबर) की ओर इशारा करता है। कहा कि जिस क्षण आप 40 जड़ी-बूटियों वाले साधारण च्यवनप्राश की बात करते हैं, आप जनता के सामने यह प्रस्तुतीकरण कर रहे हैं कि प्रतिवादी का च्यवनप्राश साधारण है और मेरा (पतंजलि) उत्कृष्ट है, तो फिर उसके च्यवनप्राश से क्यों संतुष्ट हुआ जाए।

मोदी से मिला सिख प्रतिनिधिमंडल

- जोड़े साहिब के रखरखाव की सिफारिश की

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित एक सिख प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुरु गोविंद सिंह और उनकी पत्नी की पादुकाओं जोड़े साहिब के सुरक्षित रखरखाव और उपयुक्त प्रदर्शनी के लिए सिफारिशें सौंपी। मोदी ने कहा कि ये पवित्र निशानियां आने वाली पीढ़ियों को सिखों के 10वें और अंतिम गुरु द्वारा दिखाए गए साहस, धर्म, न्याय और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि 'जोड़े साहिब' जैसे अहम पवित्र निशानियां, गौरवशाली सिख इतिहास का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि वे राष्ट्र के सांस्कृतिक लोकाचार की हैं।

तैयारी | उप्र ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने संभाली वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करने की जिम्मेदारी

प्रदेश के 11 पर्यटन साइट बनेंगे ईको टूरिज्म आइकॉन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक अवसंरचना का दिखेगा अनूठा संगम

अमृत विचार : प्रदेश में विकसित 11 ईको-टूरिज्म स्थलों को ईको-टूरिज्म आइकॉन के रूप में स्थापित किया जाएगा। इन्हें उप्र. ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा विश्वस्तरीय, आकर्षक और पर्यटक-अनुकूल बनाया जाएगा। इन परिसंपत्तियों में प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक ईको-फ्रेंडली अवसंरचना का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ इको-टूरिज्म स्थलों के हब के रूप में विकसित करना है। इन स्थलों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देते हुए पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपीईटीडीबी की नई पहल के तहत अयोध्या, चित्रकूट, बलिया, बाराबंकी, ललितपुर, बांदा, जालौन, कुशीनगर, सीतापुर, महाराजगंज और मिल्कीपुर (अयोध्या) तक ईको-टूरिज्म परिसंपत्तियों का विस्तार किया गया है। ये स्थल देश के अगले बड़े ईको-टूरिज्म आइकन बनने की दिशा में अग्रसर हैं।

ये परियोजनाएं प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक ईको-फ्रेंडली अवसंरचना से परिपूर्ण हैं। निदेशक पर्यटन (इको) प्रखर मिश्रा ने बताया कि हमारा उद्देश्य इन परिसंपत्तियों को 'ईको-टूरिज्म आइकॉन' के रूप में विकसित कर स्थानीय समुदायों को रोजगार, प्रशिक्षण और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है।

ईको-फ्रेंडली पर्यटन की बढ़ी मांग

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उप्र. लगातार घरेलू पर्यटकों के आगमन में देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है। ईको-फ्रेंडली और जिम्मेदार पर्यटन की बढ़ती मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में विश्वस्तरीय ईको-टूरिज्म अवसंरचना विकसित की है। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा ईको-टूरिज्म सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। स्थलों की सफाई, बैठने की व्यवस्था और अन्य आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रोजगार को भी मिलेगा बढ़ावा

इन पर्यटन स्थलों में अयोध्या फ्लोटिंग रेस्तरां और उधेला झील, बलिया के मेरिताार गांव-सुरहा ताल बर्ड सेंचुरी, बाराबंकी की बगहर झील, सीतापुर की अज्जेपुर झील, कुशीनगर का सोहरौना ताल, चित्रकूट का रामनगर झील एवं मड़फा किला, जालौन का पचनदा, ललितपुर का ककरावल जलप्रपात, बांदा का कालिंजर किला तथा महाराजगंज की देवदह इको टूरिज्म साइट शामिल हैं। यहां स्थानीय रोजगार बढ़ने के साथ राज्य की पर्यटन अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी।

त्योहारों पर अपनाएं स्वदेशी उत्पाद, ताकि आतंक फैलाने वालों के पास न पहुंचे पैसा

मथुरा में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने की जनता से अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मथुरा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की है कि आने वाले त्योहारों में हर नागरिक केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार दे। उन्होंने कहा कि विदेशी सामानों से बचकर हमें अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए, ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास। उन्होंने कहा कि स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन हैं तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमें सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। यही पंडित दीन दयाल का मंत्र है।

- **कहा- पं. दीन दयाल उपाध्याय के मंत्र में असंभव को संभव बनाने की शक्ति**

मथुरा में शुक्रवार को अन्त्योदय के प्रणेता और एकात्म मानव दर्शन के प्रखर वक्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित जी का सपना आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी ने 1950 के दशक में भारत के राजनीतिक नेतृत्व को जो दृष्टि दी थी, वही आज वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी के रूप में मूर्तरूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में असंभव को संभव बनाया गया है, चाहे कश्मीर से धारा 370 हटाना हो, अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हो या 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना हो। सीएम ने कहा कि जो कभी असंभव लगता था, वही आज देश की ताकत बन चुका है। यही पंडित जी के मंत्र का प्रभाव है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगा।

मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

पिछली सरकारों से जुड़ा था 'असंभव' शब्द

योगी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में 'असंभव' शब्द जुड़ा था। यूपी की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय जीडीपी में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन डबल इंजन सरकार ने यूपी को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, प्रदेश सरकार में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सिंह, जयवीर सिंह, मधुसूदन, सोहनलाल, मनीष अग्रवाल, नरेन्द्र पाठक, सविता, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता चौहान सहित बड़ी संख्या में जनता उपस्थित रही।

न्यूज ब्रीफ

33,800 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी नीट यूजी 2025 की दूसरी काउंसिलिंग में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय ने पंजीकरण कराने वाले 33,800 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है, साथ ही प्रदेश के सभी सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेज व डेंटल कॉलेजों में सीट का ब्यौरा भी वेबसाइट पर जारी कर दिया। मेरिट सूची में अभ्यर्थियों को कल से रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर दाखिले के लिए कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। नीट पीजी 2024-25 की स्ट्रे वैकेंसी राउंड एवं स्पेशल स्ट्रे वैकेंसी राउंड की काउंसिलिंग में एमडी-एमएस की सीट पाने के बाद, दाखिला न लेने वाले 148 अभ्यर्थियों को इस बार काउंसिलिंग 2025-26 में प्रतिबन्धित कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय द्वारा काउंसिलिंग में प्रतिबन्धित किए गए अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है।

निष्पक्ष चुनाव हो तो हारेगी भाजपा : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव निष्पक्षता और ईमानदारी से हो तो भाजपा का कोई प्रत्याशी प्रदेश में नहीं जीत सकता है। इसलिए पारदर्शी चुनाव और भाजपा को हराने के लिए लगातार काम करना होगा। सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के सम्बंध में पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर किया है। भाजपा और अधिकारियों में सांठगांठ हैं। इस सरकार ने शिक्षा का व्यवसायीकरण कर दिया है। पूरी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा गरीबों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। फीस महंगी कर दी है। शिक्षा विभाग और शिक्षण संस्थानों में अध्यापकों की कमी से शिक्षा-व्यवस्था कमजोर हो गयी है।

विजय का आधार बनेगा त्रिशक्ति फार्मूला : धर्मपाल

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि त्रिशक्ति फार्मूले से सशक्त शक्ति केन्द्र, मजबूत बूथ और प्रभावी मंडल भाजपा की निश्चित विजय का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के झूठ-फरेब को भाजपा कार्यकर्ता त्रिशक्ति फार्मूले से ध्वस्त करें। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव, स्नातक व शिक्षक एमएलसी चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए शक्ति केन्द्र की मजबूत संरचना तैयार करना है। धर्मपाल सिंह इटावा तथा औरैया में शक्ति केन्द्र संयोजक, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। पार्टी के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधि, पूर्व जिलाध्यक्ष, अभियान के संयोजक तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक में चर्चा की।

संडे ऑन साइकिल का आयोजन कल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के लिए उप्र. पर्यटन विभाग 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम शुरू करेगा। राजधानी में गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन से 21 सितंबर (रविवार) 2025 को प्रातः 6.30 बजे इसकी शुरुआत होगी। इस कार्यक्रम से फिटनेस को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ सक्रिय जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी।

मरम्मत का काम वहां भी हो, जहां बिल नहीं दे रहे उपभोक्ता : एके शर्मा

ऊर्जा मंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा- बिजली चोरी रोकने के नाम पर न हो उत्पीड़न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विजिलेंस एक्शन के दौरान गरीब एवं छोटे उपभोक्ताओं को बिल्कुल भी परेशान न किया जाए। विद्युत चोरी रोकने के नाम पर किसी का भी उत्पीड़न न किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाई लॉस एरिया में भी ट्रांसफार्मर समय पर बदले जाएं। उन्होंने कहा कि बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए समयबद्ध तरीके से मरम्मत और बदलने की कार्रवाई की जाए। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जहां पर 90 प्रतिशत उपभोक्ता विद्युत बिल नहीं दे रहे हैं, वहां पर भी मरम्मत एवं ट्रांसफार्मर बदलने का काम ससमय सुनिश्चित हो ताकि बिल देने वाले 10 प्रतिशत उपभोक्ताओं को दिक्कत का सामना न करना पड़े।

लखनऊ में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विजिलेंस टीम अपनी मर्जी से छापेमारी रोकने के प्रभावी उपाय करे। विद्युत चोरी रोकने को सबसे पहले उन फीडरों पर कार्रवाई हो, जहां 50 प्रतिशत से अधिक बिजली चोरी हो रही है। ऐसे फीडरों पर स्मार्ट मीटर लगाना प्राथमिकता में रखा जाए। ऊर्जा मंत्री ने शक्ति भवन स्थित सभागार में शुक्रवार को विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री ने 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान वाले फीडरों पर प्राथमिकता से स्मार्ट मीटर लगाने, बिजली चोरी रोकने, विजिलेंस की कार्यवाही को प्रभावी बनाने, पुराने कुशल संविदाकर्मियों को निकालकर उनकी जगह अकुशल लोगों को रखने की जांच कराने और आगामी त्योहारी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

कार्रवाई वहीं हो, जहां नुकसान ज्यादा

बैठक के दौरान एके शर्मा ने कहा कि विजिलेंस एक्टिविटी को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि विजिलेंस की कार्रवाई केवल उन्हीं फीडरों पर होनी चाहिए, जहां नुकसान ज्यादा है। विजिलेंस टीमें अपनी मर्जी से कहीं भी छापेमारी न करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि जहां विद्युत चोरी अधिक है, वहां कार्रवाई अवश्य की जाए परंतु कार्रवाई करते समय पारदर्शिता और जवाबदेही का पालन अवश्य किया जाए।

विधान परिषद चुनाव के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण 30 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 11 सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। इनमें से पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों, जबकि छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्य हैं। रिक्त होने जा रही सीटों पर चुनाव के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण 30 सितंबर से शुरू हो जाएगा। इस क्रम में निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को किया जाएगा।

- **अगले साल 11 सदस्यों का कार्यकाल होगा समाप्त**

परिषद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की रिक्त हो रहीं 5 सीटों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ एवं इलाहाबाद-झांसी शामिल हैं। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की जो 6 सीटें रिक्त हो रही हैं, उसमें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद हैं।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र : मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ जनपद तक। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर एवं सोनभद्र जनपद तक। आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद एवं कासगंज जनपद तक। मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ जनपद तक। इलाहाबाद झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी एवं ललितपुर जनपद तक होगा।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र : शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ तक। वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, एवं सोनभद्र तक। आगरा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद एवं कासगंज तक। मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ तक। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर एवं संभल जनपद तक। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी एवं अंबेडकर नगर शामिल हैं।

भारत-रूस में आर्थिक संबंध होंगे मजबूत

युवाओं को इनोवेटिव बिजनेस आइडियाज से आकर्षित करेगा यूपीआईटीएस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. फिर एक बार अंतरराष्ट्रीय निवेश और साझेदारी को अपना मंच देने जा रहा है। इसी कड़ी में रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग का आयोजन 26 सितंबर को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। खास बात यह है कि इस वर्ष रूस पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हो रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और भारत को नए व्यापारिक अवसरों की बड़ी सौगात मिलेगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच व्यापारिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाना, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करना है। बैंकिंग एवं निवेश, बीमा, शिक्षा और सामान्य व्यापार जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी। इससे दोनों देशों के बीच न केवल आर्थिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि प्रदेश के उद्योग और कारोबारी भी लाभान्वित होंगे। संवाद में तकनीकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण और नए निवेश मॉडल पर भी विचार किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और भारत की साझेदारी शिक्षा, बीमा और निवेश क्षेत्रों में नई संभावनाओं को जन्म देगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश में चल रही औद्योगिक नीतियों और मेगा प्रोजेक्ट्स में रूस की कंपनियों की भागीदारी से रोजगार और विकास के अवसर और बढ़ेंगे।

- **26 को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट का होगा आयोजन**
- **27 को सीएम युवा और 27 शैक्षिक संस्थानों के बीच होगा एमओयू हस्तांतरण**
- **गलगोटिया, जीएल बजाज, शारदा, एमिटी सहित प्रमुख यूनिवर्सिटी जुड़ेंगी योजना से**

हुनर और उत्पादों को मिलेगा वैश्विक मंच

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार पहुंच कर निर्देश दिए कि आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के प्रत्येक जिले की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जिले के वन डिस्टिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) से जुड़े उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य, हस्तकला और उद्योग संबंधी उत्पादों को वैश्विक खरीदारों और निवेशकों के सामने प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रदर्शनी नहीं होगी, बल्कि यूपी की विविधता, सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

खादी वस्त्रों में मॉडल करेंगे कैटवॉक

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के अंतर्गत आयोजित होने वाले फैशन शो में देशभर की फिल्म सिटी से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। फैशन शो में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को पेश करने के लिए विशेष कैटवॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे इन उत्पादों की गुणवत्ता और सौंदर्य का प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाया जा सके।

फोरेंसिक विशेषज्ञ पोस्टमार्टम ड्यूटी से बाहर, उठे सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पोस्टमार्टम के लिए नई गाइडलाइन में 60 साल आयु तक के सभी डॉक्टरों की ड्यूटी तो लगा दी गयी है, मगर फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम ड्यूटी से बाहर रखने का मामला बड़ा विवाद बनता जा रहा है। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग (पीएमएस) के चिकित्सक, जिन्हें हर माह पोस्टमार्टम का बोझ उठाना पड़ रहा है, विरोध जता रहे हैं। राजधानी समेत कई जिलों में चिकित्सकों ने इस व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं।

- **चिकित्सकों में रोष, सीएमओ पर लगाए आरोप**

जून 2025 में जारी गाइडलाइन में भले ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को छोड़कर 60 साल आयु तक के डॉक्टरों से पोस्टमार्टम कराने की अनिवार्यता रखी गयी है, मगर जिला स्तर पर पूरा अनुपालन नहीं हो रहा है। क्रमानुसार पोस्टमार्टम में ड्यूटी करने के लिए जिलों में मौजूद डॉक्टरों की कॉमन सूची नहीं तैयार की गयी है। सीएमओ का तर्क है कि व्यवस्थातंर्गत ग्रामीण क्षेत्र के डॉक्टरों को पोस्टमार्टम में नहीं बुलाया जाता है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के अस्पताल प्रभावित होते हैं। साथ ही केजीएमयू में फोरेंसिक विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप वर्मा का कहना है कि 2015 तक लावारिस शवों का पोस्टमार्टम हमारे यहां के चिकित्सकों द्वारा किया जाता था, उसके बाद सीएमओ द्वारा रोक लगा दी गयी थी। उन्होंने बताया कि 2015 के शासनादेश के अनुसार, व्यवस्था लागू करने के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक एवं स्वास्थ्य महानिदेशक स्तर पर, संयुक्त योजना बनाकर अमल कराना चाहिए, ताकि जिन जिलों में फोरेंसिक शिक्षक हैं, वहां पर पोस्टमार्टम करने का मौका फोरेंसिक एक्सपर्ट को मिल सके, क्योंकि विभाग में पोस्टमार्टम भी विषय है।

चिकित्सकों पर दोहरी जिम्मेदारी

पीएमएस संवर्ग के कई चिकित्सकों का कहना है कि पहले से ही अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों का बोझ संभालना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में लगातार हर माह पोस्टमार्टम ड्यूटी करने से उन पर दोहरी जिम्मेदारी आ गई है। एक चिकित्सक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञ, जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, उन्हें पूरी तरह अलग कर दिया गया है।

न्यायालय जाने की चेतावनी

बीते दिनों बागपत जिले में पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है, जिसके बाद पीएमएस चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही शासनादेश की समीक्षा नहीं की गई और फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल नहीं किया गया तो न्यायालय की शरण लेंगे।

बुलंदशहर की डीएम ने शिवपाल से मांगी माफी

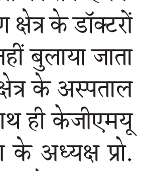

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की शिकायत के बाद बुलंदशहर की जिलाधिकारी (डीएम) श्रुति सिंह को बैकफुट पर आना पड़ा और सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने किसी मामले को लेकर बुलंदशहर की डीएम श्रुति सिंह से संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने जिलाधिकारी को लगभग 20 से 25 बार कॉल किए, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर नाराज होकर सीधे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से इसकी शिकायत दर्ज कर दी। शिकायत पर विधानसभा अध्यक्ष ने बुलंदशहर की डीएम को नोटिस जारी किया। इसके बाद शिवपाल सिंह से फोन पर माफी मांग ली।

पीडीए में 'पी' का मतलब पिछड़ा या पंडित

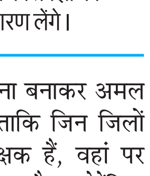

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर करारा वार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पीडीए में 'पी' का मतलब पिछड़ा है या पंडित। मौर्य के इस बयान को सपा नेतृत्व पर सीधा निशाना माना जा रहा है। एक कार्यक्रम के दौरान मऊ जिले में शुक्रवार को स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि 'पी' का मतलब पिछड़ा है या पंडित, 'डी' का मतलब दलित है या डिंपल यादव और 'ए' का अर्थ अल्पसंख्यक है या आधी आबादी। दूसरी तरफ उन्होंने बसपा को लेकर नरमी बरती है, जिससे राजनीतिक घर वापसी के कयास लगाये जा रहे हैं।

रामभद्राचार्य के खिलाफ अपमानजनक वीडियो तत्काल रोके जाएं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने चित्रकूट के जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ एक यूट्यूब चैनल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चल रहे कथित आपत्तिजनक वीडियो को तत्काल रोकने का आदेश फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल और यूट्यूब के शिकायत निवारण अधिकारियों को दिया है। साथ ही इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाले स्टेट कमिश्नर को भी सोशल मीडिया चैनल चलाने वाले शशांक शेखर के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आदेश, दोषियों पर करें कार्रवाई**

यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने शरद चंद्र श्रीवास्तव व अन्य की ओर से दाखिल रिट याचिका पर पारित किया है। याचिका में यह भी मांग की गयी है कि केंद्र व राज्य सरकार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाएं और उनका सख्ती से पालन करायें। कहा गया है कि यूट्यूबर शशांक शेखर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ अपमानजनक वीडियो चला रहे हैं। आपत्ति के बावजूद न तो वीडियो को हटाया गया है और न ही संबधित सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने ही अपने स्तर से कार्यवाही करके उक्त वीडियो को हटाया है। कहा गया कि स्वामी राम भद्राचार्य के आंखों की रोशनी बचपन में ही चली गई थी, उक्त वीडियो में उनकी इसी दिव्यांगता को लेकर अपमानजनक टिप्पणियों वाला वीडियो चलाया जा रहा है।

सुविधा

10 टन केले से की शुरुआत, फिलहाल किसानों से शुल्क नहीं लिया जाएगा, देना होगा सिर्फ बिजली खर्च

लखनऊ के मैंगो पैक हाउस में पकेंगे केले, मिलेगा बाजार

लखनऊ के रहमान खेड़ा स्थित मैंगो पैक हाउस में रखे केले।

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : रहमान खेड़ा में संचालित मंडी परिषद के मैंगो पैक हाउस में अब केला भी पकाया जाएगा। यहां किसानों को केला बिक्री के लिए बाजार भी मिलेगा। लखनऊ व आसपास के किसान पैक हाउस में केला लाएंगे। यहां बिना शुल्क तीन से चार दिन में कोल्ड रूम में राइपनिंग यानी पकाकर दिया जाएगा।

पैक हाउस में केला पकाने की शुरुआत शुक्रवार से कर दी है। लखनऊ व आसपास जिलों के किसानों ने 10 टन केला पकाने के लिए रखा है। पैक हाउस शुरुआती दौर में किसानों से सिर्फ बिजली का खर्च लेगा। जिले में यह सुविधा अब तक न होने की वजह से किसान अन्य उपाय व संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इस नई सुविधा से उन्हें फायदा और बचत होगी। साथ ही आम के सीजन में दो माह संचालित होने वाला पैक हाउस अन्य सीजन में काम करने से मंडी परिषद को फायदा होगा। क्योंकि आम का सीजन जाने के बाद हर माह किराया व बिजली समेत लाखों रुपये खर्च होता है। अब इन्हीं मशीनों, उपकरण और संसाधन का केला में इस्तेमाल करेंगे।

गैर प्रांतों में ढूंढ रहे बाजार, अगले वर्ष से निर्यात

पैक हाउस अभी किसानों का केला पकाकर उन्हें देगा, जिसकी बिक्री किसान स्वयं करेंगे। इसी के साथ पैक हाउस खुद गैर प्रांतों में केला की बिक्री करने का बाजार ढूंढ रहा है। इससे पैक हाउस की क्षमता बढ़ेगी और बराबर संचालन होगा। किसानों को भी सीधा फायदा होगा। यदि सफल हुए तो अगले वर्ष आम की तरह केला का निर्यातकों को प्रोत्साहित करके निर्यात भी किया जाएगा।

पैक हाउस की क्षमता

- अभी क्षमता 20 टन
- 40 टन तक बढ़ाएंगे

> पैक हाउस में सिर्फ किसानों का केला पकाकर देंगे, जो स्वयं बिक्री करेंगे, लेकिन इसमें वृद्धि करने के लिए गैर प्रांतों में बाजार तलाश रहे हैं। इससे कि किसानों को भी फायदा हो सके। इसके अलावा निर्यातकों के माध्यम से केले का निर्यात भी करेंगे।
>
> – अमित अग्रवाल, संचालक मैंगो पैक हाउस

न्यूज ब्रीफ

शहीद शोध संस्थान की बैठक 21 को

अयोध्या, अमृत विचार : अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान की बैठक रविवार 21 सितंबर को सिविल लाइंस स्थित एक होटल के सभागार में दोपहर 12 बजे से होगी। इसमें काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर विचार किया जाएगा। संस्थान के सेक्रेटरी विश्व प्रताप सिंह ने बताया कि आयोजन 22 अक्टूबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। बैठक में आयोजन समिति के गठन,माटी रतन सम्मान चयन समिति, परीक्षा प्रतियोगिता, विभिन्न स्कूलों के गरीब छात्रों के चयन, गोष्ठी आदि की रुपरेखा तय की जाएगी।

मंडलीय समीक्षा बैठक 23 को

अयोध्या, अमृत विचार : मंडलायुक्त राजेश कुमार 23 सितंबर को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से मंडलीय समीक्षा बैठक लेंगे। संयुक्त विकास आयुक्त राजेश कुमार झा ने बताया कि विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा 10 से साढ़े 12 बजे तक, कानून व्यवस्था की समीक्षा साढ़े 12 बजे से डेढ बजे तक व राजस्व कार्यक्रमों की समीक्षा ढाई से चार बजे तक की जाएगी। अधिकारी बैठक में स्वयं प्रतिभाग करें।

सबजूनियर बालक कुश्ती ट्रायल 23 को

अयोध्या,अमृत विचार : क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय के तत्वावधान में सबजूनियर बालक कुश्ती का चयन ट्रायल 23 सितम्बर को डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में होगा। आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल सुबह नौ बजे से व मंडलीय ट्रायल दोपहर एक बजे से होगा। चयनित मंडलीय टीम चार अक्टूबर से आगरा में आयोजित प्रदेशीय समन्वय सबजूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

मतदाता सूची को लेकर एसडीएम ने की बैठक

सोहावल, अमृत विचार : विधानसभा निर्वाचक नामावली को लेकर एसडीएम सविता देवी ने तहसील सभागार में लेखपालों, कानूनगो समेत अन्य कर्मियों के साथ शुक्रवार को बैठक कर बूथवार जानकारी ली। 18 साल की उम्र पूरी करने वालों का नाम सूची में जोड़ने को लेकर चर्चा की। मौके पर सोहावल तहसीलदार प्रदीप सिंह, नायब तहसीलदार रेशु जैन, इंद्र भूषण यादव ,सोहावल लेखपाल संघ अध्यक्ष सुशील कुमार, विजय निषाद समेत सभी बीएलओ भी मौजूद रहे।

जूनियर बैडमिन्टन ट्रायल आज

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय के तत्वावधान में जूनियर बालक व बालिका बैडमिन्टन चयन ट्रायल शनिवार को डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में आयोजित होगा। आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल सुबह नौ बजे व मंडलीय ट्रायल दोपहर एक बजे से होगा। चयनित मंडलीय टीम 23 सितम्बर से अयोध्या में आयोजित प्रदेशीय समन्वय जूनियर बालक व बालिका बैडमिन्टन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

कुमारगंज, अमृत विचार : नगर पंचायत कुमारगंज के पूरे भदई शुक्ल के रहने वाले दिलीप कुमार शुक्ला(40) का शव घर के एक कमरे में छत के पंखे से गमछे के सहारे लटकता पाया गया। कुमारगंज थानाध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

30 तक चुने एनपीएस से यूपीएस विकल्प

अयोध्या, अमृत विचार। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से जुड़े कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में स्थानांतरित व वापस आने का विकल्प 30 सितंबर तक चुन सकते हैं। लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि सभी पात्र रेल कर्मचारी अंतिम समय में आने वाली किसी भी कठिनाई से बचने और अपने अनुरोधों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए समय सीमा से पहले ही अपना विकल्प चुन लें। बताया कि जो कर्मचारी एनपीएस में बने रहना चाहते हैं, वह अंतिम तिथि के बाद यूपीएस नहीं चुन सकते।

राम मंदिर में ढाई घंटे का होगा ध्वजारोहण कार्यक्रम

विवाह पंचमी की तिथि पर होगा आयोजन, ट्रस्ट के महासचिव का दावा-पूरी दुनिया में होगी चर्चा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम 25 नवंबर को विवाह पंचमी की तिथि पर आयोजित होगा। इस दिन अयोध्या में भगवान श्रीराम और माता जानकी के विवाह उत्सव भी संपन्न किए जाएंगे। जिसको देखते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कार्यक्रम को सीमित रखा है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शुक्रवार को कारसेवकपुरम में बताया कि ध्वजारोहण कार्यक्रम ढाई घंटे का होगा। उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रम की चर्चा एक बार फिर पूरी दुनिया में होगी।

चंपत राय ने बताया कि विवाह पंचमी होने के नाते अयोध्या के मंदिरों में भी विभिन्न प्रकार की आयोजन संपन्न किए जाएंगे। शाम को राम बारात भी निकाले जाने की परंपरा है। जिसको ध्यान रखते हुए अयोध्या के साधु-संतों के साथ समन्वय स्थापित कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। कहा कि राम मंदिर के साथ परिसर में स्थापित शेषवतार मंदिर, परकोटा के छह देवी देवताओं के साथ-साथ ऋषि-मुनियों के मंदिर का भी निर्माण पूर्ण होने के बाद प्राण प्रतिष्ठा और मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम हो चुका है। नाथ मंदिरों के भी शिखर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। श्रद्धालु सभी मंदिरों में दर्शन कर सके इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट तैयारी में जुट गया है। महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्री विष्णु पंचायतन की दक्षिण शैली में निर्मित यह मन्दिर समूह निर्मित होने से पहले ही लोकप्रियता के सारे कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। अभी तक भक्त केवल प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप का ही दर्शन पा रहे है लेकिन जून में मंदिर परिसर के परकोटे में स्थित गणेश, हनुमान, सूर्य, भगवती, अन्नपूर्णा, शिव की सहित श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही ट्रस्ट निर्माण की अंतिम प्रक्रिया सौंदर्यीकरण में जुट गया है।

कारसेवकपुरम में पत्रकार वार्ता करते अशोक सिंघल फाउंडेशन ट्रस्ट के सदस्य।

राम मंदिर के ध्वज पर होगा प्राचीन चिह्न

ध्वजारोहण कार्यक्रम में राम मंदिर के शिखर पर लगने वाले ध्वज को विशेष रूप से तैयार किया जाएगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि प्राचीन काल में भगवान राम के ध्वज का कोई विशेष चिह्न रहा होगा। जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है। संतों की राय और ग्रंथों में लिखें तथ्यों के साथ पर तय किया जाएगा। ध्वज का आकार, ऊंचाई पर हवा की गति व प्रभाव जैसे पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है।

किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने नवंबर माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर अपील की है कि किसी भी प्रकार का अफवाह पर ध्यान न दें। कहा कि किसी भी व्यक्ति के द्वारा कोई भी सूचना दिए जाने से पहले उसकी प्रामाणिकता जरूर देखें। यदि कोई व्यक्ति कोई जानकारी देता है तो वह लिखित ले. अधूरी सूचना का ट्रस्ट खंडन करता है।

असहाय लोगों को निःशुल्क दिये जाएंगे कृत्रिम अंग

कार्यालय अयोध्या। अमृत विचार : राम मंदिर आंदोलन के नायक के रूप में प्रसिद्ध रहे स्वर्गीय अशोक सिंघल की याद में फाउंडेशन द्वारा अयोध्या में कृत्रिम अंग वितरण के लिए पांच दिवसीय शिविर का आयोजन 27 सितंबर से किया जायेगा।

- स्वर्गीय अशोक सिंघल फाउंडेशन का पांच दिवसीय शिविर 27 से

जिसमें दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ, पैर और चलने के लिए व्हीलचेयर, बैसाखी, चश्मा और सुनने के लिए कान की मशीन निशुल्क दी जाएगी। अशोक सिंघल फाउंडेशन के न्यासी चंपत राय ने शुक्रवार को कारसेवक पुरम परिसर में बताया कि अशोक सिंघल फाउंडेशन द्वारा यह विशेष शिविर चार वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। अब तक छह राज्यों से 4000 लोगों को निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराया जा चुका है। एमटूके के सहयोग से एक अक्टूबर तक लगने वाला शिविर पूरी तरह से निशुल्क है। बताया कि इस वर्ष खून जांच और कान की जांच की भी निशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। अभी तक शिविर में 500 से अधिक लोगों ने अपना नामांकन कर लिया है।

कमिश्नर व डीएम ने किया बृहस्पति कुंड का निरीक्षण

टेढ़ीबाजार स्थित बृहस्पति कुण्ड के कार्यों का निरीक्षण करते मंडलायुक्त राजेश कुमार व जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः कमिश्नर राजेश कुमार और डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने शुक्रवार को टेढ़ीबाजार स्थित बृहस्पतिकुण्ड के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारीद्वय ने कार्य मानकों के आधार पर तेजी से पूरा कराने व का निर्देश दिया।

कुंड व उसके आसपास जो भी निर्माण सामग्री या मलबा रखा है उसको हटाकर सफाई कराने के लिए कहा। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर में अपोलो इमरजेंसी केयर सेंटर, वेटिंग हाल व चल रहे निर्माणाधीन कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया। आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण में अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पांडेय, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के गोपाल जी सहित सम्बंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या से रामेश्वरम तक 290 स्थान पर लगेंगे श्री राम स्तंभ

अयोध्या, अमृत विचार: भगवान श्री राम वनगमन मार्ग पर श्री राम स्तम्भ स्थापित करने की कवायद एक बार फिर से शुरू हो गई है। इसके लिए देश भर में 290 व अयोध्या के 13 प्रमुख स्थान का चयन किया गया है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि इन स्तंभों को स्थापित करने के लिए उन सभी स्थानों से अनुमति लेने का कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। अयोध्या के प्राचीन स्थान भारत की तपोस्थली भरत कुंड पर मणिराम दास छावनी के स्थान के पास श्री राम स्तंभ लगेगा। जिसकी अनुमति प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा दशरथ महल बड़ा स्थान सेबी अनुमति प्राप्त हो चुकी है, जल्द ही इस कार्य को संपन्न किया जाएगा। इन स्तंभों पर भगवान राम के वंश से जुड़े प्रतीकों को अंकित किया गया है। जिसमें भगवान सूर्य तीर धनुष और इसके अलावा चौपाइयां भी लिखी गई है। अशोक सिंघल फाउंडेशन के सदस्य मनोज तिवारी ने बताया कि यह श्री राम स्तंभ राजस्थान से लाये गए हैं। यह पिक सेंड स्टोन से बने हैं। इनके ऊपर एक और परत भी है जिससे बरसात, धूल और काई का कोई प्रभाव नहीं होगा। निर्माण और अन्य सभी खर्च अशोक सिंघल फाउंडेशन और एमटूके फाउंडेशन संयुक्त रूप से उठाएंगे।

विजयदशमी पर पहली बार रामनगरी में संघ का पथ संचलन

अयोध्या, अमृत विचार। रामनगरी में विजय दशमी के पर्व पर पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पथ संचलन करने जा रहा है। संघ की परंपरागत वेशभूषा में करीब 10 हजार स्वयं सेवक अनुशासन और एकता का परिचय देते हुए रामकथा पार्क से राममंदिर के प्रवेश द्वार तक पथ संचलन करेंगे। इस अवसर पर संघ के सर कार्यवाही दत्तात्रेय होसबोले स्वयं मौजूद रहेंगे। संघ के शताब्दी महोत्सव पर होने जा रहे इस आयोजन की तैयारी बैठक महंत वैदेही बल्लभ शरण की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई। बैठक में शामिल संघ के प्रांत प्रचारक कौशल ने बताया कि रामकथा पार्क में सर कार्यवाह का संबोधन भी होगा। बैठक में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, महंत राजीव लोचन शरण, महंत सीताराम दास, महानगर प्रचारक सुदीप, महानगर संपर्क प्रमुख रवि दास, अभिषेक मिश्र, हरीश श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रतीकात्मक फोटो

फूड कार्ट में दुकान दिलाने के नाम पर तीन अधिवक्ताओं से ठगे छह लाख

अयोध्या कार्यालय।

- खाद्य व औषधि विभाग के ड्राइवर व कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 4 पर केस

अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित फूड कार्ट में दुकान दिलाने के नाम पर तीन अधिवक्ताओं से छह लाख रुपये ठगी करने का मामला सामने आया है। आईजी प्रवीण कुमार के निर्देश पर कोतवाली नगर पुलिस ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के ड्राइवर व कंप्यूटर ऑपरेटर समेत चार पर केस दर्ज किया है।

आईजी को दी तहरीर में अधिवक्ता रमेश कुमार, ऋषि कुमार सिंह व आशुतोष सिंह ने बताया कि उनकी मुलाकात कचेहरी परिसर में जून 2023 में एक वाद की पैरवी के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर रोहित द्विवेदी व ड्राइवर अनिल कुमार से हुई। उसने उन्हें बताया कि जल्द ही सिविल लाइंस स्थित कृष्णा पैलेस होटल के सामने फूड कार्ट का निर्माण होकर उसका आवंटन किया जाएगा। उसने कहा कि एक फूड कार्ट के लिए 1.75 लाख रुपये लगेंगे। हम तीनों अधिवक्ताओं ने 28 जुलाई 2023 को चार दुकानों के लिए उन्हें 6.30 लाख रुपये दिए। इसके बाद तीन अगस्त 2023 को रोहित द्विवेदी ने उनके व्हाट्सएप पर एक लिस्ट भेजी। हमने विभाग में आवंटन लिस्ट से मिलान किया तो इसमें हमारा नाम नहीं था। इसके बाद कंप्यूटर ऑपरेटर रोहित व ड्राइवर अनिल से संपर्क किया तो इन लोगों ने कहा कि लिस्ट बदल गयी है, इसलिए आपका आवंटन नहीं हो सका। आपका जो भी पैसा है, उसे मय ब्याज वापस कर देंगे। इसके बाद उसने 18 नवंबर को 10 हजार व 21 नवंबर 2023 को 40 हजार रुपये वापस किये। बताया कि ठगी की इस घटना का साजिशकर्ता रोहित का भाई राहुल द्विवेदी है। आरोप लगाया कि दो मई 2025 को रोहित के पिता रमाकांत के नंबर पर पीड़ित आशुतोष ने फोन किया तो उन्होंने गाली गलौज करते हुए धमकी दी। इस संदर्भ में कोतवाली नगर के निरीक्षक सुहैल खान ने बताया कि तहरीर के आधार पर रोहित, राहुल व रमाकांत द्विवेदी निवासी नंसा बाजार तारुन व अनिल कुमार निवासी भादर सराय रघुनाथ के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

10 हजार का इनामिया आपराधी गिफ्तार

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार: रौनाही पुलिस ने फरार चल रहे 10 हजार के इनामिया को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी संदीप कुमार सिंह ने बताया कि दो माह पहले चिर्रा जगनपुर में एक युवक का शव मिला था। जांच में हत्या कर फेके जाने की पुष्टि हुई थी। तहरीर पर आरोपी मूल निवासी बाराबंकी और वर्तमान में थाना उदयगंज हुसैनगंज निवासी आशिफ कुरैशी दर्ज की गई। तब से वह फरार चल रहा था। एसएसपी ने 10 हजार का इनाम घोषित किया। सूचना पर उसे गुरुवार दोपहर अयोध्या बस अड्डे से गिरफ्तार किया गया।

33 केवी में खराबी से दो विद्युत उप केन्द्रों में 12 घंटे ठप रही आपूर्ति

अयोध्या कार्यालय।

- 35 हजार उपभोक्ता हुए प्रभावित, जानकारी के लिए भटकते रहे

अमृत विचार : दर्शननगर के 33 केवी विद्युत उपकेंद्र में शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे आई तकनीकी खराबी के कारण चौक और अंजनीपुरम विद्युत उपकेंद्रों के क्षेत्रों में 12 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इससे 35,000 से अधिक उपभोक्ता प्रभावित हुए।

सुबह-सुबह बिजली गुल होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दैनिक कार्य प्रभावित हुए। पॉवर कॉर्पोरेशन की टीम को इसे ठीक करने में 12 घंटे लग गए, सुबह पांच बजे गुल हुई बिजली आपूर्ति शाम पांच बते तक बहाल हुई। स्थानीय लोगों ने विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर रखरखाव की मांग की। सुबह से बिजली न आने के कारण चौक विद्युत उप केन्द्र से जुड़े इलाकों में नगर निगम द्वारा पेयजल की आपूर्ति भी नहीं हो सकी। चौक के अशोक कुमार, आवास विकास के महेश रस्तोगी, शक्तिनगर के विरेंद्र श्रीवास्तव व अंजनीपुरम के रमेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह पांच बजे करीब विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। काफी देर तक बिजली न आने पर उप केन्द्र फोन मिलाया गया तो बताया गया एक बजे तक आयेगी, लेकिन शाम पांच बजे करीब आपूर्ति सुचारू हुई।

> तकनीकी खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। जिसे दुरुस्त करा आपूर्ति सुचारू कराई जा रही है। सुबह ही उपभोक्ताओं को ग्रुप पर मैसेज जारी किया गया था। –मनीष चौबे, अधिशासी अभियंता

पीएम मोदी ने सेवा को राजनीति का मूलमंत्र बनाया : एमएलसी

सर्किट हाउस सभागार में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सम्बोधित करते भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह।

अयोध्या कार्यालय। प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन से शुरू हुए सेवा पखवारा के तहत शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा को राजनीति का मूलमंत्र बनाया है। आज देश जिस विकास पथ पर अग्रसर है, उसका श्रेय उनके जनकल्याणकारी दृष्टिकोण को जाता है। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। विधायक रामचन्द्र यादव ने कहा कि सेवा पखवारा केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का अभियान है। जिलाध्यक्ष संजीव ने कहा कि सेवा पखवारा जनजागरण का माध्यम बन रहा है। पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर समाज सेवा की अलख जगा रहे हैं। मौके पर विधायक चंद भानु पासवान, कार्यक्रम संयोजक एवं ब्लॉक प्रमुख दिनेश वर्मा, जिला महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय, राधेश्याम त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय, जिपं सदस्य चंद्र भान सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जानलेवा हमले के आरोपी को नहीं मिली जमानत

अयोध्या, अमृत विचार। जानलेवा हमले के आरोपी मुकेश यादव की जमानत अर्जी अपर जिला जज सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत ने शुक्रवार खारिज कर दी। शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडे तथा रोहित पांडे ने बताया कि घटना की रिपोर्ट 20 जुलाई 2025 को वादी अनुज यादव ने लिखाई थी। कहा था कि 20 जुलाई की सुबह गोलू , राज यादव, अवि अग्रहरि, हर्षित यादव, अनमोल यादव, अभिषेक यादव, आकाश , सोनू साहू, मुकेश यादव, अरुण ठाकुर, सिद्धार्थ सिंह, विवेक व कुछ अन्य अज्ञात व्यक्ति लाठी डंडा लोहे की रॉड लेकर होमस्टे के अंदर घुसे और जान से मार डालने की नीयत से उसके पुत्र को गंभीर रूप से मारकर घायल कर दिया। इसके बाद उसे ले जाकर डाभा सेमर स्टेडियम के पीछे नहर के बगल फेंक दिया। आरोपियों की पहचान होम स्टे में लगे सीसीटीवी से हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मुकेश यादव की अर्जी खारिज कर दी।

फर्श पर प्रसव का मामला डिप्टी सीएम तक पहुंचा

- एक्स पर किया पोस्ट, सीएमओ को सख्त कार्रवाई का निर्देश
- आरोपी स्टाफ नर्स सीएचसी तारुन से संबद्ध, जांच को तीन सदस्यीय कमेटी गठित

रुदौली, अयोध्या

अमृत विचारः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली में मंगलवार रात प्रसव पीड़िता के फर्श पर प्रसव का मामला डिप्टी सीएम के यहां पहुंच गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के एक्स पर पोस्ट करने पर स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है।तहसील क्षेत्र के लखनीपुर भेलसर के अध्यापक अमरीश यादव मंगलवार रात करीब नौ बजे अपनी गर्भवती पत्नी राधा को लेकर सीएचसी रुदौली पहुँचे। अस्पताल में महिला को भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन बेड न होने का हवाला देकर उसे गैलरी में चटाई बिछाकर लिटा दिया गया।

परिजनों का आरोप है कि राधा प्रसव पीड़ा से कराहती रही लेकिन नर्सों ने देखने तक की जहमत नहीं उठाई। देर रात महिला ने फर्श पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। अमरीश ने घटना की लिखित शिकायत सीएमओ अयोध्या से की। मामला शासन तक पहुँचा। डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने इसे बेहद गंभीर माना। सीएमओ को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक रामचन्द्र यादव ने घटना को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बालियान ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। जांच पूरी होने तक स्टाफ नर्स वर्षा को सीएचसी तारुन सम्बद्ध कर दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फिल्मी कलाकारों की रामलीला | रामकथा पार्क में 22 से होगी शुरू, 02 अक्टूबर तक होगा आयोजन

सीता की भूमिका में दिखेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका विश्वकर्मा

अयोध्या कार्यालय

- मुख्य आकर्षण रहेगा विशालकाय पुतलों का दहन, दूरदर्शन पर होगा सजीव प्रसारण

अमृत विचार : रामनगरी में इस बार फिल्मी कलाकारों से सजी भव्य रामलीला का मुख्य आकर्षण मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मणिका विश्वकर्मा होंगी। वह माता सीता का किरदार निभाएंगी। मणिका सीता स्वयंवर और विवाह प्रसंग में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतेंगी। साथ ही रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन भी आकर्षण का केंद्र होगा।

मिस यूनिवर्स मणिका विश्वकर्मा

अयोध्या रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) ने शुक्रवार को अमृत विचार से हुई बातचीत में कहा कि इस बार फिल्मी कलाकारों की रामलीला मंचन का सातवां मंचन होगा। कहा कि मंचन को प्रतिवर्ष भव्य और हाईटेक बनाने की दिशा में लगातार प्रयास रहता है। इसी कड़ी में इस बार मिस यूनिवर्स इंडिया मणिका को मां सीता के किरदार के लिये चुना गया। गत वर्षों में अभिनेत्री भाग्य श्री भी यह किरदार निभा चुकी हैं। दावा किया कि वर्ष 2024 में फिल्मी रामलीला को 45 करोड़ दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफार्म पर देखा था। उन्होंने बताया कि रामकथा पार्क नया घाट में 22 सितंबर को फिल्मी रामलीला का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेंगे। कहा कि 2 अक्टूबर तक रोज शाम सात बजे से रात्रि 10 बजे तक रामलीला का मंचन होगा। इसका दूरदर्शन पर सजीव प्रसारण होगा। इसके साथ-साथ लोग यू-ट्यूब और फेसबुक आदि डिजिटल प्लेटफार्म पर भी इसका आनंद ले सकेंगे।

प्रतीकात्मक फोटो

मंचन करने वाले कलाकार

पात्र	कलाकार
श्रीराम	राहुल गुच्चर
सीता	मणिका विश्वकर्मा
लक्ष्मण	राजन मोदी
रावण	विजय सक्सेना
परशुराम	पुनीत इस्सर
बाली	मनोज तिवारी, भाजपा सांसद
केवट	रवि किशन, भाजपा सांसद
भगवान शिव	बिंदु दारा सिंह
नारद मुनि	अवतार गिल
अंगद	राकेश बेदी
मेघनाथ	अरुण बख्शी
सबरी	मानवी

शंटिंग के दौरान ट्रैक से उतरे मालगाड़ी के दो पहिए

अयोध्या कार्यालय

अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रैक से उतरा मालगाड़ी का पहिया।

अमृत विचार। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार शाम करीब छह बजे शंटिंग के दौरान एक मालगाड़ी के दो पहिए ट्रैक से उतर गए। हादसा कैरेज व वैगन कार्यालय के पास हुआ, इससे लखनऊ-वाराणसी मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन प्रभावित नहीं हुआ।

आरपीएफ के थाना प्रभारी हरीश शाही ने बताया किनौ डिब्बे की खाली मालगाड़ी को शुक्रवार शाम 12 नंबर लाइन पर शंटिंग कराया जा रहा था। इस दौरान कैरेज व वैगन कार्यालय के पास वैगन नंबर एआर 11933 के दो पहिए ट्रैक से नीचे उतर गए। रेल अधिकारियों व इंजीनियरिंग टीम ने उसे पटरी पर करने का प्रयास शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक राहत कार्य जारी था। इसके चलते सुलतानपुर-प्रयागराज जाने वाली रेल लाइन प्रभावित हुई। अधिकारियों के अनुसार इस रूट पर रात 11:55 पर सरयू एक्सप्रेस के रवाना होने से पहले वैगन को ट्रैक पर चढ़ा लिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने खाया विषाक्त पदार्थ, गंभीर

तारुन, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के बाहरपुर गांव की रहने वाली अंतिमा (22) पत्नी विकास ने किसी बात को लेकर शुक्रवार की दोपहर में घर में रखा विषाक्त पदार्थ खा लिया। दरोगा ऐश्वर्या श्रीवास्तव ने सीएचसी तारुन पहुंचवाया। डॉ. नन्हकूराम ने उसे गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर दर्शननगर अयोध्या रेफर कर दिया।

राम के बाल रूप का वर्णन सुन विह्वल हुए श्रोता

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : पूराबाजार के राम लीला मैदान में आयोजित श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन की कथा में श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के मनोहर बाल रूप के दिव्य दर्शन का आनंद लिया। कथा व्यास प्रशांत जी महाराज ने राम जन्मोत्सव और बाल लीलाओं का मार्मिक वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा में संयोजक पूर्व जिपं सदस्य शंभूनाथ सिंह ने मुख्य अतिथि भाजपा नेता भगवान बक्श सिंह, सुधीर सिंह, डॉ. रफीक अहमद सहित व्यासपीठ का आशीर्वाद लेकर कथा श्रवण किया। मुख्य यजमान विजयनाथ सिंह मौजूद रहे।

गोसाईगंज में अवैध देह-व्यापार का धंधा

गोसाईगंज, अमृत विचार : गोसाईगंज बाजार में अवैध देह व्यापार की चर्चा है। एक मैरिज हॉल का नाम भी लोग चटखारे लेकर ले रहे हैं। जहां प्रेमी जोड़ों को घंटे के हिसाब से किराए पर कमरे देकर मोटी रकम वसूली जाती है। विरोध करने वालों को धमकियां दी जाती हैं। गोसाईगंज कोतवाल शरदेंदु दुबे ने कहा कि यदि ऐसा है तो मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा उप सचिव से की मुलाकात

अयोध्या, अमृत विचार : समाजसेवा का काम कर रहे दि आयुष्मान फाउंडेशन के संस्थापक व समाजसेवी पवन पटेल ने विधानसभा परिसर में विधानसभा उपसचिव नीरज कुमार सचान से मुलाकात की। सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और विकास के मुद्दों पर संवाद के दौरान प्रदेश के सामाजिक उत्थान के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। बताया कि उपसचिव ने कहा कि सामाजिक जागरूकता और उत्थान के लिए ऐसे समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है, जो जनसामान्य के जीवन स्तर को सुधारने में मदद करें।

नवीगंज नहर से खिरौनी मार्ग बदहाल

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र में नवीगंज नहर पुल से सुचित्तागंज नगर पंचायत खिरौनी तक जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। जलभराव के कारण सड़क जर्जर हो गई है। मार्ग पर एक बालिका महाविद्यालय, एक इंटर कॉलेज सहित कई विद्यालय स्थित हैं। छात्र-छात्राओं को रोजाना भारी दिक्कत झेलनी पड़ती है। बारिश के मौसम में हालात और बिगड़ जाती हैं। अभिभावकों का कहना है कि दुर्घटना की आशंका लगातार बनी है। मांग की है कि इस सड़क का निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों, मरीजों और आमजन को सुरक्षित व सुगम आवागमन का का मार्ग मिल सके।

सिद्धपीठ शिव हनुमान मंदिर की पुजारी पंचतत्व में विलीन

देवी प्रसाद तिवारी पुजारी (फाइल फोटो)

अयोध्या, अमृत विचार : सीतापुर आई हॉस्पिटल के सामने स्थित सिद्ध पीठ प्राचीन शिव हनुमान मंदिर के पुजारी देवी प्रसाद तिवारी उर्फ लल्लू पंडित (80) का आकस्मिक निधन हो गया। वह 35 साल से मंदिर की पूजा अर्चना का दायित्व संभाल रहे थे। हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि उनका पार्थिव शरीर मंदिर लाया गया। यहां मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता राकेश वैद्य सहित मंदिर से जुड़े लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की। उनकी अंतिम यात्रा में प्रो. डॉ अशोक कुमार मिश्रा, पार्षद राम भवन यादव, पूर्व पार्षद राम नंदन तिवारी, पूर्व पार्षद अनुभव जायसवाल सहित सैकड़ो भक्त शामिल थे। उनका अंतिम संस्कार सरयू तट पर कर दिया गया।

टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन

अयोध्या कार्यालय

टीईटी के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदर्शन करते शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार : कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को मांगों से संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल करे या अध्यादेश लाकर शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करे। जिला मंत्री प्रेम वर्मा ने कहा कि टीईटी की अनिवार्यता समाप्त नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा। राज्य संयुक्त कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह ने आंदोलन को समर्थन दिया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंह, बीकापुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रिया कांत पांडे, मंत्री द्वारकाधीश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष गुलाब चंद्र, मिल्कीपुर ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्र शेखर सिंह, मंत्री राजेश कुमार, विनीता सिंह समेत उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ के समस्त पदाधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षक संघ का सदस्यता अभियान 30 तक : नीलमणि

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया सदस्यता अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। जिलाध्यक्ष व प्रांतीय ऑडिटर नीलमणि त्रिपाठी ने बताया कि ब्लॉक पदाधिकारियों से संपर्क कर सदस्य बना जा सकता है। कहा कि विकास खंड तारुन, बीकापुर, मिल्कीपुर, रुदौली, मवई, मसौधा आदि विकास खंडों में त्रिवर्षिक निर्वाचन प्रस्तावित है। ऐसी स्थिति में सदस्यता में शिथिलता चुनाव प्रक्रिया से बाहर कर सकती है। जिला मंत्री डॉ. चक्रवर्ती सिंह ने बताया कि सदस्यता न रहने पर शिक्षक न तो मताधिकार का प्रयोग कर पाएंगे न ही प्रत्याशी बन सकते हैं। जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र भारती ने कहा कि यदि 30 सितंबर से पहले से सदस्यता नहीं ली जाती है तो बाद में सदस्यता प्रदान किया जा पाना संभव नहीं होगा।

नीलमणि त्रिपाठी

मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान को ज्ञापन देते अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी

मिल्कीपुर विधायक को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील पांडेय के निर्देश पर संघ के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को विधायक मिल्कीपुर चंद्रभानु पासवान को ज्ञापन सौंपा। इसमें 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टेट जैसी किसी भी परीक्षा से मुक्त करने की मांग की। विधायक ने संगठन की मांग को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष अवधेश यादव, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. मनुजेश यादव, जिलामंत्री अशोक वर्मा, जिला संयुक्त मंत्री अजय वर्मा, सोहावल ब्लॉक संयोजक उमाशंकर, जय प्रकाश पटेल आदि मौजूद रहे।

नाले से अतिक्रमण हटाने व अस्पताल की बाउंड्री पर गेट लगाने का निर्देश

निरीक्षण के दौरान लोगों से बातचीत करते महापौर गिरीश पति त्रिपाठी व नगर आयुक्त जयेंद्र चौधरी। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय।

जायजा

- नगर की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत महापौर व नगर आयुक्त ने किया स्वामी विवेकानंद व जयप्रकाश नगर वार्ड का निरीक्षण

अमृत विचार : नगर की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने स्वामी विवेकानंद व जयप्रकाश नगर वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान कि अस्पताल के बगल से आने वाले नाले पर अतिक्रमण होने से जल भराव की समस्या दिखाई पड़ी। नगर आयुक्त ने अतिक्रमण हटाने व अस्पताल की बाउंड्री पर गेट लगाने का निर्देश दिया।

महापौर व नगर आयुक्त सुबह जनाना अस्पताल मार्ग पर स्थित रेनू मेमोरियल ऑर्थो सेंटर के बगल गली के मुहाने पर पहुंचे। यहां से उप सभापति राजेश गौड़, पार्षद हरिश्चंद्र, अनिल सिंह, केंद्रीय दुर्गा पूजा के सुप्रीत कपूर, भाजपा कोषाध्यक्ष बृजेंद्र जायसवाल आदि के साथ पैदल भ्रमण कर निरीक्षण का सिलसिला शुरू हुआ। गली की ओर मुड़ते ही जल भराव की समस्या सामने आई। लोगों ने बताया कि पुलिस लाइन का पानी इधर आने से बरसात के दौरान रास्ते में दो फीट पानी भर जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। कहा कि अस्पताल के बगल से आने वाले नाले पर अतिक्रमण होने से जल भराव की समस्या हो रही है। ऋषि टोला से चौक-फतेहगंज मार्ग को जोड़ने वाली गली में महापौर ने टूटी पटिया को बदलने का निर्देश दिया। यहां मशीन से सफाई के बावजूद जल जमाव की स्थिति पाई गई। पार्षद ने पोकलैंड लगाकर नाले की गहराई बढ़ाने की आवश्यकता जताई। महापौर ने इस गली में भारी वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए बैरियर लगाने का निर्देश दिया

फतेहगंज स्थित रामजानकी मंदिर परिसर पहुंचकर दुर्गा पूजा के पंडाल को देखा व यहां बेहतर जल निकासी के मद्देनजर संकरी पुलिया को तोड़कर नया बनवाने का निर्देश दिया। इसके बाद टीम फतेहगंज ओवर ब्रिज पहुंची। ब्रिज के नीचे वाहन खड़े देखकर नगर आयुक्त ने उन्हें हटाने का निर्देश दिया। दाल मंडी में दुर्गा पंडाल के ऊपर लटक रहे बिजली के तार को देखते हुए पंडाल की ऊंचाई कम करने की आवश्यकता जताई। चौराहे पर श्रीबाल समारोह दुर्गा पूजा समिति ने शौचालय की मांग की। इस मौके पर अपर आयुक्त भारत कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, अधिशासी अभियंता निर्माण राजपति यादव, सहायक अभियंता जलकर जयकुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक कमल कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रदेशीय स्कूली प्रतियोगिता 22 से

अयोध्या कार्यालय।

- आदर्श इंटर कॉलेज में होंगी वुशू, टाकरा, व थांग्ता मार्शल आट्र्स की प्रतियोगिताएं

अमृत विचार: प्रदेशीय विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता जिले में 22 सितम्बर से शुरू होगी। आयोजन सचिव आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य वरुण प्रताप सिंह व मंडलीय क्रीड़ा सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि इसका वुशू प्रतियोगिता से आगाज होगा।

जिला स्कूली क्रीड़ा समिति के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि आदर्श इंटर कॉलेज में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग में बालक व बालिका वर्ग की 22 से वुशू, 24 से सेपक टाकरा, 26 से गतका व 28 से 30 सितम्बर तक थांग्ता मार्शल आट्र्स की प्रतियोगिता आयोजित होगी। बताया कि आगरा, मुरादाबाद, सहारनपुर, झांसी मंडल की बालक टीमें मनोहरलाल इंटर कॉलेज में व बालिका टीमें मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज में ठहरेंगी। वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर की बालक टीमें एसएसवी में व बालिका टीमें आर्यकन्या में रुकेंगी। आजमगढ़, अलीगढ़ व बरेली बालक टीमें फार्ब्स में व बालिका टीमें बापू बालिका कॉलेज में ठहरेंगी। मेरठ, कानपुर मिर्जापुर, अयोध्या बालक टीमें आदर्श में व बालिका टीमें जीजीआईसी में और चित्रकूट, देवीपाटन, बस्ती मंडल की बालक टीमें राजकरण इंटर कॉलेज व बालिका टीमें साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज में ठहरेंगी। सुचारु रूप से प्रतियोगिता संचालन के लिए शिक्षकों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

रुदौली के वीर अब्दुल हमीद वार्ड नई बस्ती में हुआ जलभराव।

पूरे खान में जलभराव से घरों में कैद रहने को मजबूर लोग, एसडीएम के पास पहुंचीं महिलाएं

रुदौली, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के पूरेखान में दर्जनों घरों में जलभराव हो गया। पूरेखान वीरअब्दुल हमीद वार्ड नई बस्तीमोहल्ले की परेशान महिलाएं जल भराव से निजात दिलाने के लिए शुक्रवार को एसडीएम विकास धर दूबे के पास पहुंचीं। शिकायती पत्र सौंपा, दुखड़ा सुनाया। कहा कि मोहल्ला के लोग एक माह से जलभराव की समस्या से जूझ रहे है। सभासद से चेयरमैन तक शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान तो दूर, कोई देखने तक नहीं आया। एसडीएम ने बताया कि अधिशासी अधिकारी को कार्रवाई का निर्देश दे दिया है। एसडीएम से मिलने वालों में शीरी, शमा परवीन, शगूफी फात्मा, शकीला बानो, फरजीना खातून, तस्लीम बानो व फलक बानो आदि थीं।

स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली

अयोध्या, अमृत विचार। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शुक्रवार को अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली निकाली गई। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि रैली के दौरान स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। यात्रियों एवं आम नागरिकों को जागरूक करते हुए उन्हें रेलवे परिसरों में गंदगी न फैलाने, कूड़ेदान का प्रयोग करने एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने हेतु सहयोग का आह्वान किया गया। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक विजय चौबे समेत सफाईकर्मी मौजूद रहे।

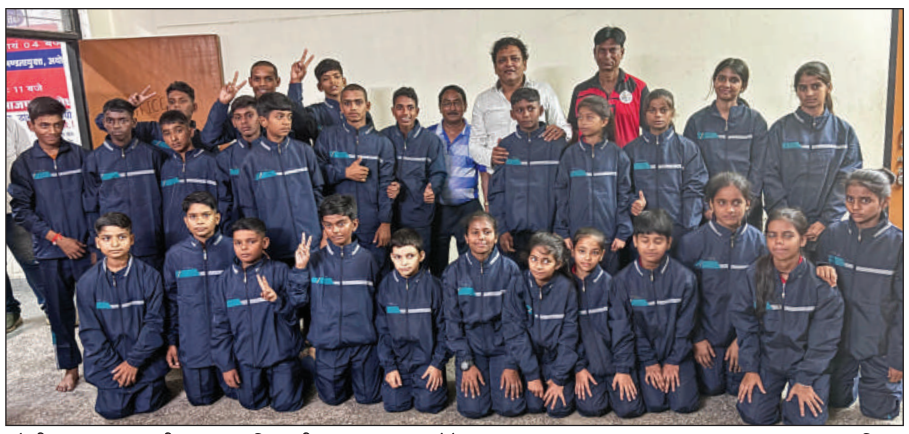

प्रदेशीय आत्या पात्या की बालक-बालिका टीम महराष्ट्र रवाना होते हुए। अमृत विचार

प्रदेशीय आत्या पात्या टीम महाराष्ट्र के मलकपुर को रवाना

अयोध्या, अमृत विचार : महाराष्ट्र के मलकपुर में 21 सितम्बर से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय आत्या पात्या प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली उत्तर प्रदेश टीम शुक्रवार को डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल से रवाना हुई। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना ने अंडर-18 वर्ग की बालक व बालिका टीम के खिलाड़ियों, बालक टीम कोच महेंद्र कुमार गुप्ता व बालिका टीम कोच जान्सी साहू को तिलक लगाकर रवाना किया। इस अवसर पर फतेहपुर के क्रीड़ाधिकारी सुनील भारती सहित खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान को बेहतर बनाने के लिए किया मंथन

अयोध्या कार्यालय।

पुलिस लाइन सभागार में जनपद के सभी थानों की बीट महिला आरक्षियों के साथ गोष्ठी करते एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर।

अमृत विचार : पुलिस लाइंस स्थित सभागार में शुक्रवार को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने जिले के सभी थानों पर तैनात बीट महिला पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी की। इसमें मिशन शक्ति फेज पांच को लेकर उनके योगदान, अनुभव व बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। साथ ही इसे और बेहतर बनाने के लिए मंथन किया गया।

कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इस अभियान के तहत पुलिस शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों, सार्वजनिक स्थान, स्कूल-कॉलेज आदि में चौपाल लगाकर महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को उनके अधिकारों, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक कर रही है। एसएसपी ने बताया कि इस गोष्ठी में विगत वर्षों में चलाए अभियान की समीक्षा भी की गई। साथ ही थानों में तैनात महिला आरक्षियों द्वारा अब तक किए कार्य, उनके अनुभव को जाना गया व इस अभियान को और बेहतर बनाने की चर्चा की गई। बताया कि महिला सुरक्षा शासन की प्राथमिकता में हैं, इसको लेकर महिलाओं को जागरूक करने पर जोर दिया गया। गोष्ठी में एसपी ग्रामीण व मिशन शक्ति के नोडल अधिकारी बलवंत चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

नवरात्र में सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश, सुरक्षा व्यवस्था की मांग

गोसाईगंज, अमृत विचार: केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष हेमन्त गुप्ता ने दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान प्रशासन से सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, घाटों की सुरक्षा और मेडिकल कैंप जैसी व्यवस्था किए जाने की मांग की है। कहा कि इस बार गोसाईगंज में धार्मिक वातावरण में बेहतर ढंग से आयोजन की व्यवस्था की जा रही है। किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए सजग रहने की मांग की। वह शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल थे।

खेल मैदान को अवैध कब्जा से मुक्त कराने की मांग करते ग्रामीण। अमृत विचार

भ्रष्टाचार की जांच हो, खेल मैदान की नाप हो की तख्ती के साथ पहुंचे तहसील

सोहावल, अयोध्या

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के सुरवारी गांव के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की जमीन को कब्जे से मुक्त कराकर उस पर खेल मैदान के लिए बाउंड्री निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने हाथों में भ्रष्टाचार की जांच हो, खेल मैदान की नाप हो जैसी लिखी पट्टियां लेकर विरोध दर्ज कराया। एसडीएम सविता देवी को शिकायती पत्र सौंपा। प्रधान पर अवैध कब्जेदार के साथ साठगांठ का आरोप लगाया। पूर्व प्रधान प्रतिनिधि राम कुमार जायसवाल, मनोज कुमार, उमाशंकर सिंह, राकेश यादव सहित अन्य मांग की कि पूरी जमीन की पैमाइश करवा कर कब्जा मुक्त कराया जाए। संपूर्ण रकबे पर बाउंड्री वाल बनाई जाए। एसडीएम सविता देवी ने बताया कि मामले की जांच करवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा-व्यवस्था दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान अराजक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस तैयार, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादे कपड़ों में तैनात रहेगी पुलिस

बॉडी वार्न कैमरों से लैस पुलिस लेगी मनचलों की खबर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। भीड़ वाले इलाकों में अराजक तत्वों और मनचलों पर नकेल कसने के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती करने की तैयारी है, जो बॉडी वॉर्न कैमरे से लैस होंगे। साथ ही सीसीटीवी और ड्रोन की मदद से पूरे शहर पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

पुलिस द्वारा तैयार की गई रणनीति के तहत मंदिर परिसरों, पंडालों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सादे कपड़ों में तैनात महिला और पुरुष पुलिसकर्मी भीड़ में घुल मिलकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और तुरंत कार्रवाई करेंगे। एंटी रोमियो स्कवॉयड व महिला थाना पुलिस बॉडी वार्न कैमरों से लैस होकर भीड़भाड़ वाले इलाके में गश्त करेंगी। यह हर गतिविधियों को रिकॉर्ड करेंगी, जिससे असामाजिक तत्वों की पहचान और कार्रवाई में आसानी होगी। ड्रोन की मदद से ऊंचाई से भीड़ और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को तुरंत रोका जा सके।

जिले के सभी पूजा स्थलों व देवीय मंदिरों पर पुलिस व होमगार्ड के पुरुष व महिला जवानों की तैनाती की जाएगी। सभी थाना व चौकी प्रभारी लगातार गश्त कर व्यवस्था पर निगरानी रखेंगे। जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा समितियों से लगातार बैठकें की जा रही है। जिसमें दुर्गा पूजा स्थलों पर सीसीटीवी लगाने व आग से बचाव के लिए समुचित प्रबंध किए जाने की अपील की जा रही है।

भीड़ बढ़ने पर शहर में लागू होगा रूट डायवर्जन

सुरक्षा के साथ सुगम यातायात के लिए भी प्लान बनाया गया है। अष्टमी से भीड़ बढ़ने पर शहर के चौक, रिकाबगंज, फतेहगंज, नाका, रीडगंज इलाके में वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने की योजना है। रूट डायवर्जन लागू कर वाहनों अन्य मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। मूर्ति विसर्जन व दशहरा के पर्व पर भी शहर के डायवर्जन लागू किया जाएगा। वहीं, शहर के सभी प्रमुख चौक चौराहों पर यातायात पुलिस की भी तैनाती रहेगी। जो नशे में बाइक चला रहे चालकों की ब्रेथ एथेनलाइजर से जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी करेगी।

नवरात्र व दुर्गा पूजा महोत्सव में सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। सभी दुर्गा पूजा स्थलों व देवीय मंदिरों में सुरक्षा बल की तैनाती की जाएगी। अराजकतत्वों पर नजर रखने के लिए विशेष टीम बनाई गई है। व्यवस्था को लेकर लगातार बैठकें की जा रही हैं। **-चक्रपाणि त्रिपाठी, एसपी सिटी।**

नवरात्र व दुर्गा पूजा महोत्सव में सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। सभी दुर्गा पूजा स्थलों व देवीय मंदिरों में सुरक्षा बल की तैनाती की जाएगी। महिला सुरक्षा को लेकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिला पुलिसकर्मियों व एंटी रोमियो स्क्वॉयड को तैनात किया जाएगा। अराजकतत्वों पर नजर रखने के लिए विशेष टीम बनाई गई है। व्यवस्था को लेकर लगातार बैठकें की जा रही हैं। **-डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी।**

विद्यालय गौरव से सम्मानित हुए प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी को सम्मानित करते एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी।

अयोध्या, अमृत विचार : पंडित हृदयराम शर्मा पीडी पांडेय इंटर कॉलेज सोनैसा रसूलाबाद के प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी को विद्यालय प्रबंधन द्वारा उनकी निष्ठा और विद्यालय में बेहतर टीम प्रबंधन के लिए विद्यालय गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। गोरखपुर फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने प्रधानाचार्य को यह सम्मान प्रदान किया। शिक्षक विधायक ने कहा कि प्रबंधन और प्रधानाचार्य एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं और दोनों में सामंजस्य होना बहुत जरूरी है। प्रधानाचार्य डॉ. रमेश मिश्रा, प्रधानाचार्य अवनीन्द्र श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य शिवकुमार मिश्र प्रधानाचार्य रामकृष्ण मिश्रा, प्रधानाचार्य सरोज द्विवेदी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

न्यूज ब्रीफ

पोस्ट ऑफिस छह महीने से बंद, लोग परेशान

गोसाईगंज, अमृत विचार : गोसाईगंज डाकघर परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बंदनपुर पोस्ट ऑफिस छह महीनों से बंद है। ग्रामीणों को रजिस्ट्री, रसीदी टिकट, पोस्टल ऑर्डर और डाक विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्हें दूर दराज के डाकघरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी जसवंत सिद्धार्थ और अरुण कुमार ने मामले में पोस्ट अधीक्षक अयोध्या को पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

जलभराव से लोग परेशान, नालियां चोक

मवई, अमृत विचार : मवई ब्लॉक के दुल्लापुर गांव में लंबे समय से मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। नालियों की सफाई न होने के कारण बरसात का पानी सड़क पर जमा हो जाता है। इससे राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीण संदीप गौतम, राजेंद्र यादव, सुनील रावत, अशोक कुमार और कृष्णा मौर्य ने बताया कि कई बार ब्लॉक अधिकारियों से शिकायत कीगई। अब तक गांव में सफाई कर्मी तक नहीं भेजे गए।

अर्धनिर्मित मार्ग से भक्तों को परेशानी

मवई, अमृत विचार : फिरोजपुर पवारान में दुर्गा पूजा और रामलीला के आयोजन से पहले मार्ग में अर्धनिर्मित इंटरलॉकिंग कार्य से भक्त परेशान हैं। आने-जाने में भारी कठिनाई हो रही है। रुदौली उपजिलाधिकारी विकास धर दुबे ने बताया कि ठेकेदार को अधूरे कार्य को तुरंत पूरा करने के निर्देश दिया है। सुनिश्चित किया जाएगा कि आयोजन स्थल तक सभी की आवाजाही सुरक्षित और सुगम रहे।

तीन गांवों में पुलिस को मिलीं फर्जी सूचनाएं

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के तीन अलग-अलग गांवों से पुलिस को दी गई सूचनाएं फर्जी पाई गईं। जानकारी के अनुसार जैनापुर गांव निवासी प्रिंस कुमार मौर्या तथा अशरफपुर मझगवां और उफरौली गांव निवासी सुरेश कुमार शर्मा द्वारा गुरुवार रात पुलिस को सूचना दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप निरीक्षक गुलाम रसूल अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और जांच किया तो सूचनाएं निराधार निकलीं। कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि फर्जी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

बेटी को भगाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : मालीपुर थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप गांव की ही एक महिला पर लगाया है। इस मामले में पुलिस ने गीता के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले में सख्ती से जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विपक्षियों ने बंद किया रास्ता, ग्रामीण परेशान

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के भस्मा गांव में विपक्षियों द्वारा रास्ता बंद कर देने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित दिलीप कुमार ने 19 सितंबर को जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग किया है। पीड़ित का कहना है कि मामले की शिकायत तहसील दिवस में भी की गई थी, लेकिन क्षेत्रीय लेखपाल ने विपक्षी के दबाव में आकर बिना स्थल निरीक्षण किए गलत आख्या लगा दी। जिसके चलते अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। डीएम से शीघ्र कार्रवाई कर रास्ता खुलवाने की मांग की है।

चोरी का प्रयास रहा असफल

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : अकबरपुर कोतवाली थाना क्षेत्र बीती रात बेखौफ चोरों ने घर का दरवाजा तोड़कर चोरों ने घर में घुसने का प्रयास किया। गृह स्वामी के सतर्कता से चोरी का प्रयास अशफल रहा। कोड़रा के दिनेश वर्मा ने अकबरपुर कोतवाली में लिखित शिकायत कर बताया कि घर के छत पर चोरों ने चढ़कर लगे दरवाजे को रात लगभग 12 बजे के करीब तोड़ दिया। जिसमें घर के अन्दर सो रहे गृहस्वामी को खटखटाहट की आवाज आई तो छत पर चढ़ ही रहा था, किचोरों ने जैसे ही आते देखा चोर छत को फांद कर भाग निकले। चोरी करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

भारतीय संस्कृति में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च : डॉ. बिजेन्द्र

अयोध्या कार्यालय

- कुलपति ने युवाओं से किया बुढ़ापे में सहारा बनने का आह्वान

अमृत विचार : भारतीय संस्कृति में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च है। वृद्ध परिजनों की उपेक्षा सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है। वृद्धजन हमारे समाज की धरोहर हैं। उनकी रक्षा, सुरक्षा, देखभाल, सम्मान और प्रेम अत्यंत आवश्यक है। ये बातें शुक्रवार को अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहीं। उन्होंने युवाओं व नई पीढ़ी के बच्चों से माता-पिता के बुढ़ापा में सहारा बनने का आह्वान किया।

अयोध्या में वृद्धाश्रम का निरीक्षण करते अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह।

वह समाज कार्य विभाग और समाजशास्त्र पाठ्यक्रम के छात्रों के सहयोग से सेवा पखवाड़ा के तहत से मणि पर्वत अयोध्या स्थित वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्ध जनों को फल एवं अन्य दैनिक जीवन से जुड़ी सामग्री का वितरण कर रहे थे। कहा कि समय-समय पर विश्वविद्यालय निश्चित रूप से वृद्धाश्रम में सहयोग करता रहेगा। निज आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यक्तिगत तौर पर उनका भी सहयोग जारी रहेगा। संपूर्ण वृद्धाश्रम परिसर का भ्रमण कर वहां की प्रबंधन व्यवस्था को देखा। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, समाज कार्य विभाग के डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. प्रभात कुमार सिंह, डॉ. प्रतिभा, पल्लव पांडे ,सीमा तिवारी, वृद्धाश्रम के संचालक अमरीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में देवेंद्र, प्रशांत व हिमांशु अव्वल

अयोध्या, अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में माइक्रोबायोलॉजिस्ट समिति इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय सूक्ष्मजीव दिवस मनाया गया। प्रश्नोत्तरी, पोस्टर व पहेली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम देवेंद्र कुशवाहा, द्वितीय आर्या सिन्हा, तृतीय रुपाली एवं क्रॉसवर्ड पजल प्रतियोगिता में प्रथम प्रशांत, द्वितीय अनुज, तृतीय दुर्गा प्रसाद और पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम हिमांशु, द्वितीय दुर्गा प्रसाद, तृतीय अंजलि पटेल रहीं। प्रो. तुहीना वर्मा ने संकाय अध्यक्ष प्रो. एस एस मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी, डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, इं अंकित श्रीवास्तव का स्वागत किया।

अनामिका शुक्ला प्रकरण फिर सुर्खियों में, 2020 में हुआ था फर्जीवाड़े का खुलासा

अयोध्या कार्यालय

- शैक्षणिक दस्तावेजों में हेराफेरी कर 25 जिलों में कस्तूरबा में बांटी गई थी नियुक्तियों की रेवड़ी
- 2020 में भी एसटीएफ कर चुकी है जांच, अब एसटीएफ अयोध्या यूनिट ने संभाली कमान

अमृत विचार : शिक्षा विभाग का बहुचर्चित अनामिका शुक्ला नियुक्ति प्रकरण अब एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस बहुचर्चित घोटाले की नए सिरे से जांच एसटीएफ अयोध्या यूनिट को सौंपी गई है। यूनिट गोंडा जिले में घोटाले की जड़ खंगालने में जुट गई है। जांच के दायरे में कई अधिकारी और लिपिक समेत इस फर्जीवाड़े का मुख्य सूत्रधार शामिल है।

अनामिका शुक्ला नाम की एक महिला जो बेरोजगार है, के शैक्षणिक दस्तावेजों, प्रमाणपत्र का दुरुपयोग कर 2017 से 2024 तक प्रदेश के 25 जिलों में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में फर्जी शिक्षिकाओं को नौकरी दी गई। करोड़ों रुपये का वेतन हड़प लिया गया। 2020 में असली अनामिका शुक्ला ने गोंडा बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज की, दावा किया कि उनके नाम पर कई लोग नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने कभी ज्वॉइन ही नहीं किया था। 2020 में एसटीएफ ने शुरुआती जांच की, जिसमें तीन लोगों (पुष्पेंद्र, आनंद सिंह, रामनाथ) को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मामला ठंडा पड़ गया। मार्च 2025 में सूचना आयोग ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन को निर्देश दिए। अगस्त 2025 में कोर्ट के आदेश पर गोंडा बीएसए अतुल कुमार तिवारी समेत आठ लोगों अनामिका शुक्ला, लिपिक अनुपम पांडेय, अरुण शुक्ला आदि के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। अब लखनऊ हाईकोर्ट के 10 सितंबर 2025 के आदेश पर यूपी एसटीएफ की अयोध्या यूनिट ने जांच संभाल ली है। क्षेत्राधिकारी सौरभ मिश्रा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम 18 सितंबर को गोंडा पहुंची। बीएसए अतुल कुमार तिवारी से दो घंटे पूछताछ की, दस्तावेज जुटाए। रामपुर टेंगरहा के भैया चंद्रभान दत्त स्मारक लघु माध्यमिक विद्यालय बंद मिलने पर टीम अयोध्या लौट गई।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने दिए निर्देश

संयुक्त शिक्षा निदेशक बेसिक कौस्तुभ सिंह ने भी गोंडा बीएसए को अभिलेखों की पड़ताल के लिए निर्देश दिए हैं। कहा है कि एसटीएफ अयोध्या के सीओ सौरभ मिश्रा को सभी दस्तावेज और संपूर्ण सहयोग दिया जाए। एडी बेसिक ने बताया कि एसटीएफ का हर संभव सहयोग किया जा रहा है। एसटीएफ जांच पूरी कर रिपोर्ट एसपी एसटीएफ को सौंपेगी।

बीएलओ ड्यूटी न करने पर दो शिक्षिकाएं निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी। कई बार नोटिस, निर्देश के बावजूद बीएलओ की ड्यूटी न करने वाली दो शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया गया। बीईओ को निर्देश दिए गए हैं कि इन दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। ब्लाक मसौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव में तैनात सहायक अध्यापिका सीमा वर्मा व प्राथमिक विद्यालय बघौरा में सहायक अध्यापिका अनीता रावत ने एक माह बीतने के बावजूद न बीएलओ ड्यूटी ज्वाइन की न ही बीएलओ एप ही लागिन किया। बीएसए ने शुक्रवार को इन दोनों शिक्षिकाओं को निलंबित करते हुए ब्लाक मुख्यालय से अटैच करने का निर्देश जारी किया।

विस्मरण के दौर में महत्वपूर्ण है संस्मरण की भूमिका

अयोध्या कार्यालय

- वरिष्ठ साहित्यकार अशोक मिश्र की पुस्तक अनवरत का विमोचन

अमृत विचार : प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार न बहुवचन पत्रिका के कर्ताधर्ता (पूर्व संपादक) रहे अशोक मिश्र के संस्मरणों की पुस्तक अनवरत का विमोचन एक हिंदी दैनिक के सभागार में किया गया। इस अवसर पर विस्मरण के दौर में संस्मरण विषय पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया।

एक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक का लोकार्पण करते लेखक।

अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि संस्मरण हमारे जीवन और समाज का अभिन्न अंग हैं। अशोक मिश्र की पुस्तक अनवरत में जो साहित्यिक संस्मरण हैं वे अत्यंत रोचक हैं। इससे पूर्व आलोचक रघुवंशमणि ने फैजाबाद से संबंध रखने वाले लेखक अशोक मिश्र का परिचय दिया। कहा कि एक पत्रकार के रूप में उनका जीवन व्यापक अनुभवों से भरा है। संस्मरण लिखने की शुरुआत फैजाबाद से ही हुई। रवीन्द्र कालिया की कृति गालिब छूटी शराब से संस्मरण लिखने का उत्साह जगा। बताया कि संस्मरणों पर केंद्रित बहुवचन के विशेषांक का संपादन किया। प्रसिद्ध संस्मरण लेखक कांतिकुमार जैन ने इसकी प्रशंसा की।

कवि-प्राध्यापक डॉ. विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि आज के संकटग्रस्त समय में स्मृतियों पर भी ख़तरा मंडरा रहा है। मशहूर लेखक मिलान कुन्देरा को उद्धृत करते हुए कहा कि शक्ति के विरुद्ध मनुष्य का संघर्ष वस्तुतः विस्मृति के विरुद्ध स्मृति का संघर्ष है। वरिष्ठ पत्रकार सुमन गुप्ता ने कहा कि संस्मरण हमारे जीवन को समृद्ध बनाने का काम करते हैं। इस मौके पर लेखक और चिंतक आरडी आनंद, डॉ. नीरज सिन्हा नीर, जलेस के अध्यक्ष मो ज़फ़र, कवि आशाराम जागरथ, सूर्यकांत पांडेय, पूजा श्रीवास्तव, मोतीलाल तिवारी आदि ने भी संबोधित किया। संचालन शायर और जलेस के कार्यकारी सचिव मुजम्मिल फ़िदा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संयोजक सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि संस्मरण हमारे समय का सच्चा आईना होते हैं।

दिव्यांगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें

जिले में संयुक्त मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया, आयुक्तों ने सुनीं दिव्यांगों की समस्याएं

- मोबाइल कोर्ट में कुल 340 दिव्यांगजन हुए पंजीकृत
- मेडिकल बोर्ड ने मौके पर ही 23 को दिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: जनपद में दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में संयुक्त मोबाइल कोर्ट का सफल आयोजन किया गया। कोर्ट का संचालन एस गोविंदराज आयुक्त दिव्यांगजन भारत सरकार तथा प्रो. हिमांशु शेखर झा राज्य आयुक्त दिव्यांगजन यूपी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार उपायुक्त दिव्यांगजन भारत सरकार, शैलेन्द्र सोनकर उपायुक्त दिव्यांगजन यूपी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल, एडीएम न्यायिक रंजीत सिंह, उपनिदेशक दिव्यांगजन अयोध्या मंडल विनीता यादव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्तों ने पंजीकृत दिव्यांगजनों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कोर्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान कर न्याय की पहुंच को सुगम बनाना है। इस कोर्ट का उद्देश्य आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम-2016 के प्रावधानों के अनुरूप दिव्यांगजनों को सुविधाएं प्रदान कराना सुनिश्चित करना है। सुनवाई के दौरान दिव्यांगजनों ने आवास, शौचालय, राशन कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, ट्राइसाइकिल और रोजगार से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से रखे। कोर्ट में कुल 340 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। इस अवसर पर मेडिकल बोर्ड द्वारा मौके पर ही 23 दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी कर तत्काल राहत प्रदान की गई। मोबाइल कोर्ट द्वारा कोर्ट में आवास, शौचालय, पेंशन, ट्राई साइकिल, राशन कार्ड आदि से संबंधित प्रकरणों को पात्रता और उपलब्धता के अनुसार त्वरित एवं निर्धारित समयावधि में निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया है।

संयुक्त मोबाइल कोर्ट में दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनते भारत सरकार के उपायुक्त प्रवीण कुमार, उप्र के शैलेन्द्र सोनकर और जिला अधिकारी प्रतिभा यादव।

नवोदय 9वीं और 11वीं कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत चिवार : जनपद में जवाहर नवोदय विद्यालय अफजलपुर अकबरपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन ने रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक छात्र-छात्राएं 23 सितंबर तक नवोदय विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्य वीरेंद्र यादव ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 7 फरवरी 2026 को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। कक्षा 10वीं में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का जनपद के किसी सरकारी या सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में वर्तमान में दसवीं कक्षा में अध्ययनरत होना अनिवार्य है। वहीं, नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदक को जनपद का मूल निवासी होना चाहिए। साथ ही उसने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में जिले में स्थित किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय से आठवीं कक्षा की पढ़ाई की हो। जवाहर नवोदय विद्यालय एक पूरी तरह से निशुल्क, सह-शिक्षा और आवासीय विद्यालय है। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ आवास और भोजन की सुविधा भी नि :शुल्क उपलब्ध कराई जाती है। विद्यालय परिसर में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था है। प्राचार्य ने योग्य विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील किया है।

रामलीला का मंचन 27 से

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : श्रीराम जानकी रामलीला समिति पहितीपुर में रामलीला मंचन के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि 27 सितंबर से रामलीला का मंचन शुरू होगा जिसको लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। बैठक में गौरव पाण्डेय सोनू, महेश सोनी, राजन, चंद्रभान मिश्रा, अमित सेन, डब्लू पाण्डेय मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोग तैयारी में जुटे हुए हैं। युवा कलाकार लगातार रामलीला मंचन का अभ्यास कर रहे हैं।

96 को किया गया प्रशिक्षित

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का दूसरा चरण शुरू हो गया है। भियांव विकास खंड के बंदीपुर ब्लॉक परिसर में गुरुवार को दूसरे चरण के पहले दिन कुल 96 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास संबंधी नई जानकारी देना था, ताकि वह समुदाय स्तर पर बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। कार्यक्रम का आयोजन सीडीपीओ शेषनाथ वर्मा की देखरेख में हुआ।

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से आवागमन प्रभावित

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: नगर पालिका की निष्क्रियता के चलते जलालपुर नगर में आए दिन जाम की समस्या गहराती जा रही है। नगर के मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा चालकों का मनमाना ढंग से वाहनों को खड़ा करना और ओवरलोड सवारियां भरना आम बात हो गई है। इससे आवागमन की व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। नगर के व्यस्त इलाकों में जाम की स्थिति इस कदर बिगड़ जाती है कि राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशान रहना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन इस समस्या पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। न तो यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोशिश की जा रही है और न ही ई-रिक्शा चालकों पर किसी प्रकार की सख्ती दिखाई जा रही है। नगरवासी पप्पू आलम शत्रुघ्न सोनी आदि ने बताया कि नगर पालिका को इन वाहनों के लिए रूट निर्धारित कर देना चाहिए और नगर में यादव चौराहा से लेकर डाकखाना होते हुए शिवाजी मूर्ति तक इन वाहनों का प्रवेश वर्जित होना चाहिए तभी जाम से छुटकारा मिल सकता है।

नगर के मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से लगा जाम।

निर्देश | अभियान के तहत पोल व ट्रांसफार्मरों की हो रही है जांच

त्योहारों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति हो

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

- अधीक्षण अभियंता ने कार्ययोजना बनाने के दिए आदेश
- ट्रिपिंग की समस्या वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है
- विभाग ने उपभोक्ताओं से भी सहयोग करने की अपील की

अमृत चिवार: जनपद में त्योहारों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग ने एक माह का विशेष विद्युत अनुरक्षण अभियान शुरू किया है। यह अभियान 15 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान गर्मी और बरसात में हुई दिक्कतों को दूर कर आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

अधीक्षण अभियंता अनुभव कुमार ने बताया कि आने वाले महीनों में दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख पर्व हैं। इन अवसरों पर उपभोक्ताओं को बिना बाधा बिजली मिले, इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है। अभियान के तहत सब स्टेशन, पोल, लाइनें और ट्रांसफार्मरों की गहन जांच की जा रही है। साथ ही उनके प्रोटेक्शन सिस्टम को भी परखा जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की खराबी से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान में फीडरों की जांच कर हॉट स्पॉट और विद्युत प्रणाली की कमियों को दुरुस्त किया जा रहा है। वहीं ट्रिपिंग की समस्या वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई कर लाइनों को सुरक्षित बनाया जा रहा है। इसके अलावा एचटी और एलटी लाइन सहित वितरण प्रणाली के अन्य घटकों की मरम्मत और देखभाल की जा रही है। बिजली विभाग का मानना है कि इस विशेष अभियान से न केवल आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त होगी बल्कि उपभोक्ताओं को त्योहारों पर निर्बाध बिजली मिल सकेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से भी सहयोग की अपील की है ताकि अनुरक्षण कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो और आगामी महीनों में किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।

रिवाल्वर व चोरी की बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर, अमृत विचार: अवैध रिवाल्वर और चोरी की मोबाइल व बाइक के साथ तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जहांगीरगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने काकरापार के अमन दूबे, हेमराजपुर के साहिल व माधवपुर के मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस ने तीनों गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से एक अवैध रिवाल्वर, कारतूस, चोरी की अपाचे बाइक व मोबाइल सेट बरामद कर तीनों के विरुद्ध चोरी आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें से अमन दूबे व साहिल के विरुद्ध राजेसुल्तानपुर थाने में भी चोरी का मुकदमा पहले से ही दर्ज है।

सिटी डायरी

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व मंत्री बलराम यादव।

भावपूर्ण तरीके से मनाई गई स्व. ईशदत्त की 26वीं पुण्यतिथि

आजमगढ़, अमृत विचार : सपा के संस्थापक सदस्य व पूर्व सांसद स्व. ईशदत्त यादव की 26वीं पुण्यतिथि के नेहरू हाल में भावपूर्ण तरीके से मनाई गई। मौके पूर्व मंत्री एमएलसी बलराम यादव ने स्व. पूर्व सांसद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की इशदत्त यादव जी नेता जी स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के अभिन्न सहयोगी एवं समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में किसानों, मजदूरों, दलितों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। मुख्य अतिथि कमाल अख्तर ने उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उन्होंने कहा कि स्व. ईशदत्त यादव जी गरीबों, मजलूमों की आवाज हमेशा उठाते रहे यह सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी हम उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर जनता की सेवा करें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विधि साक्षरता शिविर को संबोधित करते अपर जिला जज भारतेंदु प्रकाश गुप्ता।

अपर जिला जज ने बंदियों को उनके हक की दी जानकारी

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : शिविर में भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता अपर जिला जज, शशिकांत मिश्र कारागार अधीक्षक, आलोक सिंह जेलर, सूर्यमान सरोज डिप्टी जेलर, डॉ. दिग्गविजय प्रताप, चिकित्सक कारागार और जिला कारागार के कर्मचारी और बन्दियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अपर जिला जज ने जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान बन्दियों से वार्ता करते हुए उनके भोजन और स्वास्थ्य के सम्बन्ध में पूछा गया तथा उनके मुकदमें की स्थिति के सम्बन्ध में भी बात की गई। वहीं, बीएनएसएस की धारा 479 और नए कानूनों, विभिन्न नियमों, कानूनों के अंतर्गत बन्दियों की रिहाई के संबंध में जानकारी दी ।

मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते विशेषज्ञ डॉक्टर।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 59 मरीजों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : स्वस्थ नारी सशक्त परिवार पखवाड़े के दूसरे दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. मानसी वर्मा, डॉ. पूजा द्विवेदी और डॉ. ज्योति सोलंकी दन्तरोग विशेषज्ञ द्वारा कुल 32 मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिनमे से 02 मरीज हायर इकाईयों को सन्दर्भित किए गए। डॉ. प्रवीण कुमार बालरोग विशेषज्ञ द्वारा 27 मरीज देखे गए, जिनमे से 04 मरीज हायर इकाईयों को सन्दर्भित किए गए हैं।

इफको नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के तहत किसानों को किया गया जागरूक।

किसानों को उर्वरकों के बारे में किया जागरूक

अंबेडकरनगर, अमृत विचार : बी पैक्स अशरफपुरबरवां साधन सहकारी समिति पर विकासखंड स्तरीय इफको नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के तहत किसानों को जागरूक किया गया। इफको एमसीए एमडी मनीष कुमार ने फसल में लगने वाले रोग को देखते हुए फंगीसाइड कीटनाशक के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों को ज्यादा से ज्यादा नैनो उर्वरक का उपयोग करने को सलाह दी।

टीईटी पर शिक्षकों में उबाल, पीएम व शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन

समय रहते मांगें न मानीं तो चरणबद्ध आंदोलन की दी चेतावनी, शिक्षकों ने कहा- अनुभव और सेवा को दरकिनार करना सरासर अन्याय

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

शहर में प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे शिक्षक।

शिक्षकों की सभा को संबोधित करते प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय।

अमृत विचारः सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से सेवा में बने रहने और पदोन्नति पाने के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के विरोध में शुक्रवार को जिले के शिक्षकों ने तिकोनिया पार्क में एकत्र होकर अपनी आवाज बुलंद की। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं जुटे और जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रीती जैन ने लिया।

ज्ञापन में कहा गया कि आरटीई एक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इस अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। न्यायालय के 1 सितम्बर के आदेश ने लाखों सेवारत शिक्षकों को असुरक्षा में डाल दिया है। आदेश के अनुसार जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से अधिक है, उन्हें दो वर्ष में टीईटी पास करना होगा, अन्यथा सेवा छोड़ना या अनिवार्य सेवानिवृत्ति करना पड़ेगा। वहीं पांच वर्ष से कम शेष सेवा वाले शिक्षक सेवा में तो रहेंगे, लेकिन पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह फैसला न केवल असंवैधानिक है बल्कि प्राकृतिक न्याय के भी विरुद्ध है।

जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय ने कहा कि दशकों से बच्चों का भविष्य संवार रहे शिक्षकों को अचानक पात्रता परीक्षा की कसौटी पर कसना उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना है। जिला मंत्री राम आशीष मौर्य ने कहा कि आज वही शिक्षक असुरक्षा में हैं, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी शिक्षा के मंदिर को समर्पित कर दी।

आंदोलन की बनी रणनीति

शिक्षक नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सरकार ने उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आगामी चरण में तहसील और जिला स्तर पर प्रदर्शन किए जाएंगे और जरूरत पड़ने पर राजधानी में बड़े पैमाने पर रैली भी निकाली जाएगी। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह लड़ाई शिक्षकों के सम्मान व भविष्य की है, इसलिए हर स्तर पर इसे मजबूती से लड़ा जाएगा।

ये शिक्षक नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश व जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष मालती सिंह, जूनियर शिक्षक संघ अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, महामंत्री कल्हू पाल, कोषाध्यक्ष विनय प्रजापति, उपाध्यक्ष राजीव मिश्र, मुकेश सिंह, संरक्षक राजेंद्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष रमेश तिवारी, जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र त्रिपाठी, दीपेंद्र सिंह, अरुण सिंह, लंभुआ अध्यक्ष रणवीर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी चन्द्रपाल, रामचंद्र राजभर, संगठन मंत्री इंद्रेश यादव, अटेवा के वरिष्ठ उपाध्याय सुरेंद्र मौर्य, मनोज प्रभाकर सिंह, वैभव भटनागर, मुनेंद्र मिश्र, ज्योति सिंह, संध्या श्रीवास्तव नविता पांडेय, नम्रता सिंह, अनामिका सिंह, सीमा पाल, स्वाति सिंह समेत सैकड़ों शिक्षक शामिल रहे।

न्यूज ब्रीफ

खराब नमकीन बेचने पर कंपनी को 3.34 लाख रुपये लौटाने का आदेश

सुलतानपुर, अमृत विचार : जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष राम लखन सिंह चन्द्रील और सदस्य भारत भूषण तिवारी ने एक अहम फैसले में ब्रूमर नमकीन कंपनी के प्रोपराइटर व एरिया मैनेजर को उपभोक्ता दिलीप त्रिपाठी को 3,34,201 रुपये अदा करने का आदेश दिया है। आयोग ने मानसिक व शारीरिक कष्ट के लिए 5 हजार रुपये और वाद व्यय के लिए 2 हजार रुपये भी देने का निर्देश दिया है। आदेश की अवहेलना पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

प्राथमिक विद्यालय से गैस सिलिंडर चोरी

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकासखंड भभनगवां स्थित प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने रसोई घर का दरवाजा तोड़कर गैस सिलिंडर चोरी कर लिया। शुक्रवार सुबह प्रधानाध्यापक अमित कुमार विद्यालय पहुंचे तो घटना का पता चला। उन्होंने थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी ने बताया की मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' कार्यक्रम संपन्न

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : सीएचसी दोस्तपुर में शुक्रवार को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन सीएचसी अधीक्षक व मंडल अध्यक्ष विजयलक्ष्मी शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि बंटी, चिकित्सक व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। चिकित्सक आज्ञाराम यादव ने बताया कि यह अभियान दो अक्टूबर तक चलेगा।

बहू को जलाकर मारने के मामले में जेठ दोषी करार

- आज दोषी को कोर्ट सुनाएगी सजा, कोतवाली नगर के नयानगर पांचोपीरन का मामला

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के नयानगर पांचोपीरन में घर के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में बहू को जलाकर मार देने के मामले में अदालत ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी जेठ शमशेर खान को दोषी करार दिया है। अब 20 सितंबर को उसे जेल से तलब कर सजा सुनाई जाएगी।अभियोजन पक्ष से एडीजीसी वेद प्रकाश और पवन कुमार दूबे के मुताबिक मामला 22 मार्च 2018 का है। उस दिन शहनाज बानो को उसके जेठ शमशेर खान, जेठानी सन्नो बानो, भतीजी गुलफ्सा बानो और जेठ की बहन बिब्बो ने मारपीट कर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। गंभीर रूप से झुलसी शहनाज को लखनऊ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ मजिस्ट्रेट के सामने उसका बयान भी दर्ज हुआ। इलाज के दौरान शहनाज की मौत हो गई। इस घटना की तहरीर गोसाईगंज थाना क्षेत्र के कैथोली गनेशपुर निवासी हकीमुलनिशा पत्नी मोहम्मद तौफीक ने दर्ज कराई थी। मृतका का पति बसिलसिले रोज़ी मुंबई में रहता था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से कुल 10 गवाह प्रस्तुत किए गए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश संतोष कुमार की अदालत ने शमशेर खान को दोषी पाते हुए जेल भेज दिया। जिसे जेल से तलब कर आज सजा सुनाई जायेगी।

बहुचर्चित सराफा डकैती कांड में गवाही दर्ज, शेष जिरह 3 को

संवाददाता, सुलतानपुर : बहुचर्चित सराफा डकैती कांड की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ निशा सिंह की अदालत में शुक्रवार को हुई। मामले में वादी भरतजी सोनी कड़ी सुरक्षा में अपने वकील दीपांशु निगम के साथ कोर्ट में हाजिर हुए। आरोपी त्रिभुवन कोरी , विनय शुक्ल व विवेक सिंह की तरफ से बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने जिरह की परंतु जिरह पूर्ण नही हो सकी। कोर्ट ने वादी भरतजी सोनी से शेष जिरह के लिए तीन अक्टूबर की तारीख नियत की है। गौरतलब है कि 28 अगस्त 2024 को चौक ठठेरी बाजार स्थित सर्राफा व्यापारी भरतजी सोनी की दुकान में हथियारबंद डकैतों ने दिनदहाड़े लाखों की ज्वेलरी लूट ली थी। इस कांड में मास्टरमाइंड विपिन सिंह समेत 12 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी।

पारसनाथ यादव हत्याकांड में गवाह तलब, 22 को होगी सुनवाई

संवाददाता, सुलतानपुर : अमेठी जिले के संग्रामपुर के चौदहवां उत्तरगांव में करीब 13 वर्ष पूर्व हुई पारसनाथ यादव हत्याकांड मामले में जिला जज की अदालत ने मृतक की पत्नी धर्मा देवी को गवाह के रूप में तलब किया है। इस संबंध में अगली सुनवाई की तारीख 22 सितंबर नियत की गई है। अभियोजन पक्ष से डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र ने बताया कि वादी राजेन्द्र कुमार ने अपने पिता पारसनाथ यादव की हत्या समेत अन्य आरोपों में 13 जून 2012 को गांव के ही ओमप्रकाश यादव और उनके पिता बैजनाथ यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि जमीन बंटवारे को लेकर रंजिशन खेत देखने निकले पारसनाथ यादव को लाठी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था, जिनकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

अष्टधातु मूर्ति बरामदगी प्रकरण में रिटायर्ड इंस्पेक्टर की गवाही दर्ज

कूरेभार थाना क्षेत्र में 23 वर्ष पूर्व अष्टधातु की गौतम बुद्ध की मूर्ति बरामदगी मामले में शुक्रवार को विशेष लोक अभियोजक सुशील सिंह की ओर से वादी मुकदमा रिटायर्ड इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र तिवारी की अहम गवाही दर्ज कराई गई। विशेष लोक अभियोजक सुशील सिंह के मुताबिक 19 जुलाई 2002 में रात कूरेभार चौराहे के पास बाइक पर सवार मोहम्मद शमी निवासी गजेहड़ी व मोहम्मद जाहिद, निवासी हसनपुर थाना कुड़वार को पुलिस ने पकड़ा था। उनकी तलाशी में 3 किलो 600 ग्राम वजनी अष्टधातु की गौतम बुद्ध की मूर्ति बरामद हुई थी। तीसरा आरोपी विनोद तिवारी मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 4 अक्टूबर नियत की है।

किशोरी को युवक ने किया अगवा मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी को युवक ने झांसा देकर अगवा कर लिया। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, किशोरी बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी, लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने काफी खोजबीन की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि बिहार प्रदेश का रहने वाला अरविंद यादव, जो क्षेत्र में राजमिस्त्री का काम करता था और कस्बे में किराए पर कमरा लेकर रहता था, किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अरविंद यादव के विरुद्ध अपहरण का नामजद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिशाषी अभियंता हत्याकांड में दरोगा तलब

जल निगम के अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की हत्या के बहुचर्चित मामले में शुक्रवार को एडीजे द्वितीय विशेष एससी-एसटी न्यायालय ने आरोपियों को गिरफ्तार करने वाले अभियोजन गवाह तत्कालीन थानाध्यक्ष अरुण द्विवेदी को तलब किया है।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट ने दरोगा को तलब कर सुनवाई के लिए 29 सितंबर की तारीख नियत की है। सहायक अभियंता अमित कुमार शाह व आरोपी प्रदीप राम को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गौरतलब है कि 17 अगस्त 2024 को अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की उनके घर में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक के भाई संजय कुमार ने सहायक अभियंता समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

पीएलवी का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता, सुलतानपुर

प्रशिक्षण शिविर में शामिल पीएलवी। ● अमृत विचार

- पीएलवी प्रशिक्षण से समाज के अंतिम पायदान तक मिलेगा न्यायः अपर जिला जज

अमृत विचारः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित पराविधिक स्वयं सेवकों (पीएलवी) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिला जज प्रथम संतोष कुमार तृतीय ने किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं, दिव्यांगों एवं बाल अधिकारों के संरक्षण और न्याय दिलाने में सहयोगी सिद्ध होगा। सिविल जज प्रवर खंड एफटीसी भव्या श्रीवास्तव ने घरेलू हिंसा कानून की जानकारी दी और महिलाओं को जागरूक होने पर जोर दिया। सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष आरपी शुक्ला ने संविधान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मध्यस्थ हरीराम सरोज ने तहसील स्तर पर विधिक सेवा समिति कार्यालय की आवश्यकता बताई। चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल तारकेश्वर सिंह ने गरीबों को निःशुल्क न्याय दिलाने की जिम्मेदारी पर जोर दिया। जिला प्रोबेशन अधिकारी वी.पी. वर्मा ने सरकार की संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उधर, जिला कारागार में डीएलसी अधिवक्ता अंजली ने प्रशिक्षण दिया।

जेवर-नकदी समेत 8.5 लाख का सामान पार

कूरेभार, सुलतानपुर, अमृत विचारः गुप्तारगंज में अज्ञात चोरों ने एक महिला के घर को निशाना बनाते हुए करीब 8.5 लाख रुपए के जेवरात और नकदी पार कर दी। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता सत्तमा उर्फ बबली पत्नी स्व. अब्दुल अजीज 16 सितंबर की रात रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। इस दौरान चोरों ने मौका पाकर उनके घर का ताला तोड़ा और अलमारी से लगभग 7 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर व करीब 1.5 लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। उस समय घर पर उनकी बहन रजिया और 10 वर्षीय भांजा रहमान मौजूद थे। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

टीईटी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर, अमृत विचारः उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ सुलतानपुर ने 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता खत्म करने की मांग को लेकर शुक्रवार को डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अवनीन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि 20-25 वर्ष सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन देने में रमाशंकर विश्वकर्मा, अब्दुल वदूद, राजमणि वर्मा, अखिलेश सिंह, सौरभ सिंह, मनीष तिवारी, अशोक सिंह पंकज मिश्र, हरिब्रत मिश्र समेत अन्य रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग व किराना व्यापार मंडल की बैठक

सुलतानपुर, अमृत विचार : शारदीय नवरात्र के अवसर पर उपभोक्ताओं तक शुद्ध व सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पानमंडी कार्यालय में खाद्य सुरक्षा विभाग और किराना व्यापार मंडल समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किराना व्यापार मंडल समिति अध्यक्ष आलोक सागर ने की, जबकि खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय प्रताप सिंह ने व्यापारियों को विस्तार से जानकारी दी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि नवरात्र के दौरान कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, मूंगफली और साबूदाना की खपत अधिक होती है, इसलिए इन खाद्य पदार्थों को पैकिंग और एक्सपायरी तिथि सहित ही उपभोक्ताओं तक पहुंचाना आवश्यक है। अध्यक्ष आलोक सागर ने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे कुट्टू और सिंघाड़े का आटा अपने सामने पिसवाएं और चक्की पर खड़े होकर उपकरणों की सफाई करवाएं।

विवादित सिपाहियों को किया गया लाइन हाजिर

सुलतानपुर, अमृत विचारः विवादों से घिरे कुछ पुलिस कर्मियों को आखिरकार एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस लाइन की राह दिखाई है। लंबे समय से जयसिंहपुर कोतवाली में जमे हेड कांस्टेबल राम आशीष चौरसिया पर आरोप लगा तो उनका तबादला दोस्तपुर थाने पर कर दिया गया। लेकिन राम आशीष चौरसिया विवादों से दूर नहीं हो पाए तो एसपी ने लाइन हाजिर कर दिया। वहीं, दोस्तपुर थाने पर लंबे समय से जमे विवेक भदौरिया पर भी स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए एसपी से शिकायत भी की थी।

मोतिगरपुर थाने के डायल 112 पर तैनात सिपाही रोहित कुमार पर भी व्यापारी पिता पुत्र को गोली मारने व घर जलवाने की धमकी दी थी जिसकी शिकायत व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक से की थी। बल्दीराय थाने पर तैनात हेड कांस्टेबल पवन कुमार की भी शिकायत स्थानीय लोगों ने की थी। वहीं, लंभुआ थाने में तैनात महिला आरक्षी प्रिया सरोज को आईजीआरएस में तो लाइन में रहे सिपाही अजय कुमार सोनकर को अपराध शाखा भेजा गया है।

बारिश से सड़क क्षतिग्रस्त आवागमन में दिक्कत

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचारः लगातार हो रही बारिश ने बल्दीराय तहसील क्षेत्र की सड़क व्यवस्था को बिगाड़ दिया है। सुलतानपुर-हलियापुर मार्ग से चककारी भीट गांव को जोड़ने वाली पीडब्ल्यूडी विभाग की पक्की सड़क बारिश के चलते पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क बह जाने से ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने चेताया है कि यदि समय रहते मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो बची-खुची सड़क भी पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। चक कारी भीट गांव के मुन्तज़ीम, मोहम्मद वसीम, शाहिद हुसैन, मोहम्मद रईस, आदिल खान, अल्ताफ अहमद, राम शरण, श्याम बिहारी, सुंदरलाल, कल्लू, बरसाती, मन्नान समेत दर्जनों ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

बल्दीराय, सुलतानपुर

अमृत विचारः हलियापुर थाना क्षेत्र के कांकर कोला गांव में शुक्रवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान अजमेरुल निशा के रूप में हुई है, जिनकी शादी इसी वर्ष जून में गांव के इश्तिखार पुत्र इलियास से हुई थी।

इश्तिखार दिल्ली में अपने भाइयों के साथ काम करते हैं। घर पर उनकी पत्नी अजमेरुल निशा ननद हिना, बुजुर्ग सास और ससुर इलियास के साथ रहती थीं। शुक्रवार सुबह ससुर दवा लेने लखनऊ गए थे। इसी बीच किसी पारिवारिक विवाद के बाद अजमेरुल निशा छत पर चली गईं। कुछ देर बाद जब ननद हिना ऊपर पहुंचीं तो उन्होंने अजमेरुल निशा को कमरे की पाइप से दुपट्टे के सहारे लटका पाया। शोर मचाने पर परिजन दौड़े और उन्हें नीचे उतारकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फंदे से लटका मिला मजदूर का शव

भदैंया, सुलतानपुर : शिवगढ़ थाना क्षेत्र के शिवगढ़ गांव में शुक्रवार की भोर एक मजदूर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फंदे से लटकता मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय बृजेश कुमार पुत्र गुरुदीन निवासी शिवगढ़ के रूप में हुई है। बृजेश मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी अंजू (30) और तीन छोटे बच्चे निर्भय (10), प्रतिमा (7) और सिद्धू (5) हैं। परिजनों के अनुसार सुबह जब घर के लोग उठे तो बृजेश का शव कमरे में फंदे से झूलता मिला। ग्रामीणों का कहना है कि बृजेश लंबे समय से आर्थिक तंगी से परेशान था। हालांकि, यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई और कारण, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मकान सं0– 8/184 स्थित सेक्टर–8, इन्दिरा नगर, लखनऊ में है। उक्त भवन का मूल आवंटन पत्र व मूल कब्जा पत्र मेरे द्वारा कहीं खो गया है। जो किसी व्यक्ति व अन्य के द्वारा कहीं उपयोग करने पर अवैध माना जायेगा। सुधांसु सिंह

सूचना

मेरे पुत्र प्रत्युश वर्मा के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम विजय कुमार वर्मा गलत अंकित हो गया है, सही नाम विजय कुमार है। भविष्य में विजय कुमार के नाम से जाना जाये। **विजय कुमार पुत्र स्व0 श्री राम कुमार निवासी– एम0आई0 220 डबल स्टोरी, हेमन्त विहार बर्रा–2 कानपुर नगर।**

सूचना

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2015 अनुक्रमांक 1317692 का अंकपत्र व प्रमाणपत्र, इंटरमीडिएट वर्ष 2017 का अनुक्रमांक 0943833 के अंकपत्र व प्रमाणपत्र वास्तव में कही खो गए हैं। **दीपांशू पुत्र शिवप्रसाद ग्रा. पो. कपसरी, दौलतपुर, जिला रायबरेली, मो0– 8009301321**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, THM Man Singh (आर्मी नं 15346297W), निवासी– मैंदो, पोस्ट– रहीमपुर बिसधन, तहसील– बिल्हौर, जिला – कानपुर नगर (यू पी) 209202, मेरे सेना रिकार्ड में मेरे पिताजी का नाम गलती से RAJA RAM और जन्मतिथि 01.01.1955 दर्ज है। उनका सही नाम RAJARAM और जन्मतिथि 01.01.1949 है।

सूचना

मेरा पुत्र हसनेन आपराधिक किस्म का व्यक्ति है जिसका चाल चलन खराब हो गया है। आए दिन अनैतिक कृत्य करता रहता है। काफी समझाने पर भी मेरी कोई बात नहीं मानता है। मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। इसलिए मैं पुत्र हसनेन को मेरी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा जो भी अच्छा या बुरा कृत्य किया जाएगा वह स्वयं उसके लिए जिम्मेदार होगा। इससे मेरे व परिवार का कोई ताल्लुक या संबंध नहीं होगा। **मोहम्मद शमशुल हसन खां पुत्र मोहम्मद हसन खां, नि. मो. सैय्यदवाड़ा, कस्बा व तहसील छिबरामऊ, जिला कन्नौज**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नामS M MERAJUL HASAN था, जिसे बदलकर मैंने SYED MOHAMMAD MERAJUL HASAN कर लिया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **पता– 535K/61, इंद्रा नगरी, सेक्टर–C, अलीगंज, लखनऊ। मो0 : 9839513775**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मोहम्मद फैजल को उसके चाल–चलन व गलत संगत से तंग आकर उसे अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी तरह का लेन–देन अथवा आपराधिक कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से उससे कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **जुलेखा पत्नी मोहम्द जैद, निवासी– मोहल्ला फत्तन सराय, पुराना सीतापुर, थाना कोतवाली नगर, जिला– सीतापुर।**

सूचना

सूचित हो कि रामदीन व ईश्वरदीन पुत्र रामऔतार ग्राम गोड़ियनपुरवा दाखिला खैरा बाजार विकास खण्ड तेजवापुर, थाना बौण्डी, तहसील महसी व जिला बहराइच दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। दोनों को एक ही नाम से जाना–पहचाना जाए। **रामदीन उर्फ ईश्वरदीन पुत्र राम औतार निवासी खैरा बाजार, बहराइच।**

सूचना

मेरे मूल डीड, ललई पुत्र दिनई जिसकी सं0 698, दिनांक 04/04/2012 व रमेश कुमार पुत्र महावीर जिसका नं0 3021 दिनांकित 30/07/2015 कही रास्ते में खो गए है, जिनका प्रयोग अवैध होगा। इसकी प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। **काजल मोदनवाल पुत्री राम बाबू मोदनवाल निवासी फुरसतगंज मजरे ब्राह्मणी तहसील तिलोई जनपद अमेठी। मो0 : 9918 351141**

सूचना

मेरा हाईस्कूल वर्ष 2007 अनुक्रमांक– 1145085 का अंकपत्र, प्रमाणपत्र और इंटरमीडिएट वर्ष 2010 अनुक्रमांक 1481045 के अंकपत्र एवं स्नातक प्रथम वर्ष 2011 अनुक्रमांक 1077813, द्वितीय वर्ष 2012 अनुक्रमांक 5118493 एवं तृतीय वर्ष 2013 अनुक्रमांक 3111632 के अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं। **देवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र विक्रमाजीत सिंह ग्राम बिमौरा, पो. बेहटाकला जिला रायबरेली मो0–7800821202**

साधा निशाना | राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में दिया बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ का संदेश

गूगल पर मिल जाएंगे कांग्रेस की चोरियों के रिकार्ड :अपर्णा

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार को जिले के दौरे पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में कई बार "चोरी" की है, इसके रिकॉर्ड गूगल पर मिल जाएंगे। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री ने राष्ट्र विरोधियों की नींद चोरी कर ली है।"

यहां मीडिया के सवाल पर कुड़वार में छात्रा के साथ हुई दरिंदगी मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की बात कही। इससे पहले अपर्णा यादव जिला कारागार पहुंचीं, जहां उन्होंने महिला बंदियों से मुलाकात की और जेल में बन रहे पुस्तकालय हेतु पुस्तकें दान करने की बात कही।

कन्या जन्मोत्सव पर अपर्णा यादव ने दिए गिफ्ट। ● अमृत विचार

इसके बाद वह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जिला महिला चिकित्सालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत आयोजित कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुईं। यहां उन्होंने नवजात बालिकाओं के परिजनों के साथ केक काटा और उपहार स्वरूप बेबी किट, कपड़े व फलदार पौधे प्रदान किए। उन्होंने कहा कि बेटियों का जन्मोत्सव मनाने से समाज की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव आएगा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी वी.पी. वर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कन्या सुमंगला जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं से बेटियों की पढ़ाई और विवाह तक सरकार सहायता प्रदान कर रही है। प्रधानाचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव ने बेटियों को बोझ न समझने और लड़का-लड़की में समानता का व्यवहार करने की अपील की। कार्यक्रम में चिकित्सकों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। यहां से निकलकर एक प्राइवेट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भी अपर्णा यादव ने शिरकत की।

दबंगों ने युवक को पीटा, गंभीर

गोसाईगंज, सुलतानपुर, अमृत विचारः थाना क्षेत्र के महादेवपुर चौराहे पर चाट खाने गए एक युवक की दबंगों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हयातनगर निवासी सलाउद्दीन का भतीजा अमन पुत्र बदरुद्दीन मंगलवार शाम करीब 6:20 बजे प्रमोद के चाट दुकान पर चाट खा रहा था। इसी दौरान गांव के ही अजय मिश्रा व उसके साथी अभिषेक मिश्रा वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे और लात-घूंसों से अमन को पीटकर घायल कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

इंसुलेटर दगने से दर्जनों गांवों में गुल रही बिजली

रुपईडीह : शुक्रवार को देर रात विशेश्वरगंज विद्युत उपकेंद्र से आर्यनगर उपकेंद्र के बीच 33 हजार केवी लाइन के इंसुलेटर अचानक खराब हो। जिससे सभी फीडरों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। करीब 16 घंटे तक दर्जनों गांवों के लोग गर्मी से दिन रात परेशान रहे। अवर अभियंता अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि विशेश्वरगंज से आर्यनगर उपकेंद्र के बीच 33 हजार की लाइन पर छह इंसुलेटर खराब हो गये थे। जिन्हें सही कराया जा रहा ह। साथ-साथ बरसात के दौरान तार पर लटकते हुए पेड़ों की टहनियों को भी कटवाया गया है।

पुलिया बंद होने से जलभराव

खरगूपुर, गोंडा। भारी बरसात व पुलिया बंद होने से जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल ने विकासखंड रुपईडीह की ग्राम पंचायत फत्तेगढ़ के मजरा इंछा पुरवा में बंद पुलिया को जेसीबी से खोदवाकर साफ करा दिया है। राजस्वकर्मी आत्माराम वर्मा ने बताया कि पुलिया को जे सी बी साफ करवा दिया गया है। जिससे पानी का बहाव तेज हो गया है। जल भराव भी अब धीरे-धीरे कम हो रहा है।

त्योहार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील

इटियाथोक। शुक्रवार को शांति समिति की बैठक थाना परिसर में संपन्न हुई। थानाध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने दोनों समुदायों से मिलजुलकर त्यौहार मनाए जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दशहरा दुर्गा पूजा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। इस समय गांव में चोरों के अफवाह के कारण आम जनमानस का जीना मुहाल है इन समस्याओं को भी लोगों ने थाना अध्यक्ष के सामने रखी। इस दौरान सभाजीत सिंह प्रधान मध्यनगर, अरविंद मिश्रा, अनिल गिरी, सुरेंद्र तिवारी मौजूद रहे।

चौपाल में चर्चा

रुपईडीह। जिलाधिकारी के आदेश से ब्लॉक की ग्राम पंचायत जमुनही हरदोपट्टी की प्रधान सुधा मिश्र की देखरेख में पंचायत भवन पर ग्राम चौपाल आयोजित की गई। पंचायत सचिव अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि इस चौपाल में चकमार्ग पर मिट्टी की पटाई, आवास व राशन कार्ड की माँग को लेकर चार शिकायतें आई। उन्होंने बताया कि इन सभी शिकायतों को मौके पर निस्तारित कर दिया गया। सहायक विकास अधिकारी कृषि जगदीश प्रसाद, मंसाराम मिश्र, पंचायत सहायक आशा तिवारी, राजित राम यादव, सत्यनारायण, जगन्नाथ मिश्र, यमुना प्रसाद, राजेश पांडेय, पारसनाथ आदि लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्र भ्रमण कर जाना हाल

रुपईडीह। कौड़िया थाना क्षेत्र में आगामी दशहरा व दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए क्षेत्र का भ्रमण कर विसर्जन स्थलों के बारे में जानकारी ली जा रही है। प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि इन त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए आए दिन शांति समितियों की बैठकें की जा रही है। बैठक में सभी लोगों को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनका यह पूरा प्रयास होगा कि इन त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति न फैलने पाए। अराजक तत्वों को किसी भी तरह से बख्शा नहीं जाएगा।

पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

परसपुर, गोंडा। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय परसपुर सेवा केंद्र पर वरिष्ठ राजयोगी ब्रह्माकुमार निर्वैर भाई की प्रथम पुण्यतिथि शुक्रवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अनामिका बहन सहित संस्था से जुड़े समस्त भाई-बहनों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश चंद्र तिवारी, अनूप सिंह, राधेश्याम मिश्रा, कमला प्रसाद सिंह, राघवेन्द्र पाण्डेय, सुनील गुप्ता, रामकुमार पाण्डेय, पारस नाथ पाठक, राम शंकर, ओम प्रकाश, पिंकी सिंह, उमा मिश्रा, पूनम, सुषमा, मन्ना, ज्योति, पूजा, बबिता सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

पौधरोपण किया

बेलसर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के सेवा पखवाड़ा अंतर्गत बेलसर के एम बी मैरिज हॉल में 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एकल विद्यालय के आचार्य ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधरोपण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह रहे। उन्होंने कहा कि आप सब अपने घर के आसपास खाली पड़े स्थान पर पौधारोपण करें जिससे आने वाले समय में लोगों को ऑक्सीजन की कमी से जूझना न पड़े। इस अवसर पर केंद्रीय सह प्रशिक्षण प्रमुख बृजमोहन मित्तल, रामनारायण, शिव प्रसाद गुप्ता, संच अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

तेज बारिश के बीच गिरा जर्जर मकान

मकान के मलबे में दब कर पति-पत्नी व बेटी गंभीर रूप से घायल, भेजा गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

संवाददाता, खरगूपुर, गोंडा

जिला चिकित्सालय में भर्ती रामसूरत वर्मा उनकी पत्नी रीना देवी। अमृत विचार

बारिश के बीच गिरा मकान व उसकी छत। अमृत विचार

अमृत विचार : तेज बारिश के दौरान छत सहित पूरा मकान ध्वस्त हो गया। मकान के मलबे में दबे पति-पत्नी एवं बेटी को कड़ी मशक्कत के बाद निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

खरगूपुर कस्बे से सटे खरगूपुर इमलिया गांव में शुक्रवार को तड़के तेज बारिश के बीच रामसूरत वर्मा का मकान छत सहित गिर गया। रात तीन बजे मकान का छत अचानक गिरने से उसमें दबकर राम सूरत वर्मा (40), पत्नी रीना देवी (36) तथा बेटी खुशबू (10) घायल हो गए। मकान गिरने की आवाज सुनकर गांव के धनीराम वर्मा, अजमेर अली, नईम खान, मन्नू लाल सोनकर, स्वामीनाथ, राधेश्याम आदि लोगों ने पहुंच कर मलबे में दबे तीनों लोगों को कड़ी बाहर निकाला। राम सूरत का 12 वर्षीय बेटा आकाश बगल के ही अपने चाचा दिलीप के यहां सो रहा था जिससे वह इस हादसे से बच गया। हादसे के समय घायल सभी लोग घर के भीतर सो रहे थे और उक्त घटना घट गई। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक उमेश वर्मा ने जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। क्षेत्रीय लेखपाल आत्माराम वर्मा ने मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन कर जिला प्रशासन को रिपोर्ट देने की बात कही है।

अयोध्या से लौट रहे युवक को वाहन ने रौंदा

नवाबगंज, अमृत विचार: अयोध्या से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। पिपरी के पास पीछे से आए वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

तरबगंज के खूदेपुर पिपरी रोहुआ निवासी रोहन उर्फ राजेंद्र शुक्ला पुत्र सतीश चंद्र शुक्ला ने नवाबगंज थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनके भाई योगेन्द्र शुक्ला की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना बृहस्पतिवार की शाम करीब 3:30 बजे की है। जानकारी के मुताबिक योगेन्द्र शुक्ला अयोध्या से काम निपटाकर घर लौट रहे थे। तभी दुर्जनपुर घाट के पास पिपरी में बस से उतरते समय पीछे से आ रहे वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को एम्बुलेंस से सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर वाहन और अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

भक्तिभाव से मनाएंगे नवरात्रि का त्योहार

हर्षोल्लास से आयोजित करेंगे दुर्गा पूजा, 2 अक्टूबर को एक साथ विसर्जित होंगी प्रतिमाएं

जिले भर जुटे पूजा समितियों के पदाधिकारी। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति के तत्वावधान में जिले भर की दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों की बैठक झूलेलाल धर्मशाला में हुई। आई हुई समितियों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव व समस्याओं को महासमिति के समक्ष रखा।

बैठक में तय किया गया कि हर्षोल्लास व भक्तिमय वातावरण में दुर्गा पूजा को संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए सभी समितियां अपने-अपने दायित्व को समझ कर पूजन कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। महासमिति के अध्यक्ष अरुण कुमार शुक्ला ने बताया कि एक पखवारा पूर्व ही समितियों की मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को पत्र दिया जा चुका है जिसमें संबंधित विभाग पूजन से पूर्व अपना कार्य संपन्न कर लेंगे। महामंत्री राकेश वर्मा गुड्डू ने कहा कि आज सभी समितियां ने अपनी-अपनी समस्याओं को महासमिति से अवगत कराया कराया है जिसमें निराकरण के लिए प्रशासन से शीघ्र प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी समितियां महासमिति और शासन के दिशा निर्देशों का पालन करें और पर्व को सकुशल संपन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने बताया कि सभी समितियों की सहमति से तय हुआ है कि श्री दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन विजयदशमी के दिन 2 अक्टूबर को किया जाएगा जिसमें समितियां समय से अपने-अपने स्थान से विसर्जन स्थल की ओर प्रस्थान करेंगी। बैठक में ओमप्रकाश सोनी, राजा बाबू गुप्ता, भरत गिरि, आशीष मोदनवाल, दिनेश कश्यप, अमित गुप्ता, कमल बाबा, बबलू वर्मा, अंकुर गर्ग, श्यामचंद गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, आशीष गुप्ता, बिरजू कुमार, रवि गुप्ता, रघुराज सोनकर, शिवम कश्यप, बृजेश सिंह, प्रेम कृष्ण श्रीवास्तव, बब्बन यादव, लोकनाथ, बच्चा रस्तोगी, किशन कुमार, मनोज सिंह, दिनेश ठक्कुर, इतिहास उपस्थित रहे।

जितेन्द्र अध्यक्ष, गौरव महामंत्री बने

गोंडा, अमृत विचार : अपने संगठन विस्तार के क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शुक्रवार को मनकापुर के ब्लाक इकाई का गठन किया। निर्वाचन के दौरान जितेंद्र कुमार वर्मा को ब्लाक अध्यक्ष व गौरव सिंह को निर्विरोध महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया।

मनकापुर ब्लॉक कार्यकारिणी के निर्वाचित पदाधिकारी। अमृत विचार

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शरद सिंह ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय मनकापुर के परिसर में आयोजित शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं संगठन विस्तार कार्यक्रम के तहत निर्वाचन अधिकारी दिलीप कुमार की देखरेख में ब्लाक कार्यकारिणी का चुनाव कराया गया जिसमें जितेन्द्र कुमार वर्मा को अध्यक्ष, गौरव सिंह महामंत्री, सर्वेश भास्कर उपाध्यक्ष, विनोद शुक्ल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रमोद कुमार सिंह कोषाध्यक्ष, प्रभु नारायण शुक्ल उपाध्यक्ष, रचना सिंह उपाध्यक्ष, रणधीर सिंह संगठन मंत्री, सुनील चौधरी उपाध्यक्ष, राजकुमार मौर्या प्रचार मंत्री, रविन्द्र प्रताप यादव संगठन मंत्री चुना गया। को निर्विरोध रूप से निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर देवेन्द्र प्रताप सिंह आशीष द्विवेदी राजीव कुमार, अजय सिंह, घनश्याम सिंह, राजेश कुमार यादव, रामफेर मौर्य, विपिन मिश्रा, अमित कुमार पाण्डेय, पतिराम, वर्मा, शिवकुमार, सत्येन्द्र कुमार सिंह, दिलीप कुमार, जनकराम वर्मा, बलजीत कुमार वर्मा, राजकुमार, पंकज सिंह , राजकपूर सिंह, विजय कुमार, लखेश्वरी प्रसाद वर्मा, शिवचन्द वर्मा, रवि मिश्रा, जुग्गी लाल वर्मा, अमित कुमार सिंह, अजीत वर्मा, विजय कुमार, संतोष कुमार वर्मा, सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

मारीच दरबार और अहिल्या उद्धार की लीलाओं ने बांधा समां

संवाददाता, करनैलगंज, गोंडा

रामलीला का दृश्य। अमृत विचार

अमृत विचार : नगर के गुड़ाही बाजार स्थित श्रीरामलीला भवन में चल रहे रामलीला महोत्सव में गुरुवार की रात मारीच दरबार, अहिल्या उद्धार और नगर दर्शन की लीलाओं का मंचन किया गया।

पहले दृश्य में मंच पर मारीच दरबार की लीला प्रस्तुत हुई। इसके उपरांत श्रीराम-लक्ष्मण जब ऋषि विश्वामित्र के साथ मार्ग से गुजर रहे थे तो उन्हें एक आश्रम दिखाई पड़ा। विश्वामित्र ने बताया कि यह गौतम ऋषि का आश्रम है, जहां उनकी पत्नी अहिल्या शापवश शिला बन गई थीं। श्रीराम ने अपने चरण-स्पर्श से अहिल्या का उद्धार किया तो पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद कथा में राम, लक्ष्मण और विश्वामित्र गंगा तट पहुंचे, स्नान किया और जनकपुर की अमराई में विश्राम किया। उनके आगमन का समाचार पाकर राजा जनक स्वयं अपने गुरु सतानंद के साथ पहुंचे और अतिथियों का भव्य स्वागत कर सुंदर सदन में विराजमान कराया। राम-लक्ष्मण नगर दर्शन के लिए निकले तो नगर बालकों ने उनका मार्गदर्शन किया।

हाट बाजार के दृश्य में दुकानदारों ने गीत गाकर अपने-अपने सामान की खूबियां बताईं। यह दृश्य दर्शकों के लिए अत्यंत रोचक व मनोरंजक रहा। मंचन में मोहित पाण्डेय, कन्हैया लाल वर्मा, राजेंद्र वर्मा, कैलाश सोनी, रितेश सोनी, साकेत शाह, अंकित जायसवाल, अनुज जायसवाल, अरमान पुरवार, दीपक सोनी, आयुष सोनी, विशाल कौशल सहित अनेक कलाकारों मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स को मिला प्रशिक्षण

नवाबगंज : नंदिनी नगर महाविद्यालय में आयोजित 48 उत्तर प्रदेश वाहिनी एनसीसी गोंडा के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 162 तथा प्री-आईजीसी शिविर के चौथे दिन शुक्रवार को कैडेट्स को बुनियादी सैन्य और जीवन रक्षक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर की शुरुआत सुबह ड्रिल अभ्यास से हुई, इसके बाद एएनओ और पीआई स्टाफ द्वारा सैद्धांतिक कक्षाओं का संचालन किया गया। अल्फा कंपनी के कैडेट्स को फायरिंग रेंज में हथियार चलाने का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण अधिकारी लेफ्टिनेंट हरिनाथ सिंह और बटालियन के पीआई स्टाफ ने फायरिंग का तरीका और सुरक्षा उपाय सिखाए। वहीं सीएचसी नवाबगंज के डॉक्टर राकेश शुक्ला के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा का बुनियादी प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर कमान अधिकारी कर्नल सुनील कपूर, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रणयोद्ध सिंह मौजूद रहे।

गलत जांच व इलाज से मरीज की हालत बिगड़ी

करनैलगंज, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करनैलगंज एक बार फिर विवादों में है। मरीजों की जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए बालूगंज निवासी शिवशंकर भट्ट ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है।

शिवशंकर भट्ट का कहना है कि उनके पिता नारायण को 15 अक्टूबर को उल्टी की शिकायत पर सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। अगले दिन हालत बिगड़ने पर दोबारा भर्ती कराया गया और डॉक्टर ने शुगर की जांच लिखी। आरोप है कि जांच रिपोर्ट में मरीज का शुगर लेवल 501 दर्शाया गया, जिसके आधार पर दवा शुरू की गई।परिजनों का कहना है कि दवा लेने के बाद मरीज की तबीयत और बिगड़ गई। मजबूरन उन्हें 18 अक्टूबर को लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ जांच रिपोर्ट में शुगर लेवल 88 और 165 आया। इससे सीएचसी की जांच पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। परिवार ने सीएचसी अधीक्षक से शिकायत की तो आरोप है कि डॉ. जय गोविंद ने सबके सामने उन्हें डांट कर बाहर निकाल दिया। इससे परिजन अपमानित महसूस कर रहे हैं। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. सौम्या श्रीवास्तव ने कहा कि अभद्रता का आरोप बेबुनियाद है। जांच कर्मी से स्पष्टीकरण मांगा गया है और संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

झाड़ियों में लावारिस मिली बाइक

नवाबगंज। गुरुवार की रात करीब 9 बजे हरिवंशपुर गांव में खेत की झाड़ियों में एक लावारिस बाइक खड़ी मिली। बाइक देखते ही गांव में हड़कंप मच गया। सैकड़ों ग्रामीण टॉर्च लेकर खेत-खलिहान में अज्ञात चोरों को खोजने निकल पड़े, लेकिन घंटों तलाश के बाद भी कोई हाथ नहीं लगा। ग्रामीणों ने बताया कि रमई पुरवा और तेलियन पुरवा के बीच राकेश गुप्ता के खेत की झाड़ियों में बाइक पड़ी थी। बाइक को देखकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। किसी को शक था कि चोर कहीं आसपास छिपे बैठे हैं, तो कोई इसे चोरी की बाइक बता रहा था। सूचना पाकर करीब 9:30 बजे उपनिरीक्षक विभव सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बाइक को कब्जे में ले लिया। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि बरामद बाइक अयोध्या जनपद निवासी परिक्रमा के नाम पंजीकृत है। मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और हर पहलू पर पुलिस नजर बनाए हुए है।

आग से बचने के उपाय सुझाए

तरबगंज, अमृत विचार। नगर पंचायत तरबगंज के रेतादल सिंह के शिवा प्लाई बोर्ड फैक्ट्री परिसर में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज अभियान के तहत पहुंचे अधिकारियों ने आग से बचाव के तरीके बताए। अग्निशमन के क्षेत्राधिकारी आर एस मिश्र ने बताया कि गैस से लगी आग, बिजली से लगी आग व सामान्य तरीके से लगी आग को कैसे बुझाया जाय।

तहसील परिसर में मॉकड्रिल : तहसील करनैलगंज के उपजिलाधिकारी आवास परिसर में शुक्रवार को फायर सेफ्टी को लेकर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। अग्निशमन दल के जवानों ने आग बुझाने के विभिन्न तरीके प्रदर्शित कर लोगों को जागरूक किया। इसी प्रकार एससीपीएम मेडिकल कालेज गोंडा और तहसील तरबगंज में भी मॉकड्रिल की गई।

'शांति सरोवर' व 'देहाती लड़के' कोर्स में शामिल

उमरी बेगमगंज, अमृत विचार: मां पाटेश्वरी देवी विश्वविद्यालय बलरामपुर ने जिले के कई साहित्यकारों की रचनाओं को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया है। बीए तृतीय वर्ष के वैकल्पिक पाठ्यक्रम में देवीपाटन मंडल की हिंदी को शामिल किया गया है, जिसमें उमरी बेगमगंज क्षेत्र के मुकुंदपुर निवासी प्रख्यात कवि साहित्य श्री सम्मान प्राप्त हीरा सिंह मधुर के महाकाव्य

हीरा सिंह मधुर।

शशांक भारतीय।

"शांति सरोवर" को शामिल किया गया है। इसका विमोचन बरौली के बाबा मठ में बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने पहुंचे सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 7 सितंबर 2018 को किया था। इसके साथ ही उमरी बेगमगंज निवासी युवा लेखक शशांक भारतीय के उपन्यास "देहाती लड़के" को बीए तृतीय वर्ष के हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। यह वर्तमान में आयकर निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। यही नहीं जिले के कई अन्य साहित्यकार व कवियों की कृतियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

छात्रों का नामांकन प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश

रुपईडीह, अमृत विचार। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ब्लॉक के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक तथा कंपोजिट विद्यालयों को मिलाकर 23 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/प्रभारी प्रधानाध्यापकों की समीक्षा बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी ने यूडायस पर वर्ष 2023-24 तथा 2025-26 में छात्र-छात्राओं के अंतर कम करने, विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखने, ड्रॉप आउट बच्चों की संख्या कम करने तथा छात्र-छात्राओं के नामांकन में वृद्धि पर विशेष बल देते हुए स्कूलों में शैक्षिक कैलेंडर का पालन किए जाने का निर्देश दिया। बीईओ मनीष कुमार सिंह ने इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत छात्र-छात्राओं के पंजीकरण व एक पेड़ माँ के नाम पर चर्चा करते हुए विद्यालयों में बेहतर शिक्षण व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया। प्रभाकर त्रिपाठी, आशुतोष पांडेय, अनिल चौरसिया, अंकित तिवारी, सुशील सिंह, बुशरा अजीज, राम जियावन, राजेश, हरीश आदि लोग उपस्थित रहे।

आयोजन

केंद्रीय वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री ने किया वृक्ष उत्पादक मेला का उद्घाटन

कृषि वानिकी अपनाकर आय दोगुनी कर सकते हैं किसान

संवाददाता, गोंडा

वृक्ष उत्पाद मेले का उद्घाटन करते केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, साथ में विधायक प्रेम नरायन पांडेय, अजय सिंह, रमापति शास्त्री एवं डीएम प्रियंका निरंजन।

अमृत विचार : पीएम मोदी के जन्मदिन पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की तरफ से शुक्रवार को वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। जिला पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित इस मेले का शुभारंभ केंद्रीय वन पर्यावरण जलवायु और परिवर्तन व विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया स्वयं सहायता समूह की तरफ से बनाए गए उत्पादों की सराहना की। उन्होंने इन उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए उन्हे आरगा ब्रांड से जुड़ने का भी आवाहन किया। उन्होंने कृषि वानिकी के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले गोंडा समेत विभिन्न जनपदों के 20 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि गोंडा में पहली बार वृक्ष उत्पादक मेला हम लोगों ने करवाया है। कार्यक्रम को तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, करनैलगंज विधायक अजय सिंह, एमएलसी अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, मनकापुर विधायक व पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री व डीएम प्रियंका निरंजन ने भी संबोधित किया।

बिक्री प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग

कार्यक्रम में लखीमपुर खीरी जिले के किसान यदुनंदन सिंह ने कहा कि चंदन व सागौन को कृषि वानिकी में शामिल करें और उनके बिक्री की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे यहां औषधियों की मंडी नहीं है। फार्मेसी कंपनियां सीधे किसानों से खरीदारी नहीं करती हैं। ऐसी व्यवस्था बने कि कंपनियां सीधे किसानों से खरीद करें। प्रतापगढ़ के प्रगतिशील किसान उत्कर्ष पांडेय ने बिक्री को सुविधाजनक बनाने की मांग की। गाजीपुर के राम भजन राय ने जड़ी बूटियों की खेती आसान लेकिन मार्केट नहीं है। उन्होने भी मार्केट उपलब्ध कराने की मांग की। बांस की खेती करने वाले अयोध्या के किसान राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने किसानों को बांस की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही किसानों को खेती से पहले आय व्यय का ब्योरा रखने की सलाह दी।

25 शिक्षक सम्मानित

कटरा बाजार, अमृत विचार : शुक्रवार को ब्लाक सभागार में छात्र-नामांकन पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल तिवारी ने की।

शिक्षक को सम्मानित करते बीएसए अतुल तिवारी। अमृत विचार

विकासखंड कटरा बाजार के 28 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों और वरिष्ठ अध्यापकों से जवाब-तलबी की गई। जिनके यहां वर्ष 2023-24 व 2025-26 के बीच नामांकन में उल्लेखनीय अंतर सामने आया। बीएसए ने निर्देशित किया कि इस कमी को तत्काल दूर कर पंजीकरण का अंतर शीघ्र समाप्त किया जाए। 25 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षक श्याम सुंदर, सुमित कुमार कन्नौजिया, रवि कुमार तिवारी, दीपक सिंह, माया देवी, सतीश कुमार कर्दम, विक्रम सिंह, सरस्वती, मोहम्मद सऊद, राजेश सोनी, गणेश दीक्षित, जनार्दन कुशवाहा, संतोष कुमार श्रीवास्तव, विजयशंकर सिंह, पूजा, अरविंद कुमार शुक्ला, कमल किशोर त्रिपाठी और वीरेंद्र पंवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

प्रभारी मंत्री का आगमन आज

बहराइच, अमृत विचार : प्रदेश के कृषि मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही का शनिवा को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रभारी मंत्री शाही 20 सितम्बर को पूर्वान्ह 10 :15 बजे कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचकर जीएसटी-2 के सम्बन्ध में प्रेसवार्ता करेंगे तथा पूर्वान्ह 11 :00 बजे मुख्यमंत्री द्वारा लोकभवन प्रेक्षागृह, सचिवालय, लखनऊ से मिशन शक्ति-5 के शुभारम्भ कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित होंगे।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान

बहराइच, अमृत विचार : रानीपुर थाना क्षेत्र एक महिला ने छत की कुंडी में फंदा डालकर फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम पिपरिया महिपाल सिंह के निवासी उस्मान ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहू निशाबुल ने घर में कुंडी से दुपट्टे से फांसी लगा ली। उस्मान ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार थी।

प्रतिबंधित पशु के वध की आशंका

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : गिरधरपुर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात प्रतिबंधित पशु के काटने की आशंका पर ग्रामीणों ने कुछ लोगों को पकड़ा। हालांकि, आरोपी फरार हो गए। सीओ प्रद्युम्न सिंह और नवागत कोतवाल राजनाथ सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पशु चिकित्सक को पोस्टमार्टम के लिए बुलाया। ग्रामीणों ने बताया कि एक अवैध मदरसे की आड़ में पहले भी कई बार इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह ने बताया कि अवशेषों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

नानपारा-नेपालगंज के बीच 130 किमी की गति से दौड़ी ट्रेन

सीआरएस ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण, दोनों स्टेशनों के मध्य 19.33 किमी आमान परिवर्तन व विद्युतीकरण किया गया

संवाददाता, रुपईडीहा, बहराइच, गोरखपुर

अमृत विचार : नानपारा-नेपालगंज रोड स्टेशनों के मध्य 19.33 किमी आमान परिवर्तित व विद्युतीकृत रेल लाइन 25,000 वोल्ट एसी क्षमता के संरक्षा परीक्षण का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस उपलब्धि के दूसरे दिन शुक्रवार को पूर्वोत्तर परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना ने पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल सहित निर्माण संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त ने नेपालगंज रोड-नानपारा खंड पर सीआरएस स्पेशल ट्रेन द्वारा 130 किमी प्रति घंटे की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया।

नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते रेल संरक्षा आयुक्त। ● अमृत विचार

निरीक्षण के दौरान सक्सेना ने बाबागंज हॉल्ट स्टेशन पर स्टेशन अपडेशन, पैनल रूम, फुट ओवर ब्रिज, सर्कुलेटिंग एरिया, यार्ड, पॉइंट्स एंड क्रॉसिंग, सिगनलिंग व्यवस्था, बैटरी रूम, रिले रूम और प्लेटफॉर्म क्लियरेंस का निरीक्षण किया। इसके बाद, उन्होंने बाबागंज हॉल्ट से नेपालगंज रोड तक मोटर ट्रॉली द्वारा समपारों, माइनर ब्रिजों और अन्य संरचनाओं की संरक्षा जांच की। नानपारा-नेपालगंज रोड रेल खंड के आमान परिवर्तन और विद्युतीकरण के पूरा होने से तराई क्षेत्र का यह हिस्सा देश के ब्रॉडगेज रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। इस परियोजना से स्थानीय जनता को निम्नलिखित लाभ होंगे। क्षेत्र के लोग अब महानगरों तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी।

आमान परिवर्तन के बाद यात्रियों को ट्रेन बदलने की असुविधा से छुटकारा मिलेगा।

दर्जनों गांवों के लोगों ने सौंपा ज्ञापन

नेपालगंज रोड के पूर्व स्थित गांव निबिया, मनवरिया, लहरपुरवा, सीतापुरवा, सहजना, नरैनापुर, लछ्मनपुर गुलालडीह, गोपालपुर, खरिहनिया, बंजरिया, तिगड़ा, तिगड़ी, अब्दुल्लागंज जंगल के उसपार, जमदान, हालिया, सागर गांव, संतलिया, गुलरिया, खड़ईचा, जानकी गांव मझगवां व अड़गोड़वा आदि दर्जनों गांव के ग्रामीणों ने क्रासिंग न होने के कारण आवागमन के लिए एक क्रासिंग की मांग की। इस संबंध मे नवाबगंज ब्लॉक प्रमुख जेपी सिंह व सहजना के प्रधान मेराज अहमद के नेतृत्व में लोगों ने ज्ञापन भी सीआरएस व डीआरएम को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि गांव के बच्चे नित्य विद्यालय पैदल व साइकिल से आते जाते हैं। इस क्षेत्र के गरीब मकदूर सुबह जाते हैं व शाम को लौटते हैं। रास्ता न मिलने के कारण लगभग 10 हजार की आबादी पूरी तरह प्रभावित है। प्रार्थना पत्र में रेलवे स्टेशन के पास मार्ग देने की मांग भी की है।

जल्द चलेंगी ट्रेनें

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बताया कि नेपालगंज रोड स्टेशन से नानपारा तक 130 किलोमीटर की गति से ट्रेन चलकर ट्रैक की जांच की गई। नेपालगंज रोड से बहराइच जंक्शन तक रेलवे ट्रैक की गुणवत्ता सही मिली। नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से दिल्ली सहित अन्य स्थानों के लिए ट्रेन चलाई जाएंगी।

दुर्घटना में युवक की गयी जान

बहराइच, अमृत विचार : रामगांव थाना क्षेत्र में एक एक युवक का शव और उसकी बाइक शुक्रवार को तालाब में मिली। ग्रामीणों ने हादसे की आशंका जतायी है।

थाना रामगांव क्षेत्र के दशरथपुर आढीपुर निवासी राम लखन (40) पुत्र श्यामलाल गुरुवार की शाम बाइक से घर से बाहर गया था लेकिन पूरी रात घर नहीं लौटा। सुबह परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ लोग गांव से थोड़ी दूरी पर स्थित तालाब के पास से जा रहे थे तभी उन लोगों ने राम लखन का शव तालाब में देखा। इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि वह नशे का आदी था। शायद तालाब के पास से गुजरते वक्त संतुलन खो बैठा और पानी में गिरकर डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

पांच नयी पुलिस चौकियां खुलीं

बहराइच, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने महसी क्षेत्र में पांच नई पुलिस चौकियों की स्थापना की है। इन नई चौकियों में चहलारीघाट पुल (बहराइच-सीतापुर सीमा थाना हरदी), खैरा बाजार (अतिसंवेदनशील क्षेत्र थाना बौंडी), रमपुरवा चौकी (बहराइच-सीतापुर राजमार्ग पर), मेटुकहा चौराहा (जिला मुख्यालय के निकट थाना रामगांव) और शंकरपुर चौराहा (थाना मटेरा) शामिल हैं।

प्रत्येक चौकी पर प्रभारी अधिकारी सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इन चौकियों का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, क्षेत्र में गश्त और निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

किसानों को दिलाएं प्रशिक्षण : तिवारी

- नोडल अधिकारी ने की नीति आयोग के सूचकांकों की समीक्षा

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : नीति आयोग के संयुक्त सचिव व नोडल अधिकारी आलोक तिवारी ने जनपद भ्रमण के दौरान विकास भवन सभागार में नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों का आह्वान किया कि कृषि एवं पशुपालन सेक्टर में कृषि प्रधान जनपद को नई पहचान दिलायें। उन्होंने कहा कि आकांक्षात्मक जनपद का एक उद्देश्य यह भी है कि आमजन में जनजागरूकता लायी जाये ताकि सक्षम लोग स्वयं भी नयेतरीके अपनाकर आगे बढ़ सकें। तिवारी ने कृषि सेक्टर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राकृतिक एवं ज़ीरो बजट खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें तथा आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था की जाय।

अधिकारियों से जानकारी लेते नोडल अधिकारी, संयुक्त सचिव आलोक तिवारी।

नोडल अधिकारी तिवारी ने कहा कि किसी भी जिले में पूंजी व संसाधनों की कमी, निजी क्षेत्र के उद्योग धंधो का अभाव, मुख्य रूप से पिछड़ेपन का कारण होते है। जिले के सरकारी संस्थाओं का दायित्व है कि इन कमियों को दूर करने की दिशा में प्रयास करे जिससे जिले का पिछड़ापन दूर हो सके।

रिसार्ट में लगेगी सांसद की पाठशाला

बहराइच, अमृत विचार : सांसद आनन्द गोंड एक शिक्षक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस दौरान वह जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आने वाली महिलाओं की आयोजित पाठशाला में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का पाठ पढ़ायेंगे। सांसद की यह पाठशाला नवरात्र के पहले दिन यानी 22 सितंबर को नगर के एक रिजार्ट में लगेगी। इसका आयोजन सामाजिक संस्था सद्भावना की ओर से किया गया है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सद्भावना संस्था के संस्थापक व सीईओ योगेन्द्र मणि त्रिपाठी बताते हैं कि सांसद की पाठशाला नामक इस कार्यक्रम में चित्तौरा ब्लाक के पचास गांवों से संस्था से जुड़ी महिलाएं भाग लेंगी।

भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा को लेकर हुई मॉकड्रिल

संवाददाता, खैरीघाट, बहराइच

अमृत विचार : शिवपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय कोटवा में भूकंप, औद्योगिक (रासायनिक) एवं अग्नि सुरक्षा पर मॉकड्रिल की गयी। डीएम अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर शुक्रवार की सुबह 10 बजे से मॉक एक्सरसाइज शुरू की गई। तहसीलदार नानपारा अम्बिका चौधरी तथा 42वीं बटालियन एसएसबी के असिस्टेंट कमांडर बादल परिहार तथा शिवम कुमार बच्चों तथा ग्रामीणों को भूकंप, औद्योगिक एवं अग्नि सुरक्षा की जानकारी देते हुए सभी को उससे बचाव के सुझाव दिए गए उन्होंने लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार हर्षित पांडे, खंड विकास अधिकारी शिवपुर अनुष्का श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी शिवपुर राम तिलक वर्मा आदि मौजूद थे।

किया गया पूर्वाभ्यास

बहराइच, अमृत विचार : श्रावस्ती जनपद के तीनों तहसील मॉकड्रिल हुई। राज्य स्तर से ही भूकंप एवं अग्निकांड हेतु केंद्रीय विद्यालय भिनगा, उद्योग के लिए पटेल एग्रो इंडस्ट्रीज जमुनहा एवं स्कूल से इवेक्युवेशन ड्रिल हेतु जगतजीत इंटर कालेज इकौना में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक के लिए मॉकड्रिल हेतु समय निर्धारित किया था।

स्वस्थ खेत से ही मिल सकेगा सेहतमंद भोजन

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : अगर सेहत अच्छी रखनी है तो भोजन अच्छा खाना होगा। भोजन अगर पौष्टिकता से भरपूर चाहिए तो सबसे पहले खेतों की सेहत का ध्यान रखना होगा और खेतों की सेहत अच्छी रहे इसके लिए उन्हें जहरीले रसायनों व पेस्टीसाइड्स से दूर रखना होगा। तभी हम, हमारा परिवार, हमारा समाज, हमारे गांव, शहर और देश स्वस्थ रह सकेगा। सही मायने तभी हमारे स्वस्थ भारत की संकल्पना साकार हो सकेगी।

यह उद्गार बौंडी के कटान पीड़ित गांव जोगागापुरवा के किसानों के मध्य उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने व्यक्त किये। वर्मा कटान पीड़ितों के जीवन स्तर में सुधार लाने में जुटी संस्था पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप फसलों पर जहरीले रसायनों का प्रयोग करते हैं फिर वही फल, सब्जियां और अनाज आप स्वयं खाते हैं और अपने परिवार तथा जानवरों को खिलाते हैं जिससे आप गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने विभाग की ओर से बागवानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट के सीईओ ध्रुव कुमार ने कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संस्था के सदस्य रिंकी मौर्य और रामतेज, ग्रामीण कमलेश, हरिद्वार, रामू, लक्ष्मण, रेखा, सकीना, जनकदुलारी, कौशल्या, संगीता, कोकी, रामलाल, रामपाल, जीवन लाल, रोशन लाल, विनय तथा जोगापुरवा नई बस्ती शारदा सिंह पूर्व सिलौटा के किसान शामिल रहे।

किसानों को विषमुक्त खेती की जानकारी देते उपनिदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा।

तीन दुकानों में आग से लाखों की क्षति

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : एक दुकान में गुरुवार की रात आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग ने दो अन्य दुकानों को गिरफ्त में ले लिया। इस घटना में तीन लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। गुरुवार रात करीब दो बजे अनवर की दुकान में आग लग गई। लपटों ने सलमान और शाकिर की दुकान को भी चपेट में ले लिया। लोगों और पुलिस ने आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। चौकी इंचार्ज जरवल शिवम कुमार कनौजिया ने बताया कि स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया है।

फर्जी आरसी से ट्रैक्टर बेचने वाला गिरफ्तार

बहराइच, अमृत विचार : धोखाधड़ी कर किसानों को ट्रैक्टर बेचने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तीन ट्रैक्टर बरामद किए गए हैं।

प्रभारी निरीक्षक मूर्तिहा तथा स्वाट और सर्विलांस टीम ने नाकेबंदी कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तीन ट्रैक्टर बरामद हुए हैं। इससे पहले भी मूर्तिहा पुलिस ने फर्जी आरसी तैयार करवा कर किसानों को ट्रैक्टर बेचने के मामले का खुलासा करते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। जिनके कब्जे से सात ट्रैक्टर बरामद किए गए थे। मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गिरोह सक्रिय है। पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर अलग-अलग स्थानों से 3 ट्रैक्टर बरामद करते हुए वांछित अभियुक्त दुर्गेश सिंह को रुपईडीहा-नानपारा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह लोग ट्रैक्टर मालिक से रेलवे में ठेके के नाम पर ट्रैक्टर लेकर बेच देते थे। गिरफ्तार अभियुक्त दुर्गेश सिंह निवासी ग्राम तुलसीपुर मांझा पुरे डाली थाना नवाबगंज गोण्डा के खिलाफ जिले में सात आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नकदी समेत लाखों की संपत्ति चोरी

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : खुटेहना बाजार निवासी राम जी के घर से शाम लगभग 6 बजे चोर नकदी व गहने समेत लाखों की संपत्ति चुरा ले गए। चौकी प्रभारी गोपाल तिवारी ने मौके पर पहुंच कर जांच की।

बताया जाता है कि परिवार के सदस्य खेत में काम करने चले गए थे। घर खाली था। मौका पाकर चोर खिड़की का कुंडी तोड़कर घर के अंदर घुस गए और घर में रखे 12 हजार रुपए तथा सोने चांदी के गहने ले जाने में सफल रहे। इस घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है!

अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते महाराज जयेन्द्र प्रताप सिंह।

ब्रिटिश इंडिया एसो. अध्यक्ष पद के लिए महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह ने दाखिल किया नामांकन

बलरामपुर, अमृत विचार : लखनऊ स्थित सफेद बारादरी में ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष पद हेतु बलरामपुर स्टेट के महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले गोंडा के मनकापुर स्टेट के महाराजा व केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भी नामांकन कर चुके हैं। यह पद उनके पिता स्व. कुंवर आनंद सिंह के निधन के बाद रिक्त हुआ था। नामांकन के बाद जयेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्वजों से आशीर्वाद लेकर इस परंपरा और धरोहर को आगे बढ़ाने के लिए नामांकन किया है। इस दौरान आवागढ़ स्टेट आगरा के महाराज एवं आरबीएस पीजी कॉलेज प्रबंधक कुंवर अम्बरीष पाल सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, बलरामपुर स्टेट प्रबंधक रिटायर्ड ले.कर्नल आरके मोहंता, संयुक्त सचिव बीके सिंह, डॉ. राजीव रंजन, प्रो. अरविंद द्विवेदी आदि थे।

पॉलीटेक्निक में मनी विश्वकर्मा जयंती

बलरामपुर, अमृत विचार: पॉलिटेक्निक कॉलेज घुघुलपुर में बुधवार को विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनायी गयी। छात्र-छात्राओं व स्टाफ ने भगवान विश्वकर्मा की आराधना की। पूरे परिसर को रंग-बिरंगी सजावट और फूलमालाओं से सजाया गया था।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य शिव प्रकाश शुक्ला, विभागाध्यक्ष शिवम द्विवेदी व मुकुल कुमार, कोऑर्डिनेटर गौरव सिंह व बंटी सिंह तथा दुर्गा माई धाम ट्रस्ट के संस्थापक पं. दिलीप कुमार मिश्रा मौजूद रहे। पूजन के बाद तकनीकी शिक्षा के विकास और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण हुआ।

शिविर में रक्तदान करते महादानी। ● अमृत विचार

किसी के जीवन की डोर बन सकता है एक बूंद रक्त

तुलसीपुर, बलरामपुर, अमृत विचार : सनातन जागृति मंच के तत्वावधान में शारदीय नवरात्र से पूर्व पैसिफिक चैरिटेबल ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुखदेव आर्य और संयोजक दिलीप कुमार गुप्ता ने दीप जलाकर किया। अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष जगराम ने की। संयोजक दिलीप गुप्ता ने रक्तदान को जीवन बचाने वाला सर्वोत्तम और निस्वार्थ कार्य बताते हुए कहा कि एक बूंद रक्त भी किसी के जीवन की डोर बन सकता है। उन्होंने लोगों से रक्तदान को जीवनदायी परंपरा बनाने का आह्वान किया। शिविर में दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर अमित कशौधन, संदीप सोनी, रोहित शर्मा, उदय अग्रहरि, विनोद गुप्ता, शुभम पांडे, राकेश शुक्ल, अंकित गुप्ता, अभय साहू, राजू अग्रहरि, संदीप बरनवाल, विष्णु गुप्ता समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

किसानों को मिला मशरूम की खेती का प्रशिक्षण

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज अयोध्या से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र पचपेड़वा द्वारा ग्राम मध्य नगर (इटवा), विकासखंड रेहरा में आयोजित मशरूम उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हुआ। पादप रोग विज्ञानी डॉ. गिरिजेश जायसवाल ने उत्पादन की बारीकियां साझा कीं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सियाराम ने युवाओं को मशरूम से रोजगार की संभावनाओं के प्रति जागरूक किया। प्रशिक्षण में गणेश प्रताप सिंह, राजमान वर्मा, सुनील सिंह, धर्मेंद्र प्रताप मिश्र, सर्वजीत मिश्रा, जगत राम वर्मा, भास्कर भूषण वर्मा, रवि प्रकाश सिंह, मलिक राम आदि ने भाग लिया।

गोवंश वध मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार, 2 मुठभेड़ में घायल

बलरामपुर, अमृत विचार : थाना महराजगंज तराई क्षेत्र में बछड़े के वध की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने सातों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें दो मुख्य आरोपी समीउल्ला और शौकत अली पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए हैं। इनके कब्जे से गोमांस सहित चाकू, लकड़ी का ठीहा, प्लास्टिक की पन्नी, तराजू और बाट बरामद किए गए हैं।

घटना 18 सितम्बर की है। थानाध्यक्ष अखिलेश पाण्डेय को सूचना मिली थी कि दो लोग बोरी में गोमांस लेकर शिवानगर के पीछे खेतों से आ रहे हैं। घेराबंदी कर सोनू खां और शादाब को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 15 किलो गोमांस मिला। पूछताछ में उन्होंने अपने साथियों समीउल्ला, शौकत अली, फकरुद्दीन, मुन्नान और कल्लू के नाम बताए। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सोनू खां, शादाब, मुन्नान और कल्लू शिवानगर के रहने वाले हैं जबकि समीउल्ला, शौकत अली और फकरुद्दीन भुड़कुडहा मशर नौवा गाँव के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने खेत में बछड़े का वध कर मांस आपस में बांटने की योजना बनाई थी। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अभियुक्त समीउल्ला, शौकत अली और मुन्नान पहले से भी आपराधिक मामलों में वांछित रहे हैं।

कार्यक्रम | अटल भवन में आयोजित किया गया प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन

पीएम मोदी का जीवन प्रेरणा का प्रतीक : अनुपमा

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : कोई केक काटकर, कोई नोटों की माला पहनकर और कोई सैफई महोत्सव कराकर जन्मदिन मनाता है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के बीच रक्तदान, स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों के जरिए सेवा पखवाड़ा के रूप में अपना जन्मदिन मनाते हैं। पीएम मोदी का जीवन साधक एवं प्रेरणादायक है। यह बातें शुक्रवार को अटल भवन पर आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्य अतिथि, पूर्व मंत्री व बहराइच विधायक अनुपमा जायसवाल ने कहीं।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने बचपन से ही राष्ट्र सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाया। राम मंदिर निर्माण, काशी-केदारनाथ-उज्जैन कॉरिडोर से उत्तर-दक्षिण को जोड़ना, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के जरिए भारत की ताकत दुनिया को दिखाना पीएम मोदी के ऐतिहासिक कार्य हैं। सदर विधायक पलटू राम ने कहा कि मोदी जी ने राष्ट्र को प्रथम और स्वयं को पीछे रखकर 11 वर्षों में क्रांतिकारी बदलाव किए। पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू ने कहा कि उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलकर अंतिम पायदान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व मोदी को शांति दूत मान रहा है और 34 देशों ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अविनाश मिश्रा, संयोजक डॉ. तुलसीष दुबे समेत अनेक प्रबुद्धजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिवम जायसवाल, अनूप चंद्र गुप्ता, हेमंत जायसवाल, महिपाल चौधरी, बृजेंद्र तिवारी, ललिता तिवारी, संदीप वर्मा, डॉ. अजय सिंह पिंकू, अवधेश तिवारी तरुण, सुनीता मिश्रा, डीपी सिंह, अंशुमान शुक्ला, आलोक रंजन पांडे आदि मौजूद थे।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में मौजूद मुख्य अतिथि अनुपमा जायसवाल व अन्य भाजपाई।

गड्ढामुक्त होगा बलरामपुर

बलरामपुर, अमृत विचार : शारदीय नवरात्रि, दुर्गा पूजा, रामलीला और दशहरा पर्व को देखते हुए नगर क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधा के मद्देनज़र नगर पालिका प्रशासन ने जल निगम सहित सभी निर्माण एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सीवर और पाइपलाइन खोदाई के बाद छोड़े गए गड्ढों को तुरंत भरकर मार्गों को दुरुस्त किया जाए। पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने जल निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों को आदेश दिया कि गड्ढामुक्त अभियान तत्काल चलाया जाए, क्योंकि धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में पूजा स्थलों पर पहुंचते हैं।

आपदा से बचाव का किया पूर्वाभ्यास

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : शासन के निर्देश पर शुक्रवार को जनपद में भूकम्प, औद्योगिक रसायन रिसाव एवं अग्निकांड जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारी परखने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। डीएम पवन अग्रवाल की अगुवाई में तीनों तहसीलों में अलग-अलग परिदृश्यों पर यह अभ्यास हुआ।

बलरामपुर चीनी मिल के केमिकल डिवीजन में औद्योगिक रसायन रिसाव और आग लगने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें फंसे मजदूरों व अग्निशमन दल, एसएसबी व सुरक्षा टीमों ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। तहसील तुलसीपुर परिसर में आगजनी की मॉक ड्रिल एवं सीएचसी में भूकम्प से उत्पन्न आपदा प्रबंधन का अभ्यास कराया गया, वहीं उतरौला के मो. यूसुफ उस्मानी इंटर कॉलेज में भूकम्प के दौरान बच्चों की सुरक्षा की जानकारी दी गई। डीएम ने बताया कि बलरामपुर भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील जोन-4 में आता है, ऐसे में मॉक ड्रिल का उद्देश्य आमजन को आपदा में सतर्क व तैयार करना है। इस दौरान स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन, परिवहन, शिक्षा, विद्युत, नगर निकाय आदि ने सहभागिता की।

आग जैसी आपदा से निपटने के लिए माक ड्रिल करते जवान। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

कुशीनगर में एक साथ 36 पुलिसकर्मी लाइन-हाजिर

कुशीनगर, अमृत विचार : पशु तस्करों को संरक्षण देकर पशु तस्करी को बढावा देने वाले कुशीनगर के कसया थानाध्यक्ष अमित शर्मा व तमकुहीराज थानेदार सुशील कुमार शुक्ल व तीन चौकी इंचार्ज समेत पच्चीस पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। वहीं चर्चा है कि पशु तस्करों को संरक्षण देने की पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध होने की आशंका में एसपी कुशीनगर संतोष कुमार मिश्र को डीजीपी कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। क्योंकि अभी और कितने कार्रवाई की जद में आएंगे, यह अभी उजागर होना शेष है। एसटीएफ द्वारा बिहार के एक गोतस्कर की गोपनीय डायरी में हाइवे के थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों के नाम व मोबाइल नंबरों के दर्ज होने को एडीजी गोरखपुर ने गंभीरता से लिया। एडीजी गोरखपुर अशोक मुथा जैन से बिहार से जुड़ने वाले हाइवे के थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर पब्लिक का फीडबैक लिया। एडीजी जोन मुथा अशोक जैन के निर्देश पर कुशीनगर जिले के दागी पुलिस कर्मियों को लाइन जाहिर कर दिया गया है।

बीएसए और एमडीएम डीसी ने किया निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार : बीएसए और एमडीएम डीसी ने जंगल नकहा नंबर -2 चिलुआताल थाना एरिया परिसर में 100 किलो क्षमता वाले रसोईघर एवं वर्तमान रसोईघर का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रगति रिपोर्ट का विस्तार से अवलोकन किया और कार्य की गुणवत्ता तथा किए जा रहे समग्र प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान मौके पर स्थानीय प्रबंधक सुभाष झा, और प्रोजेक्ट इंचार्ज ज्ञानेंद्र जी सहित टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन

कुशीनगर, अमृत विचार : जिलाधिकारी महेंद्र सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा मार्गदर्शन में शुक्रवार को तहसील प्रशासन स्वास्थ्य विभाग, सहित फायर बिग्रेड की टीम द्वारा हाटा लहसील, कसया के सपहा सीएचसी में अग्नि सुरक्षा, पडरौना तहसील अंतर्गत हनुमान इंटर मीडिएट कॉलेज, में भूकंप सुरक्षा, तमकुहीराज तहसील अंतर्गत द यूनाइटेड प्रोविजेज शुगर कंपनी लिमिटेड सेवरही में अग्नि सुरक्षा, एवं कप्तानगंज तहसील में तहसील परिसर में आपदा से निपटने हेतु अग्नि सुरक्षा का मॉक ड्रिल किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करना, राहत एवं बचाव कार्यों की दक्षता को परखना तथा नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संचार करना था।

साफ-सफाई व कूड़ा निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

जिलाधिकारी ने नगर निकायों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

योजनाओं समेत कई अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा करते डीएम डॉ. राजागणपति आर.।

अमृत विचारः जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की अध्यक्षता में नगर निकायों और डूडा से संबंधित कार्यों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सिद्धार्थ सभागार में किया गया। बैठक में जिले के समस्त अधिशासी अधिकारियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान नगर विकास से जुड़ी योजनाओं, सफाई व्यवस्था, शौचालय, स्ट्रीट लाइट, स्कूल मरम्मत, सड़क मरम्मत, आवास योजनाओं समेत कई अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि नगर निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

नगर पालिका द्वारा जिन विद्यालयों में मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराना होगा। जिलाधिकारी ने इस कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और इसकी निगरानी करने के भी निर्देश दिए। सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों को क्रियाशील बनाए रखने का निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि इनके कार्यशील होने का फोटोग्राफ और प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। इसी प्रकार जो स्ट्रीट लाइट खराब हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जब तक सभी निर्देशों का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया जाएगा, तब तक संबंधित अधिशासी अधिकारी का वेतन रोक दिया जाएगा।

बिना नक्शा पास किए नहीं होगा भवन निर्माण

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बिना नक्शा पास कराए भवन का निर्माण नहीं होगा। उन्होंने सभी ईओ को इस पर सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। नवगठित नगर पंचायतों में हाउस टैक्स, जल कर टैक्स की वसूली सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नगर विकास योजना, पोखरों का सौंदर्यीकरण, जल निकासी योजना आदि की भी गहन समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कर जियो टैग कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर उन्हें आवास आवंटित किए जाएं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लक्ष्य के अनुसार प्रगति लाने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन्हें समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर ढिलाई या मानकों की अनदेखी नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एडीएम गौरव श्रीवास्तव, परियोजना अधिकारी डूडा, समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर निकायों के कर्मचारी व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सड़कों को गड्ढा मुक्त, वॉटर एटीएम सुधारें

नगर पालिका और नगर पंचायतों की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने का निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जो वॉटर एटीएम खराब हैं, उन्हें जल्द ठीक किया जाए ताकि जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

छुट्टा गोवंश के लिए चलाएं विशेष अभियान : छुट्टा गोवंश को सड़कों से हटाकर गोशालाओं में संरक्षित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रों में कोई भी गोवंश सड़कों पर घूमता न दिखाई दे।

सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों में तेजी लाएं : जिलाधिकारी ने बांसी नगर पालिका क्षेत्र में स्थित रामलीला मैदान में बाउंड्री वॉल निर्माण और शीतलगंज पोखरे का सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर बाला पेंटिंग कराए जाने को भी प्राथमिकता में रखने के दिए निर्देश।

व्यापारियों ने असुरक्षा को लेकर एसडीएम को दिया ज्ञापन

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : नगर पंचायत शोहरतगढ़ सहित आस-पास के गांवों सहित हर तरफ चोरी के डर से लोग रात को एक टोली बनाकर पहरा दे रहे हैं। पूरी रात चोर चोर व जागते रहो के शोर से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। उप्र उद्योग व्यापार मण्डल नगर अध्यक्ष आनन्द कसौधन की अगुवाई में शुक्रवार को उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा व तहसीलदार अजय कुमार को राधा कृष्णा का फोटो फ्रेम देकर स्वागत एवं सम्मान किया। इस साथ ही व्यापार संगठन नगर अध्यक्ष आनन्द कसौधन ने एसडीएम को एक ज्ञापन देकर रात में पुलिस का पहरा सख्त करने की मांग की है।

बाढ़ के पानी से चारों ओर से घिरा मकान। अमृत विचार

जिले की अधिकांश नदियां खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचारः जनपद सिद्धार्थनगर एक बार फिर भीषण बाढ़ की चपेट में आता नजर आ रहा है। विगत कई दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जिले में हालात बिगाड़ दिए हैं। बाढ़ इस जनपद की पुरानी समस्या रही है, लेकिन इस बार स्थिति और भी चिंताजनक होती जा रही है। नेपाल की पहाड़ियों पर हो रही अनवरत वर्षा के कारण जिले की सभी प्रमुख नदियों और पहाड़ी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। विशेषकर बुढ़ी राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर चुकी है। शुक्रवार सुबह ककरही पुल के पास नदी ने चेतावनी स्तर को लांघ दिया, जिससे स्थानीय प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। जमुआर नाल जो जनपद मुख्यालय के किनारे बहता है, उसका जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही मुंहचोरवा घाट पर बाढ़ का पानी चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिससे आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बन गया है।

प्रशिक्षण के चौथे दिन शिक्षकों ने समूह कार्य आधारित गतिविधियों में लिया हिस्सा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचारः ब्लॉक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ में प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के चल रहे दूसरे चरण के पांच दिवसीय प्रशिक्षण के चौथे दिन शुक्रवार को शिक्षकों ने समूह कार्य आधारित गतिविधियों में हिस्सा लिया। निपुण भारत मिशन के तहत संचालित फाउण्डेशनल व लिटरेसी एण्ड न्यूमैरेसी (एफएलएन) बुनियादी साक्षरता एवं संख्यानात्मक ज्ञान प्रशिक्षण में शिक्षक प्राथमिक स्तर के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उन्हें भाषा व गणित में निपुण बनाने की सीख हासिल कर रहे हैं। बच्चों को भाषा व गणित में निपुण बनाने के विभिन्न आयामों की सीख प्रशिक्षण के माध्यम से सौ शिक्षकों को दो अलग-अलग कमरे में दी जा रही है। प्रशिक्षण के चौथे दिन प्रशिक्षक आनन्द प्रकाश गौड़, रॉबिन, प्रवीण कुमार यादव व सत्येन्द्र कुमार, मनोज यादव ने प्रतिभागी शिक्षकों के बीच समूह कार्य आधारित गतिविधियों को कराते हुए भाषा व गणित के विभिन्न पहलुओं को आसान विधि से कक्षा शिक्षण का तरीका बताया। आकलन का तरीका, निपुण तालिका, डायरी भरने, ट्रैकर व निपुण सूची, दक्षताओं की जानकारी साझा की गयी। बीइओ संजय कुमार ने कहा कि बच्चों को भाषा विभिन्न कौशलों के विकास के साथ-साथ व संख्यात्मक ज्ञान को विकसित करने के लिए खेल-खेल और गतिविधि आधारित शिक्षा के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। विभिन्न गतिविधियों और पढ़ने लिखने के कौशल के साथ-साथ पियर लर्निंग, प्रिन्ट रिच सामग्री व टीएलएम का सही ढंग से उपयोग का तरीका बताया जा रहा है।

तहसीलों में आपदा से निपटने को मॉक ड्रिल

अग्नि सुरक्षा से संबंधित मॉक ड्रिल करता जवान। अमृत विचार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचारः जनपद के समस्त तहसीलों में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करना, राहत एवं बचाव कार्यों की दक्षता को परखना तथा नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संचार करना था। राजस्व विभाग, पुलिस, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निकाय, लोक निर्माण विभाग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अभ्यास के दौरान विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों का अनुकरण कर यह आकलन किया गया कि किस प्रकार त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सकती है। कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाने, प्राथमिक उपचार प्रदान करने तथा अग्नि नियंत्रण की प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया गया। तहसील स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे उनकी आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता में वृद्धि हो सके। एडीएम इंसीडेन्ट कमान्डर गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में सभी संबंधित विभागों को पूर्व से सतर्क रहने एवं समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। राजस्व अधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एवं सेना के अधिकारियों व जवानों द्वारा विभिन्न स्थलों पर डेमो प्रस्तुत किए गए भूकम्प, समय 10:03 मिनट पर आये भूकम्प की सूचना पर स्टेजिंग एरिया में सभी सम्बन्धित को उपस्थित होने के लिए वायरलेस/ हैमरेडियो वॉकी-टॉकी के माध्यम से सूचना प्रदान दी गई।

सीएम योगी के जीवन पर बनी फिल्म अजेय रिलीज

गोरखपुर, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म अजेय पूरे भारत में रिलीज हो चुकी है। शुक्रवार को गोरखपुर के विभिन्न सिनेमा घरों में बड़ी संख्या में दर्शक फिल्म देखने पहुंचे और अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। फिल्म में योगी आदित्यनाथ के बचपन से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक का सफर दिखाया गया है। दर्शकों ने कहा कि एक बालक अपने परिवार, माता-पिता और जीवन की सभी सुविधाओं का त्याग कर गोरखपुर मठ में दीक्षा लेता है और जीवनभर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए देश और धर्म की सेवा का संकल्प निभाता है, यह फिल्म में भावनात्मक अंदाज में दिखाया गया है। लोगों का कहना था कि फिल्म में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को साफसुथरे और निष्पक्ष रूप में प्रस्तुत किया गया है। वास्तविक जीवन में उन पर कट्टरवाद और हिंदुत्व समर्थक होने के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन फिल्म में उन्हें संत और सेवक की छवि में पेश किया गया है। दर्शकों ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन को महज तीन घंटे की फिल्म में समेट पाना आसान नहीं है।

तीन दिवसीय आंगनबाड़ी प्रशिक्षण पूरा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : शोहरतगढ़. एवं बढ़नी ब्लॉक की बाल विकास परियोजना कार्यालय में आयोजित पोषण भी, पढ़ाई भी विषयक तीन दिवसीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण की विशेषता रही कि इसमें रॉकेट लर्निंग से आई हुई मुख्य प्रशिक्षिका अमृता त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं को न केवल सैद्धान्तिक जानकारी दी, बल्कि डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से पोषणयुक्त भोजन तैयार करने के आसान और व्यवहारिक तरीके भी समझाए। उन्होंने दिखाया कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से बच्चों को संतुलित आहार कैसे दिया जा सकता है। शिक्षा विभाग से प्रशिक्षक उमेश कुमार गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से कहा कि "आंगनबाड़ी केंद्र केवल भोजन वितरण का स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहां यदि पोषण और शिक्षा का समन्वय हो जाए, तो आने वाली पीढ़ी और मजबूत होगी।

रानी गणेश कुंवरि पी. जी. कालेज जामों – अमेठी (उ. प्र.)

आवश्यकता

शिक्षक–प्रशिक्षण संकाय (बी.एड.) पाठ्यक्रम हेतु विभागाध्यक्ष – 1 पद, प्रवक्ता –16 पद एवं स्नातक स्तर पर बी. एससी. (कृषि) पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता –09 पद, एवं परास्नातक स्तर पर कला संकाय (एम. ए.) पाठ्यक्रम हेतु भूगोल – 02 पद एवं स्नातक स्तर पर कला संकाय (बी.ए.) पाठ्यक्रम क्रम में हिन्दी – 01 पद प्रवक्ताओं की।

योग्यता स्वं वेतनमान – यू. जी. सी., एन. सी. टी. ई. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार ।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 07 दिवसों के अन्दर अपने अभिलेखों की छायाप्रति के साथ महाविद्यालय के पते पर संपर्क स्थापित करें।

मोबाइल नं: 9450707521

कार्यालयः नगर निगम अयोध्या, जोन अयोध्या धाम

पत्रांक : 476/न0नि0अयो0जो0अयो0/2025–26 दिनांक: 19.09.2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम अयोध्या के कर अनुभाग में नामान्तरण के लिए निम्नलिखित भवनों के सम्बन्ध में आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। इन भवनों पर पूर्व में दर्ज भवन स्वामी हितबद्ध को सूचित किया जाता है कि इस नामान्तरण पर यदि किसी को आपत्ति हो तो अपने प्रमाणित साक्ष्य के साथ प्रकाशित तिथि से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा की स्थिति में नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा, जिसका विवरण निम्नवत है:–

क्र0सं0	भवन संख्या	पूर्व मे दर्ज नाम	दर्ज होने वाले नाम	दर्ज आधार
			वार्ड–वृहस्पतिकुण्ड	
1	8/2/74	जमुना देवी मथुरा प्रसाद	ज्योति उपाध्याय पुत्री रामसुन्दर उपाध्याय	रजि0 दानपत्र
2	8/5/58	सीताराम श्री माधव प्रसाद	अमृत लाल, सूरज लाल, नन्दलाल पुत्रगण स्व0 सीताराम	वरासतन
			वार्ड–विभीषण कुण्ड	
3	13/4/46	मं0 बृजमोहन दास चे0 मं0 सीताराम दास, सीताराम कीर्तन भवन	रामेश्वर दास चे0 बृजमोहन दास	रजि0 तकर्रूर सरवरहाकारी
			वार्ड–देवकाली	
4	15/1/14AN	निर्मला देवी पत्नी रघुवीर शरण	विजय वैश्य पुत्र रघुवीर शरण	रजि0 वसीयत
5	15/4/13AB	कान्ती देवी पत्नी मेवालाल	सत्य नारायण केसरवानी पुत्र ओम नारायण केसरवानी	रजि0 बैनामा
			वार्ड–हनुमानकुण्ड	
6	43/5/33	कृष्णचन्द्र गुप्ता पुत्र अमीर चन्द्र गुप्ता	राजेश्वरी गुप्ता आदि	वरासतन
			वार्ड–स्वर्गद्वार	
7	55/4/54	श्री वृन्दावन पुत्र जमुना प्रसाद	विनोद कुमार मिश्रा पुत्र स्व0 वृन्दावन मिश्रा	वरासतन

कर अधीक्षक
नगर निगम अयोध्या

जोनल अधिकारी
नगर निगम अयोध्या

कार्यालय – खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर, जनपद– अम्बेडकरनगर

पत्रांक: एस0एस0ए0 /512–21 दिनांक: 18–09–2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अम्बेडकरनगर के पत्रांकः एस0एस0ए0/5387–91/ 2025–26 दिनांक 11.09.2025 व प्रमुख सचिव, उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या– 322/68–5– 2022– 178– 2021 बेसिक शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊ दिनांक 02 मार्च 2022 एवं अपर मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या– 855/68–5–2020 /बेसिक शिक्षा अनुभाग– 5 लखनऊ दिनांक 03.09.2020 के अनुपालन में परिषदीय विद्यालयों के परिसरों में जीर्ण–शीर्ण भवनों के नीलामी एवं ध्वस्तीकरण कराये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसके क्रम में तकनीकी समिति द्वारा 19 जर्जर भवनों को मूल्याकन रिपोर्ट उपलब्ध कराया गया है। ततक्रम में जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिनांक 10.09.2025 को जर्जर भवनों को नीलामी एवं ध्वस्तीकरण कराये जाने का अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

उक्त के क्रम में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण/ नीलामी सम्बन्धित समिति/ उनके प्रतिनिधि के समक्ष की जायेगी। बाली बोलने के इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ संस्था निर्धारित तिथि व समय स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी/ बोली की तिथि समय निम्नवत् है–

क्रम सं0	विद्यालय का नाम एवं स्थान	भवन/कक्षा–कक्ष	नीलामी की तिथि व समय
1	प्रा0वि0 हाजीपुर खास	प्रा0वि0 भवन	24.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
2	प्रा0वि0 अशरफपुर भुआ	प्रा0वि0 भवन	24.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
3	प्रा0वि0 रूधौली अदाई	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	24.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
4	प्रा0वि0 नगपुर द्वितीय	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	25.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
5	प्रा0वि0 नत्थूपुर लौधना	प्रा0वि0 भवन	25.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
6	प्रा0वि0 जलालपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	25.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
7	कम्पो0उ0प्रा0वि0 भाऊकुआं	प्रा0वि0 भवन	26.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
8	प्रा0वि0 रामपुर चाडीहां	प्रा0वि0 भवन	26.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
9	कम्पो0उ0प्रा0वि0 भस्मा	प्रा0वि0 भवन	26.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
10	प्रा0वि0 रूकुनपुर कासिमपुर	प्रा0वि0 भवन	27.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
11	प्रा0वि0 सोहगूपुर	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	27.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
12	प्रा0वि0 अरई	प्रा0वि0 भवन	27.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
13	कम्पो0उ0प्रा0वि0 बसिया	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	29.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
14	कम्पो0उ0प्रा0वि0 सोनगांव	प्रा0वि0 भवन	29.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
15	प्रा0वि0 सुरहुरपुर द्वितीय	प्रा0वि0 भवन	29.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
16	कम्पो0उ0प्रा0वि0 दुधई	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	30.09.2025 समय 09:30 बजे प्रातः
17	प्रा0वि0 पटौहा गानेपुर	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	30.09.2025 समय 11:30 बजे प्रातः
18	प्रा0वि0 नेमपुर	प्रा0वि0 भवन	30.09.2025 समय 01:30 बजे अपराह्न
19	प्रा0वि0 सुरहुरपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	03.10.2025 समय 09:30 बजे प्रातः

नीलामी की शर्ते–

1. बोली दाता को अन्तिम बोली की कुल धनराशि नीलामी की स्वीकृति की तिथि के तुरन्त बाद उपरोक्त विद्यालय के नाम बैंक ड्राफ्ट/ चेक के माध्यम से विद्यालय के खाते में जमा करना होगा।
2. नीलामी में भाग लेने से पूर्व बोली दाता से अपेक्षा की जाती है कि बोली से पूर्व कार्य स्थल/ भवन/ अतिरिक्त कक्षा–कक्ष का पूर्ण रूप से निरीक्षण कर लें।
3. भवन में मूल्यांकित मूल्य से कम पर कोई बोली स्वीकार नहीं होगी।
4. बोली दाता को नीलामी स्वीकृत की तिथि से तीन दिवस के भीतर कार्य स्थल से मलबा को साफ करना अनिवार्य होगा।
5. किसी भी बोली अथवा नीलामी को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
6. नीलामी में भाग लेने से पूर्व उक्त निर्धारित तिथि समय व स्थान पर बोली दाता को जमानत राशि के रूप में रू. 5000 (पांच हजार मात्र) एन0एस0सी0 या बैंक के माध्यम से डी0डी0/एफ0डी0आर0 के रूप में विद्यालय के नाम बन्धक को जमा करना अनिवार्य होगा। जमानत राशि के अभाव में बोली दाता नीलामी में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होगा।

(मीनाक्षी सिंह)
खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर, अम्बेडकरनगर

तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं।
-भगवद् गीता

निवेश और आत्मनिर्भरता

भारत की अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उद्योगों में निवेश और क्षमता विस्तार का प्रश्न केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और युवाओं के भविष्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह कहना बिल्कुल प्रासंगिक है कि अब उद्योग जगत को और अधिक निवेश करना चाहिए तथा उत्पादन क्षमता का विस्तार करना चाहिए। सरकार की नीतियों ने उद्योगों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है और अब यह उद्योग जगत की जिम्मेदारी है कि वे इसका उपयोग कर देश के आर्थिक विकास में तेजी लाएं। सरकार लगातार उद्योग और व्यापार जगत से संवाद कर रही है। भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान जैसे संस्थान उद्योगों को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि युवाओं को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दे रहे हैं। यह प्रयास उल्लेखनीय है, क्योंकि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसका युवा वर्ग है। यदि उद्योग इन युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार देंगे, तो यह न केवल कंपनियों की उत्पादकता बढ़ाएगा बल्कि देश की समग्र प्रगति में भी योगदान देगा।

वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि उद्योग केवल सरकार से अपेक्षाएं न रखें, बल्कि साझेदारी की भावना से आगे आएं। जब प्रधानमंत्री स्वयं समय-समय पर सुधारों के लिए ठोस कदम उठाते रहे हैं, तो यह अपेक्षित है कि उद्योग जगत भी अपने निवेश और जोखिम लेने की क्षमता को मजबूत बनाए। केवल बजट भाषण या घोषणाओं तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को आगे बढ़ने के लिए निरंतर निवेश और नई तकनीक अपनानी होगी। जीएसटी सुधारों के माध्यम से कर संरचना को सरल और पारदर्शी बनाने का प्रयास पहले ही किया जा चुका है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस प्रणाली से अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ रुपये तक का लाभ संभावित है। उद्योगों के लिए यह अवसर है कि वे इस सरलीकृत कर प्रणाली का लाभ उठाएं और अपने व्यापार विस्तार में इसे सहायक बनाएं। हालांकि अभी 'एकल दर वाली प्रणाली' लागू होने में समय लगेगा, लेकिन यह दिशा सही है और उद्योगों को भी दीर्घकालिक दृष्टि से इसकी तैयारी करनी चाहिए।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि उद्योग निवेश करने में संकोच न दिखाएं। भारतीय अर्थव्यवस्था एक ऐसे मुकाम पर है, जहां घरेलू मांग, युवा श्रमशक्ति और सरकारी नीतियों का त्रिकोण अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रहा है। यदि इस अवसर का सही उपयोग हुआ तो भारत अगले दशक में न केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा बल्कि वैश्विक विनिर्माण और सेवाओं का भी केंद्र बन सकता है। उद्योगों को चाहिए कि वे पारंपरिक लाभ-हानि के गणित से ऊपर उठकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाएं। नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, और कौशल निर्माण पर निवेश को केवल खर्च न मानकर भविष्य की नींव के रूप में देखा जाए। साथ ही, सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे और साझेदारी की भावना को और गहरा करने की आवश्यकता है। संक्षेप में कहा जाए तो आज भारत के लिए यह समय निर्णायक है।

प्रसंगवश

पुरातन आलेख सहेजने की मुहिम है ज्ञान भारतम्

संस्कृति मंत्रालय ने 'ज्ञान भारतम्' नामक एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय पहल शुरू की है, जो भारत की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार के लिए समर्पित है। अब प्रश्न उठता है कि ज्ञान भारतम् मिशन के मायने क्या हैं? आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी? पिछले दिनों नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में 11 से 13 सितंबर तक 'पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुनः प्राप्त करने' पर पहला 'ज्ञान भारतम्' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत और विदेश के विद्वानों, विशेषज्ञों, संस्थानों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं सहित 1,100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भारत की पांडुलिपि संपदा के संरक्षण, डिजिटलीकरण और इसे दुनिया के साथ साझा करने के लिए चर्चा, विचार-विमर्श किया। तीन दिनों तक चले इस सम्मेलन में 12 सितंबर को प्रधानमंत्री ने भी भाग लिया।

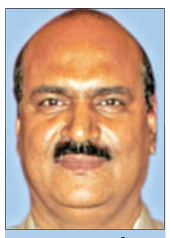

एसएन वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

इस राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हुई थी, उस समय कुछ सूचीकरण और पहचान का काम जरूर हुआ था, लेकिन बाद के वर्षों में यह प्रयास ठप्प पड़ गए। जैसा कि बताया जा रहा है कि यह पहल भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा में नई जान डालने का एक प्रयास है। 'श्रुति' और 'स्मृति' के बाद लिखित रूप में संरक्षित ज्ञान को अब भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'ज्ञान भारतम् मिशन' के माध्यम से पुनर्जीवित किया जा रहा है।

पांडुलिपियों का संरक्षण, प्रकाशन और उपयोग तभी सार्थक होगा, जब वे आम लोगों से जुड़ेंगे। इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए विद्वानों और विशेषज्ञों के प्रयासों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की भी आवश्यकता है। आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के माध्यम से पांडुलिपियों को संरक्षित करना, प्रकाशित करना और सुलभ बनाना है, ताकि प्रत्येक भारतीय अपने पूर्वजों की इस बौद्धिक संपदा पर गर्व कर सके। जब तक यह ज्ञान आम लोगों की व्यावहारिक उपयोगिता से नहीं जुड़ेगा, तब तक यह अभियान अधूरा ही माना जाएगा। भारत की पांडुलिपियों में मानवता की संपूर्ण विकास यात्रा के पदचिह्न समाहित हैं। वे केवल राजवंशों के अभिलेख नहीं हैं, बल्कि उन विचारों, आदर्शों और मूल्यों के भंडार हैं, जिन्होंने सभ्यता को आकार दिया है।

देश के इस पहला ज्ञान भारतम् अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में औपचारिक दिल्ली घोषणा पत्र (ज्ञान भारतम् संकल्प पत्र) पढ़ा गया। घोषणापत्र में भारत को विश्व की सबसे समृद्ध पांडुलिपि परंपराओं की भूमि बताया गया तथा विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में इस विशाल खजाने को संरक्षित करने, डिजिटल बनाने और प्रसारित करने का संकल्प लिया गया, लेकिन जब लोग अपनी सभ्यतागत संपदा को जानेंगे, पहचानेंगे और उससे जुड़ेंगे तभी उनमें सच्चा गौरव उत्पन्न होगा और यह तभी संभव है, जब ज्ञान भारत मिशन डिजिटलीकरण, अनुवाद और तकनीकी नवाचार के माध्यम से पांडुलिपियों को पुनर्जीवित करके इसे आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दे।

हजारों वर्ष पहले, हमारे ऋषियों और मनीषियों ने अपने विचार-विमर्श, अनुभवों और अनुभूतियों के माध्यम से ऐसे ग्रंथों की रचना की जो आज भी विश्व के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने कि वे रचना के समय थे। ये ग्रंथ, सहस्राब्दियों बाद भी, मानवता, पर्यावरण और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत, दस मिलियन से अधिक पांडुलिपियों के साथ, शायद शास्त्रीय और स्थानीय परंपराओं का सबसे समृद्ध भंडार रखता है।

नेपाल की जेन ज़ी क्रांति के मायने और भविष्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

अगर क्रांति का मतलब अचानक होने वाला व्यापक परिवर्तन है तो नेपाल में ओली सरकार के पतन के साथ जेन-जी क्रांति हो चुकी है। गोलीबारी में बीस युवा मारे गए, प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया, संसद और सुप्रीम कोर्ट समेत कई प्रमुख ऐतिहासिक इमारतें जला दी गईं, बाजार लूटे गए, हजारों कैदी जेलों से भाग निकले और अब एक ईमानदार छवि वाली महिला को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है, जिन्हें अगले साल मार्च में चुनाव कराने हैं। यह अब से चुनाव के बीच के समय में नेपाल के राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर निर्भर करता है कि जैसी सरकार गिरी है वैसी ही एक और खिचड़ी सरकार बनेगी, राजशाही की वापसी होगी, नेपाल फिर से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा या कुछ और होगा। अभी पूरी तरह भ्रम और अनिश्चितता का माहौल है।

अगर क्रांति का मतलब आमूलचूल बदलाव और पिछली से बेहतर व्यवस्था का निर्माण है तो नेपाल में कोई क्रांति नहीं हुई है। जो राजनीतिक दल सत्ता में थे उनके नेताओं और नौकरशाहों के व्यापक भ्रष्टाचार से युवा नाराज थे, बेरोजगारी बहुत बढ़ गई थी और सत्ताधारी नेताओं-अफसरों की औलादों की सोशल मीडिया के जरिए सामने आने वाली विलासितापूर्ण जीवन शैली उन्हें कुंठित कर रही थी। इस गुस्से का किसी को अंदाजा नहीं था।

आठ सितंबर को जब भारी तादाद में जेन-जी के बैनरों-पोस्टरों के साथ युवा सड़कों पर उतर आए तो गिने-चुने सरकार विरोधी समूहों ने उनका इस्तेमाल कर विरोध को अपने स्वार्थों की दिशाओं में मोड़ने की कोशिश की, जिसके नतीजे में हिंसा और आगजनी हुई। बीस नौजवान मारे गए और ऐसी अराजक स्थिति बनी, जिसमें अचानक सेना केंद्रीय भूमिका में आ गई और नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था और भविष्य तय करने लगी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध से नाराज जेन-जी के चेहरे का इस्तेमाल किया गया। जेन-जी आपात स्थिति में सेनाध्यक्ष से बातचीत के लिए अपने प्रतिनिधि तक नहीं तय कर पाई। अब तक उनकी कोई पार्टी, संगठन या फोरम सामने नहीं आया है, जिसके सामने नेपाल के पिछले से भिन्न राजनीतिक भविष्य का खाका हो और वह उस दिशा में दो कदम चलने की तैयारी रखता हो।

> क्या नेपाल में एक और खिचड़ी सरकार बनेगी, राजशाही की वापसी होगी, नेपाल फिर से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा या कुछ और होगा। अभी पूरी तरह भ्रम और अनिश्चितता का माहौल है।

यह समझ से परे है कि किसी आंदोलन के पहले ही दिन कोई सरकार गोली चलवा कर इतने युवाओं को क्यों मरवा देगी? अगर इन युवाओं को सरकार बातचीत की मेज तक ले आती, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का निर्णय टाल दिया जाता या वापस ले लिया जाता तो क्या वे वापस लौट गए होते! क्या पहले ही दिन उन पर गोली चलाने का काम अतिवादी फैसला सुनियोजित था, ताकि उनके विध्वंसक आक्रोश का डर दिखाकर ओली को इस्तीफे के लिए आनन-फानन में बाध्य किया जा सके। इस तरह के विचारों को अगले दिन और अधिक बल मिला, जब उपद्रव करने वालों को संसद और सुप्रीम कोर्ट समेत पूरे नेपाल में कहीं भी किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। जेलों से भागने वाले कैदियों को भी रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

लोगों को सबसे अधिक हैरानी तब हुई, जब राष्ट्रपति के पद पर होते हुए नेपाली सेना के प्रमुख अशोकराज सिग्देल कुछ नेताओं को बुलाकर नेपाल को इस संकट से निकालने और नई राज्य व्यवस्था के उपायों पर चर्चा करने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुई दुर्गा प्रसाई की तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसके साथ कहा गया था कि अगर मेयर बालेन और न्यायविद् सुशीला कार्की राजी नहीं होते, तो वह अंतरिम सरकार बनाने का दायित्व उठाने को तैयार हैं।

दुर्गा प्रसाई नेपाल में पुनः राजशाही स्थापित करने की मांग करने वाले एक आंदोलन के कमांडर हैं, जिन्होंने इसी साल एक हिंसक प्रदर्शन आयोजित किया था, जिसमें एक टीवी पत्रकार समेत दो लोगों की जान चली गई। पुलिस कर्मियों समेत सैकड़ा से ऊपर लोग घायल हुए थे और एक दिन का कर्फ्यू लगाना पड़ा था। राजा समर्थक प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार किया गया। प्रसाई को एक पखवारे बाद भारत के आसाम से पकड़ कर नेपाल लाया गया। नवंबर 2006 में माओवादियों के सशस्त्र विद्रोह के बाद राजशाही खत्म हो गई थी, लेकिन नई व्यवस्था से भी लोग संतुष्ट नहीं हैं। पिछले पांच साल से पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के समर्थक राजशाही और परंपरागत हिंदू राष्ट्र की वापसी के लिए आंदोलनों के जरिए प्रयास कर रहे हैं।

बीते दस दिनों के घटनाक्रम को देखते हुए यह स्पष्ट होने लगा है कि जेन-जी का मुखौटा था लेकिन सेना, राजावादियों और अन्य सरकार विरोधी समूहों की भूमिका थी, लेकिन ये भूमिकाएं लंबी योजना का नतीजा थीं या तात्कालिक परिस्थितियों का या ठीक-ठीक क्या थीं, जब तक इनकी तफसील सामने नहीं आतीं तब तक हालिया नेपाली क्रांति का उचित मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। नेपाल में पहले भी राणाशाही और राजशाही के खिलाफ कई क्रांतियां हो चुकी हैं। हर बार चेहरे बदलते हैं, मगर व्यवस्था कमोबेश वही रहती है।

सबसे अधिक उम्मीद माओवादियों की सफल क्रांति के बाद 2008 में अस्तित्व में आए लोकतांत्रिक सेक्युलर नेपाल ने पैदा की थी, लेकिन नए निजाम ने देश का संविधान बनाने में सात साल लगा दिए और इस बीच जितनी सरकारें बनीं, हर बार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और जनता के गुस्से में बढ़ोत्तरी होती गई। नेपाली कांग्रेस के साथ-साथ माओवादी आंदोलन से निकली दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों यूएमएल और माओवादी के नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। नेपाल के लिए यह जाड़ा बहुत महत्वपूर्ण है। अगले कुछ महीनों में होने वाली राजनीति से साफ हो जाएगा कि नेपाल में लोकतंत्र बचेगा या सेना और राजा का युग लौट आएगा या कोई और कहानी शुरू होने वाली है!

आमने

हमारी विदेश नीति में सबसे पहले आपको अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। क्या हम सच में अपने पड़ोसियों के साथ संबंध बेहतर कर सकते हैं। मैं पाकिस्तान गया हूं। वहां मुझे घर जैसा लगा। मैं बांग्लादेश, नेपाल भी गया हूं। वहां भी मुझे घर जैसा लगा। **-सैम पित्रोदा**, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख

सामने

राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का चहेता, कांग्रेस का चुना हुआ! **-प्रदीप भंडारी** भाजपा के प्रवक्ता

सरकारी नौकरी की चाहत और युवा मानसिकता

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में हाल ही में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) के 53 हजार 749 पदों पर भर्ती के लिए जो आवेदन आए, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन पदों के लिए कुल 24 लाख 75 हजार बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया है। इस भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदकों में से करीब 75 प्रतिशत अभ्यर्थी दसवीं पास से कहीं ज्यादा शिक्षित हैं। यानी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातक से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाले युवा भी अब चपरासी बनने की कतार में खड़े हैं।

यह तस्वीर केवल राजस्थान की नहीं, बल्कि पूरे देश में बेरोजगारी का यही स्वरूप दिखाई देता है। जब लाखों पढ़े-लिखे युवा एक मामूली चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर हमारी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार नीति और सामाजिक सोच युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है? हमारे समाज में सरकारी नौकरी को अब भी सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक कॅरियर माना जाता है।

अब तो कन्या पक्ष विवाह के लिए भी सरकारी नौकरी वाले लडके को ही तरजीह देता है। स्थायी वेतन, पेंशन जैसी सुविधाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा युवाओं को इस ओर आकर्षित करती हैं, लेकिन आज चपरासी बनने के लिए भी जिस हद तक भीड़ उमड़ रही है, उससे जाहिर है कि सरकारी नौकरी के प्रति मोह एक जुनून बन चुका है। युवा वर्ग स्वरोजगार, निजी क्षेत्र या पैतृक व्यवसाय के बजाय सरकारी नौकरी पाने के लिए वर्षों तक परीक्षाओं की तैयारी में अपनी ऊर्जा खर्च कर रहा है।

> चपरासी के 54 हजार पदों पर भर्ती के लिए 25 लाख युवाओं के आवेदन आए हैं। सरकारी नौकरी के लिए इतनी सारी अर्जियां कई सवाल खड़े करती हैं।

खेती की ओर तो अब किसान पुत्र भी नहीं झांक रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि लाखों युवा न तो समय पर रोजगार पा रहे हैं और न ही क्षमता का सही उपयोग कर पा रहे हैं। कई बार योग्यताओं के असंतुलन के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है। जब एक एमबीए या बीटेक छात्र चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करता है, तो वह केवल खुद को ही नहीं बल्कि एक वास्तविक दसवीं पास बेरोजगार को भी प्रतिस्पर्धा से बाहर कर देता है।

राजस्थान में चपरासी भर्ती के लिए उच्च शिक्षित युवाओं की भीड़ उमड़ने से एक और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि क्या हमारी शिक्षा युवाओं को वास्तव में रोजगार दिलाने लायक बना रही है? अगर लाखों स्नातक और स्नातकोत्तर केवल चपरासी बनने की चाह रखते हैं तो इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी नहीं रही। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों को ऐसा कौशल और आत्म विश्वास देना चाहिए कि वे अपने दम पर रोजगार खड़ा कर सकें।

दुर्भाग्य से आज अधिकांश युवा डिग्रीधारी तो हैं, लेकिन कौशलहीन हैं। इसी वजह से वे निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते और अंततः सरकारी नौकरी की दौड़ में लग जाते हैं। सरकार ने कौशल भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए कौशल विकास पर जोर तो दिया है, लेकिन उसकी पहुंच और असर अब भी सीमित है। आईटी, कृषि, निर्माण, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं, लेकिन वहां प्रशिक्षित और दक्ष लोगों की कमी बनी हुई है। आज जब स्टार्टअप संस्कृति पूरे देश में फैल रही है पर हमारे ग्रामीण और कस्बाई इलाकों के लाखों युवा इससे वंचित हैं। बड़ा सवाल है कि इस समस्या का समाधान क्या है? इसके लिए काफी कुछ करने की जरूरत है। अगर उच्च शिक्षा के साथ युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाए तो वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि स्वरोजगार और उद्यमिता की राह भी चुन सकेंगे। सरकार की रोजगार नीतियों को व्यावहारिक बनाना होगा। समाज को भी सरकारी नौकरी की मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है। हर जिले में उच्च स्तरीय कौशल केंद्र विकसित कर आईटी, कृषि, निर्माण, मशीनरी और सेवा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। सरकार छोटे उद्योग-व्यवसाय शुरू करने के लिए आसान ऋण, तकनीकी सहयोग और बाजार उपलब्ध कराए तो उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

सोशल फोरम

ये उन दिनों की बात है

दुनिया में जितना बदलाव हमारी पीढ़ी ने देखा है, वह न तो हमसे पहले किसी पीढ़ी ने देखा है और न ही हमारे बाद किसी पीढ़ी के देखने की संभावना लगती है। हम वह आखिरी पीढ़ी हैं, जिसने बैलगाड़ी से लेकर सुपर सोनिक जेट देखें हैं। बैरंग ख़त से लेकर लाइव चैटिंग तक देखा है और असंभव लगने वाली बहुत सी बातों को संभव होता देखा है। हम वो आखिरी पीढ़ी हैं, जिन्होंने कई-कई बार मिट्टी के घरों में बैठ कर परियों और राजाओं की कहानियां सुनीं। जमीन पर बैठ कर खाना खाया है। प्लेट में चाय पी है।

अजित सिंह
ब्लॉगर

हम वो आखिरी लोग हैं, जो मोहल्ले के बुजुर्गों को दूर से देख कर, नुक्कड़ से भाग कर, घर आ जाया करते थे और समाज के बड़े-बूढ़ों की इज्जत, डरने की हद तक करते थे। हम वो आखिरी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने चिमनी, लालटेन, बल्ब की पीली रोशनी में होम वर्क किया है और चादर के अंदर छिपा कर नावेल पढ़े हैं। हम उसी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने अपनों के लिए अपने जज्बात, खतों में आदान प्रदान किए हैं और उन खतों के पहुंचने और जवाब के वापस आने में महीनों तक इंतजार किया है। हम उस आखिरी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने कूलर, एसी या हीटर के बिना ही बचपन गुजारा है और बिजली के बिना भी गुजारा किया है। हम वो पीढ़ी हैं, जो अक्सर अपने छोटे बालों में, सरसों का ज्यादा तेल लगा कर, स्कूल और शादियों में जाया करते थे, जिन्होंने स्याही वाली दावात या पेन से कॉपी, किताबें, कपड़े और हाथ काले, नीले किए हैं। तख्ती पर सेठे की कलम से लिखा है और तख्ती घोटी है।

हम वो पीढ़ी हैं, जिन्होंने टीचर्स से मार खाई है और घर में शिकायत करने पर फिर मार खाई है। हम वह पीढ़ी हैं, जिन्होंने सोप की गोल डिबिया से साबुन लगाकर शेव बनाई है, जिन्होंने गुड़ की चाय पी है। काफी समय तक सुबह काला या लाल दंत मंजन या सफेद टूथ पाउडर इस्तेमाल किया है और कभी-कभी तो नमक से या लकड़ी के कोयले से दांत साफ किए हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

देश के एक अरब लोग कण प्रदूषण के शिकार

'द एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (एपिक)' की यह रिपोर्ट चिंतित करने वाली है कि भारत में 1.4 अरब आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां कण प्रदूषण का वार्षिक औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से आठ गुना अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारत के सबसे प्रदूषित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में कण सांद्रता के दिशा-निर्देशों के अनुरुप हो जाए तो 54.44 करोड़ लोगों अर्थात देश की 38.9 फीसदी आबादी की औसत जीवन प्रत्याशा पांच साल बढ़ सकती है। अगर पूरे भारत में कण प्रदूषण के स्तर को घटाकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के मुताबिक कर दिया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी और सबसे अधिक आबादी वाले शहर दिल्ली के निवासियों की औसत जीवन प्रत्याशा 8.2 साल तक बढ़ सकती है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

गौर करें तो इस तरह की रिपोर्ट कोई पहली बार उजागर नहीं हुई है, जब किसी संस्था द्वारा प्रदूषण से जिंदगी पर पड़ने वाले भयावह असर का जिक्र हुआ हो। गत वर्ष पहले इसी संस्था द्वारा ही खुलासा किया गया था कि बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों की जिंदगी घट रही है। गत वर्ष पहले हार्वर्ड और येल के अर्थशास्त्रियों ने भी खुलासा किया था कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शुमार है, जहां सबसे अधिक वायु प्रदूषण है। इस कारण यहां के लोगों को समय से तीन साल पहले काल के गाल में जाना पड़ रहा है। रिपोर्ट में सावधान करते हुए कहा गया था कि अगर भारत अपने वायु मानकों को पूरा करने के लिए इस आंकड़े को उलट देता है, यानी वायु प्रदूषण पर नियंत्रण कर लेता है, तो इससे 66 करोड़ लोगों के जीवन के 3.2 वर्ष बढ़ जाएंगे। इस रिपोर्ट में भी उल्लेख था कि भारत की आधी आबादी यानी 66 करोड़ लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं, जहां सूक्ष्म कण पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) प्रदूषण भारत के सुरक्षित मानकों से उपर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हो चुका है कि प्रदूषित हवा की चपेट में भारत में वर्ष 2016 में लगभग एक लाख मासूम बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। गौर करें तो यह आंकड़ा प्रतिवर्ष बढ़ता जा रहा है। गत वर्ष पहले यूनिवर्सिटी ऑफ कैरोलीना के विद्वान जैसन वेस्ट के अध्ययन में कहा गया था कि वायु प्रदूषण से सबसे अधिक मौत दक्षिण और पूर्व एशिया में होती है और उसमें भी भारत शीर्ष पर है। आंकड़ें बताते हैं कि हर साल मानव निर्मित वायु प्रदूषण से चार लाख 70 हजार और औद्योगिक इकाईयों से उत्पन्न प्रदूषण से 21 लाख लोग दम तोड़ते हैं। अगर जहर फैला रही इन औद्योगिक इकाईयों पर नियंत्रण लग जाए तो हालात सुधर सकते हैं। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'नेचर' द्वारा भी खुलासा किया जा चुका है कि अगर शीघ्र ही वायु की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो वर्ष 2050 तक प्रत्येक वर्ष 66 लाख लोगों की जानें जा सकती हैं।

यह रिपोर्ट जर्मनी के मैक्स प्लेंक इंस्टीट्यूट ऑफ केमेस्ट्री के प्रोफेसर जोहान लेलिवेल्ड और उनके शोध दल ने तैयार किया था, जिसमें प्रदूषण फैलने के दो प्रमुख कारण गिनाए गए। एक, पीएम 2.5एस विषाक्त कण और दूसरा वाहनों से निकलने वाली गैस नाइट्रोजन आक्साइड। रिपोर्ट में आगाह किया गया था कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण की समस्या विशेष तौर पर गहरा सकती है, क्योंकि इन देशों में खाना पकाने के लिए कच्चे ईंधन का इस्तेमाल होता है जो कि प्रदूषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इससे निपटने की तत्काल वैश्विक रणनीति तैयार नहीं की गई, तो भारत की बड़ी जनसंख्या वायु प्रदूषण की चपेट में आ सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

अमृत विचार
शब्द रंग

वैसे तो यात्राएं मैं बहुत करता हूं, लेकिन आज जिस यात्रा का जिक्र यहां करूंगा वो हर व्यक्ति से जुड़ी हुई होगी। शहर बनारस या फिर वाराणसी कहिए, लेकिन मैं अपनी काशी यात्रा के बारे में बताऊंगा। काशी जिसे मोक्ष की नगरी, शिव की स्थली और धर्म की राजधानी कहा जाता है। मेरे लिए केवल एक यात्रा नहीं, आत्मा से साक्षात्कार का निमंत्रण था, जब इस बार जब मैंने काशी की ओर रुख किया। वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते ही एक अजीब ऊर्जा ने मुझे घेर लिया। हवा में गंगा की नमी थी और कानों में शंखध्वनि की गूंज। मैंने निश्चय किया कि इस बार मैं केवल घाटों और विश्वनाथ मंदिर तक ही नहीं रुकूंगा, बल्कि उन जगहों की खोज करूंगा जो इतिहास के पन्नों में छिपी हैं।

शिवेंद्र सिंह बघेल
वायरल गुरु

कर्म, आस्था और अविनाशी विश्वास की धरती काशी

कर्दमेश्वर महादेव मंदिर

वाराणसी की भीड़भाड़ और गलियों के बीच एक ऐसा स्थान है, जहां पहुंचते ही मन में शांति उतर आती है– कर्दमेश्वर महादेव मंदिर। यह मंदिर काशी के उन प्राचीन और कम चर्चित शिवालयों में से एक है, जिनके बारे में आम पर्यटक तो क्या कई स्थानीय लोग भी कम जानते हैं।

मैं एक सुबह गंगा आरती के बाद घाटों से होते हुए कर्दमेश्वर की ओर निकला। बनारस की संकरी गलियों में पैदल चलते हुए, पान की दुकानों की खुशबू, मंदिरों की घंटियों की धुन और गंगा के तट की ठंडी हवा, सभी मिलकर यात्रा को अद्भुत बना रहे थे। रास्ते में एक बुजुर्ग पंडित जी मिले, जिनसे बात करते हुए पता चला कि कर्दमेश्वर महादेव का महत्व स्कंद पुराण में भी वर्णित है। मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान शिव ने कर्दम मुनि की तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट होकर उन्हें दर्शन दिए थे।

मंदिर पहुंचते ही सामने एक पुरातन शैली की संरचना नजर आई, जिस पर समय की परतें साफ झलकती थीं। द्वार पर नंदी महाराज विराजमान थे, जैसे आने–जाने वालों पर दृष्टि रखे हों। गर्भगृह में प्रवेश करते ही वातावरण में गूंजते "ॐ नम : शिवाय" के स्वर और जलाभिषेक की बूंदों की ठंडक ने तन–मन को भिगो दिया। वहां के पुजारी ने बताया कि सावन और महाशिवरात्रि के समय यहां विशेष मेला लगता है, लेकिन सामान्य दिनों में यहां का सन्नाटा और शांति ही इसकी असली पहचान है।

मंदिर के पीछे एक छोटा सा कुंड भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि कर्दम मुनि यहीं स्नान कर ध्यान लगाया करते थे। पानी में झांकते हुए लगा जैसे समय रुक गया हो। चारों ओर मंदिर की दीवारें, ऊपर नीला आसमान और मन में गूंजता शिव नाम।

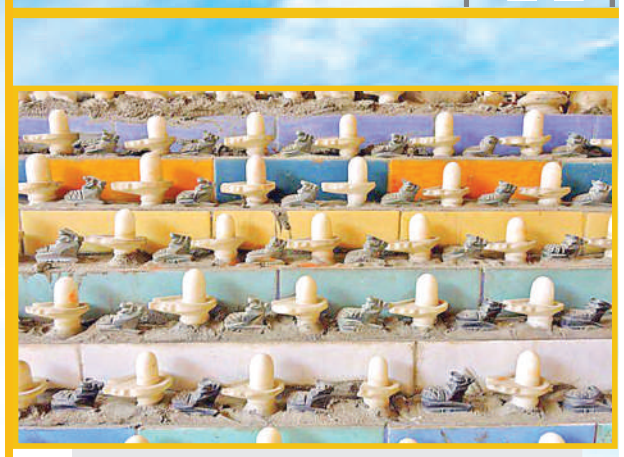

जंगमबाड़ी मठ

जंगमबाड़ी मठ, काशी का एक प्रमुख वीरशैव मठ है, जो दक्षिण भारत की दार्शनिक परंपराओं को उत्तर भारत से जोड़ता है। इस मठ में प्रवेश करते ही एक शांति का अनुभव होता है। यहां की दीवारों पर उकेरी गई लिपियां, ताम्रपत्र और योगी परंपरा के चिह्न उस काल की गाथा कहते हैं, जब संत ज्ञानेश्वर और बसवन्ना की वाणी उत्तर भारत में भी गूंजती थी। यहां पर बताया की लाखों की संख्या में शिवलिंग मौजूद हैं।

मठ के अंदर साधुओं का जीवन, तप और अनुशासन देखकर मन श्रद्धा से भर गया। हिंदी भाषा के कई ग्रंथ यहां के पुस्तकालय में सुरक्षित हैं, जिनमें भाषा, व्याकरण और दर्शन का अपूर्व समन्वय मिलता है।

लोलार्क कुंड

लोलार्क कुंड का उल्लेख पुराणों में मिलता है। कहा जाता है कि यहां सूर्य देव स्वयं प्रकट हुए थे। यह कुंड 'संतान प्राप्ति' की कामना से जुड़ा है, विशेषकर लोलार्क छठ के अवसर पर यहां स्नान और पूजा का विशेष महत्व है। मैंने देखा–महिलाएं सिर पर दीप रखकर सीढ़ियों से उतर रही थीं। कोई तांबे के पात्र में जल भर रहा था, तो कोई तिल चढ़ा रहा था। श्रद्धा का वह दृश्य शब्दों में बांधना कठिन है।

इस स्थल की विशेषता यह है कि यह आस्था और विज्ञान का सम्मिलन है। कुंड की बनावट, जल का तापमान और उसकी संरचना में भारतीय वास्तुशास्त्र की स्पष्ट छाप दिखती है। यह नगरी जितनी प्राचीन है, उतनी ही नवीन। कर्दमेश्वर महादेव ने सिखाया कि कर्म ही पूजा है, जंगमबाड़ी ने दर्शन की गहराई से अवगत कराया और लोलार्क कुंड ने यह बताया कि आस्था, विज्ञान और परंपरा जब एकत्र होती हैं, तब काशी जन्म लेती है। यह यात्रा मेरे जीवन की एक पूर्ण विराम नहीं, बल्कि नवीन अनुच्छेद की शुरुआत है। काशी से जुड़े रहने की, उसे समझने की और आत्मा से जुड़ने की।

अनुभूति

ऑरेंज आर्मी

पिछले हफ्ते जब भारी बारिश के कारण लगभग हर नदी अपने उफान पर थी। आसमान से बरसती मूसलधार बूंदें और धरती पर बहता पानी, हर तरफ एक अजीब-सा सन्नाटा और खौफ पैदा कर रहा था। इन हालातों में रात की ड्यूटी करना हमेशा से सबसे मुश्किल होता है। उन्हीं दिनों एक रात मेरी ड्यूटी बरेली सिटी-पीलीभीत पैसेंजर में थी। देवहा नदी का पुल रास्ते में पड़ता है। नदी उफान पर थी, लहरें मानो चेतावनी दे रही हों कि नदी से दूर रहने में भी भलाई है।

इंजन के शीशे पर जब बारिश की बूंदें 110 किमी की रफ्तार से टकराती हैं तो सामने का नजारा एकदम धुंधला हो जाता है। ऊपर से रात का अंधेरा हो तो रास्ता और भी डरावना लगता है। ऐसे में दिल बार-बार यही सोचता है, कहीं ट्रैक धंस न गया हो, कहीं पुल की मिट्टी बह न गई हो। हर क्षण एक अनदेखा डर साथ चलता रहता है। जब भी पुल पर या ट्रैक के किनारे नारंगी ड्रेस पहने ट्रैक मैन की एक परछाई नजर आती है, तो दिल को एक अलग सा सुकून मिल जाता है। वो धुंधली सी तस्वीर बताती है कि 'आगे सब सही है।' यही वो इंसान होते हैं, जो आधी रात, तूफान, ठंडी, गर्मी या बारिश हर मौसम में हमारी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए डटे रहते हैं। वहीं नाइट पेट्रोलिंग करते गैंगमैन, ट्रैकमैन और कीमैन, जो खुद हमारे सफर में हमारे साथ नहीं बैठते, लेकिन हमें मंजिल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए हर पल साथ खड़े रहते हैं। ट्रेन जब भी उनके पास से गुजरती है, हम लंबा हॉर्न देते हैं ताकि वो सतर्क हो जाएं। बदले में वो हमें बिना जाने-पहचाने, बस इंसानियत और अपने फर्ज के नाते, एक हाथ उठाकर अभिवादन करते हैं।

ये रिश्ता बड़ा अजीब है, न नाम जानते हैं, न कभी ठीक से मिले हैं। सालों से यही रिश्ता चलता आ रहा है। शायद कभी मंजिल पर जाकर उनसे मुलाकात हो जाए, शायद कभी न हो, लेकिन सफर के रास्ते हमेशा हमारे और उनके सांझा रहते हैं। सच कहूं तो जब भी रात के अंधेरे में नारंगी ड्रेस वाली वो परछाई दिखती है, तो लगता है कि चलो आगे का रास्ता सही है। कभी-कभी सोचता हूं, हम लोको पायलट तो सबके सामने रहते हैं, लोग हमें पहचानते हैं। मगर ऑरेंज आर्मी वाले साए का कोई नाम नहीं, कोई पहचान नहीं। वो चुपचाप अपने हिस्से का फर्ज निभाकर अगली रात फिर उसी रास्ते पर खड़े मिल जाते हैं। जिंदगी में न जाने कितनी मंजिलें बदलती रहती हैं, कितने सफर पूरे होते रहते हैं, लेकिन उनके साथ जुड़ा ये मौन रिश्ता कभी नहीं बदलता। वो हमारे सफर के अनकहे, अनजाने साथी हैं, जिन्हें हम कभी धन्यवाद तक नहीं कह पाते। शायद यही उनकी सबसे बड़ी महानता है।

रवि
ब्लॉगर

सांझी: ब्रज की लोक चित्रांकन कला

सांझी को ब्रज की लोक देवी माना गया है। यह ब्रज संस्कृति की उपासना का प्रमुख अंग है। ब्रज के अनेक देवालयों में इसे आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक अंकित किया जाता है। इसके मध्य में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित विभिन्न लीलाओं का भी अंकन किया जाता है। यह ब्रज की लोक चित्रांकन कला है। इसमें सूखे रंगों, फूलों व गोबर आदि के प्रयोग से अष्टकोणीय रूप में ज्यामितीय आकार की विभिन्न दृश्यावलियां फर्श, दीवार व कागज आदि पर बनाई जाती हैं। चूंकि सांझी का आशय संध्या से है, इसलिए इसके दर्शन सायं काल ही होते हैं। पितृ पक्ष में इनके बनाए जाने का प्रमुख कारण यह है कि एक तो इन दिनों यहां विभिन्न प्रकार के फूल सहजता से प्राप्त हो जाते हैं। अतएव यह कला ब्रज में पितृ पक्ष का विशेष उत्सव है। ब्रज के नगरीय क्षेत्रों में सूखे रंगों एवं ग्रामीण अंचलों में गोबर से इस कला का चित्रांकन बहुतायत से होता है। इसे तेल व जल के अंदर एवं तेल व जल के ऊपर भी एक विशेष तरीके से बनाया जाता है। फूलों से सांझी बनाए जाने का इतिहास 5000 हजार वर्षों से भी अधिक पुराना है।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी
वरिष्ठ साहित्यकार

सांझी बनाने की कला

सांझी बनाने हेतु सर्वप्रथम अष्टकमल आकर में पीली मिट्टी की वेदी बनाई जाती है। अष्टकमल अष्टसखियों का प्रतीक हैं। तत्पश्चात ज्यामिती आकार में डिजाइन डाली जाती है। इसमें सतिया–स्वस्तिवाचक के रूप में, सात बिंदी–सप्तऋषियों के प्रतीक के रूप में और केला रुद्र पूजा के रूप में अंकित किए जाते हैं। इसके बाद इन्स्टेंसिल लगाकर तरह–तरह के रंगों को डाली गई डिजाइनों के अंदर छाना जाता है। सबसे अंत में सांझी के मध्य 'होंद' बनाया जाता है, जिसमें रंगों के द्वारा भांति–भांति के दृश्य चित्रित कर उनके मध्य राधा–कृष्ण का युगल चित्र लगाया जाता है। चार पांच व्यक्ति दिनभर कठोर परिश्रम से कार्य करने के बाद सायं तक एक सांझी तैयार कर पाते हैं। तत्पश्चात उसका ठाकुर जी के विग्रह की भांति अत्यंत विधि–विधान से भोग लगाया जाता है और उसकी आरती होती है। इसके बाद उसके दर्शन सभी के लिए खुलते हैं, जो कि रात्रि को मंदिर के पट बंद होने के तक खुले रहते हैं। प्रात : काल मंदिर की मंगला आरती के समय इसके दर्शन पुन : कराए जाते हैं। इसके बाद वेदी व राधा–कृष्ण की युगल छवि को छोड़कर पूरी सांझी बिगाड़ दी जाती है। अगले दिन कठिन परिश्रम के बाद विभिन्न दृश्यावलियों से सुसज्जित दूसरी सांझी बनाई जाती है। पितृ विसर्जन अमावस्या को प्रत्येक दिन की सांझी में प्रयुक्त होने वाले फूलों, रंगों आदि सामग्री को यमुना में विसर्जित कर दिया जाता है। ब्रज के ग्रामों में गोबर से भी सांझी बनाई जाती है।

कष्ट और श्रम साध्य कला

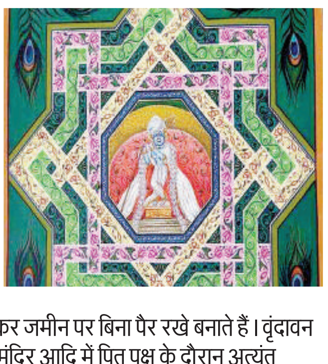

तत्पश्चात उन्हें फूलों व कौड़ियों आदि से सजाया जाता है। इस समय अधिकांशत : सूखे रंगों के द्वारा ही सांझी बनाई जाती है। ब्रज की अधिकांशत : कुंवारी कन्याएं श्रेष्ठ वर प्राप्त करने के उद्देश्य से भी सांझी बनाती हैं और व्रत भी रखती हैं। सांझी बनाया जाना अत्यंत कष्ट साध्य व श्रम साध्य कला है। क्योंकि इसे भक्ति भावना के साथ बनाया जाता है, इसलिए इसको जमीन पर बनाने वाले कलाकार इसे लकड़ी की तख्तियों पर बैठकर एवं घंटों झुके रहकर जमीन पर बिना पैर रखे बनाते हैं। वृंदावन के भट्ट जी मंदिर, राधावल्लभ मंदिर व राधारमण मंदिर आदि में पितृ पक्ष के दौरान अत्यंत चित्ताकर्षक व नयनाभिराम सांझी बनाई जाती है। वृंदावन के प्राचीन ब्रह्म कुंड पर पितृ पक्ष के पूरे 15 दिन सांझी का मेला लगता है। इसमें प्रतिदिन सांझी बनाने वाले कलाकार अपनी कला का हुनर दिखाते हैं। बाद को इन्हें पुरस्कृत भी किया जाता है। इस समय राधारमण मंदिर के सेवायत सुमित गोस्वामी एवं प्रियावल्लभ मंदिर के सेवायत रसिक वल्लभ नागार्च आदि की गिनती सांझी बनाने वाले प्रमुख कलाकारों में की जाती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार

पौराणिक कथाओं के अनुसार राधा रानी मानिनी देवी थीं, इसलिए श्रीकृष्ण ने प्राय : अपनी सभी लीलाएं राधा रानी को मनाने के लिए की थीं। परंतु राधा रानी ने श्रीकृष्ण को रिझाने के लिए कुछ ही लीलाएं की थीं, सांझी उन्हीं में से एक है। सांझी राधा–कृष्ण के प्रेम का प्रतीक है। इसीलिए ब्रज में सांझी को राधा रानी का प्रतिरूप मानकर संध्या के समय उनकी उसी प्रकार पूजा–अर्चना की जाती है, जिस प्रकार ब्रज के मंदिरों में ठाकुर विग्रहों की पूजा–अर्चना होती है। सांझी कला राधा–कृष्ण के प्रेम की चरमतम अवस्था की परंपरा है, जो कि ब्रज में ही संजोयी गई है और विकसित हुई है। अष्टकोण में निहित होने एवं राधा रानी की कला होने के कारण इसे 'वैष्णव यंत्र' भी कहा गया है। सांझी कला ब्रज की लोक संस्कृति में निहित है। इसे प्रति वर्ष महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। सांझी पर अनेक संतों, रसिकों व भक्तों आदि ने सैकड़ों पदों की रचना की है, जिनमें रसखान, सूरदास, हित हरिवंश महाप्रभु एवं भारतेंदु हरिश्चंद्र आदि प्रमुख हैं।

बतकही

सह-अस्तित्व : कुत्ते और इंसान

देशभर में कुत्तों पर चर्चा हो रही थी। कुछ लोग कुत्तों के विरोध में उतर आए थे और कुछ पक्ष में। मेरी कॉलोनी में भी पहले दो-तीन स्ट्रीट डॉग्स होते थे, जिनसे कोई परेशानी नहीं थी। अब 10-12 स्ट्रे डॉग्स हैं, जिनमें से एक दो खतरनाक हैं। शायद पहले किसी के पाले हुए कुत्ते रहे होंगे। ये बाइक और स्कूटी वालों के पीछे भागते हैं व कई लोगों ने बच्चों पर झपटने की शिकायत भी की है। सभी जगह यही हाल है। रात में तो ये बहुत खूंखार हो जाते हैं।

भूले-भटके कभी नगर पालिका या नगर निगम इन्हें स्टरलाइजेशन के लिए ले जाना चाहें तो मोहल्ले के लोग ही ले जाने नहीं देते। रिजल्ट यह कि इनकी संख्या में दिनों-दिन वृद्धि होती जा रही है। गलियों में झूठा खाना और मल-मूत्र पड़ा रहता है, जिसके साथ जीना नियति बन गई है। खैर गली का मामला है। बैर मोल नहीं लेना। आपसी समझदारी जरूरी है। जिंदगी चल रही है इसी के साथ। पालतू कुत्तों की बात करें तो 'लव मी लव माय डॉग' वाली पॉलिसी अधिकतर कुत्ता पालकों की होती है। इसी सिलसिले में एक पुरानी घटना याद आ रही है। स्मार्ट सिटी बनने जा रहे एक बड़े शहर की। एक परिचित दो-तीन बार घर आ चुके थे और बार-बार अपने घर आने का आग्रह करते थे। एक बार हम दोनों पति-पत्नी उनके घर चले गए तो महाशय के साथ तीन कुत्तों ने हमारा स्वागत किया। एक जर्मन शेफर्ड, एक लैबराडोर और तीसरे की नस्ल याद नहीं। कुछ याद रखने जैसा माहौल ही नहीं था। भाईसाहब बोले कि मेरे पीछे सीधे चलते हुए आना, उनकी तरफ मत देखना। मन तो था पर कहने की हिम्मत न हुई कि हम वापस जा रहे हैं। खैर, उनके आदेशों का त्वरित पालन किया। किसी तरह ड्राइंग रूम में पहुंचकर सोफे में बैठे।

बातचीत का सिलसिला कुत्तों से ही शुरू हुआ। भाईसाहब ने बताया कि यह हमेशा खुले ही रहते हैं। उनके नाम ले लेकर उनकी क्वालिटी बताने लगे। सफेद रंग का लैब्राडोर बिल्कुल सीधा-साधा। दूसरा छोटे साइज का काफी खतरनाक। तीसरा जर्मन शेफर्ड तो कई बार घर आए लोगों को काट भी चुका है। उन्होंने बहुत हंसते-हंसते बताया कि एक काफी वृद्ध महिला की हथेली में जर्मन शेफर्ड ने अपना दांत आर-पार कर दिया। सुनकर हम दोनों तो बहुत भयभीत हो गए पर उस वक्त उन्हीं की दया पर निर्भर थे। जैसे बैठे थे वैसे ही बैठे रहना था। उन्होंने बताया कि अगर हमने सोफे के कपड़े को ठीक करने की कोशिश की या टेबल से कोई भी चीज उठाने या देखने की कोशिश की तो यह तुरंत काट लेगा। शोक ग्रस्त होकर कहिये या किसी राष्ट्रीय त्योहार के तहत राष्ट्रगान गाने जैसे हम अटेंशन में बैठे हुए थे। हाथ-पैर चिपके थे और होंठ भी खुलने का साहस नहीं कर रहे थे। चाय नाश्ता भी आया, लेकिन डरते-डरते चाय का कप उठाया और खत्म होने पर बहुत ही सावधानी के साथ टेबल पर रखा। नाश्ते को तो छूने का सवाल ही नहीं होता।

कुत्तों से मुझे नफरत नहीं है, पर बेतहाशा प्यार भी नहीं। सदियों से यहां सह-अस्तित्व जीवन परंपरा का हिस्सा रहे हैं। मगर यह भी जरूरी है कि एक दूसरे को नुकसान पहुंचाए दोनों का अस्तित्व और जीवन की मर्यादा बनी रहे। सह-अस्तित्व की इस धारणा में कई बार कुत्तों के सामने इंसान का कद बौना हो जाता है। ऐसे लोगों को देखकर बहुत आश्चर्य होता है कि जो मेहमानों के आने पर भी कुत्तों को बांधना जरूरी नहीं समझते। वह मेहमानों को चुम्मा-चाटी करता रहे तो दांत खोलकर हंसते रहेंगे। जरूरी नहीं हर कोई यह पसंद करता हो।

इसी तरह सुबह-सवेरे कुत्तों को घुमाने वाले लोग भी जगह-जगह सड़क में गंदगी करवाते हैं। भारी भरकम कुत्ते को वह नहीं घूमाते, बल्कि कुत्ता उन्हें घुमाता है। पूरा दम लगाकर भी वे उसे कंट्रोल नहीं कर पाते। कई तो ऐसे भी हैं, जो उन्हें खुला छोड़ देते हैं। कोई डरे, किसी को काटे उनकी बला से। न बाहर के देशों की तरह यहां पर सजा का प्रावधान, न अगला इतना समझदार कि इलाज का पूरा प्रबंध कराए। बचकर निकलने में ही फायदा है। अगर बच सके तो...

अमृता पांडे
लेखिका

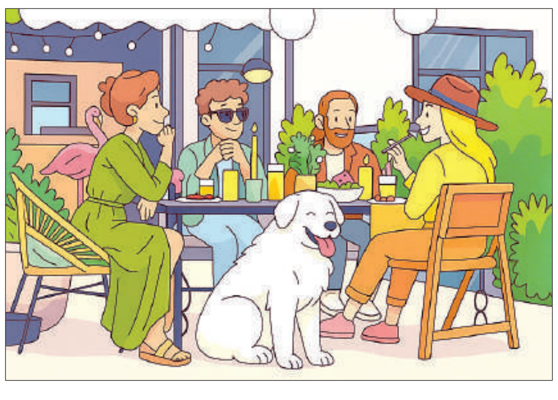

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,626.23	25,327.05
गिरावट	387.73	96.55
प्रतिशत में	0.47	0.38

सोना : 1,14,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,32,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 20 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

विदेशी मुद्रा भंडार 4.7 अरब डॉलर बढ़ 702.97 अरब डॉलर हुआ

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 702.97 अरब डॉलर हो गया। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.04 अरब डॉलर बढ़कर 698.27 अरब डॉलर रहा था। 5 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 587.01 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

ध्रुव कैपिटल ने वेक्टर फाइनेंस के साथ विलय की घोषणा की

कोलकाता। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी ध्रुव कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड ने शुक्रवार को वेक्टर फाइनेंस के साथ अपने रणनीतिक विलय की घोषणा की। इसके साथ कंपनी का 'माइक्रोफाइनेंस' यानी छोटी राशि के कर्ज व्यवसाय में प्रवेश हुआ है। बयान के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित यह विलय 1:1 शेयर अदला-बदली अनुपात के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत छोटी राशि के कर्ज देने वाली वेक्टर फाइनेंस के प्रत्येक शेयरधारक को ध्रुव कैपिटल का एक शेयर प्राप्त होगा। कंपनी ने कहा कि विलय की योजना नियामकों, शेयरधारकों, कजदाताओं और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण से अनुमोदन के अधीन है।

जीके एनर्जी के आईपीओ को पहले दिन 2.57 गुना बोलियां

नई दिल्ली। जीके एनर्जी लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के पहले दिन 2.57 गुना बोलियां मिलीं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ को 2,21,80,828 शेयरों के मुकाबले 5,70,51,092 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के हिस्से को 2.70 गुना अभिदान मिला, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 2.61 गुना अभिदान मिला।

भारत की साख रेटिंग बढ़ाकर बीबीबी+ की

जापान की आरएंडआई ने भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर परिदृश्य को रखा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान की रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इन्फॉरमेशन इंक. (आरएंडआई) ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी+' करने के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के 'स्थिर' परिदृश्य को बरकरार रखा है। इस साल किसी साख रेटिंग एजेंसी की तरफ से भारत की रेटिंग को तीसरी बार बढ़ाया गया है। इससे पहले एसएंडपी ने अगस्त 2025 में भारत की रेटिंग को बढ़ाकर 'बीबीबी' और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में 'बीबीबी' किया था।

रेटिंग एजेंसी आरएंडआई की शुक्रवार को प्रकाशित भारत सरकारी साख समीक्षा के मुताबिक, यह रेटिंग दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत की स्थिति से समर्थित है। रिपोर्ट कहती है कि भारत की बढ़ी हुई रेटिंग इसके जनसांख्यिकीय लाभांश, मजबूत घरेलू मांग और ठोस सरकारी नीतियों पर आधारित है। आरएंडआई ने अपनी रिपोर्ट में सरकार की राजकोषीय स्थिति में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो उच्च वृद्धि के साथ ही कर राजस्व में वृद्धि, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने और ऋण के प्रबंधनीय स्तर से प्रेरित है। यह रिपोर्ट भारत की मजबूत बाह्य स्थिरता पर भी प्रकाश डालती है। इसमें कहा गया कि चालू खाते का मामूली घाटा, सेवाओं और धनप्रेषणों में टिकाऊ अधिशेष, जीडीपी के अनुपात में बाहरी कर्ज कम होने और पर्याप्त विदेशी मुद्रा से इसकी मजबूती का पता चलता है।

वित्त मंत्रालय ने आरएंडआई की तरफ से भारत की रेटिंग बढ़ाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार राजकोषीय सूझबूझ और व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ ही समावेशी, उच्च-गुणवत्ता वाली वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों के जरिये इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पांच महीनों के भीतर तीन क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग में सुधार करने से देश के मजबूत और जुझारू व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों और विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के प्रति बढ़ती वैश्विक मान्यता का पता चलता है।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई बढ़कर 1.07 % पर

नई दिल्ली। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर क्रमश: 1.07 प्रतिशत और 1.26 प्रतिशत हो गई। इससे पिछले महीने जुलाई में यह क्रमश: 0.77 प्रतिशत और 1.01 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त 2025 में 1.03 अंक बढ़कर 136.34 हो गया, जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए सूचकांक 0.94 अंक बढ़कर 136.60 पर पहुंच गया। कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य सूचकांक में आलोच्य महीने में 1.39 अंक और ग्रामीण मजदूरों के लिए 1.29 अंक की वृद्धि हुई।

सोना 800 रुपये चढ़कर 1,14,000 प्रति 10 ग्राम पहुंचा, चांदी 500 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 800 रुपये चढ़कर 1,14,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के बीच मजबूत वैश्विक संकेतों के चलते सोने में तेजी आई। चांदी की कीमत भी 500 रुपये बढ़कर 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गुरुवार को 1,13,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 700 रुपये बढ़कर 1,13,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,12,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र में सोने में सकारात्मक रुख रहा और कीमती धातुओं में तेजी रही। इस तेजी के कई कारण हैं। इनमें इस साल एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों में मजबूत निवेश और केंद्रीय बैंकों द्वारा सक्रिय रूप से सोना खरीदना शामिल है। इसके साथ, इस साल के अंत से पहले फेड द्वारा ब्याज दरों में और भी कटौती की उम्मीदें, तथा मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों एवं व्यापार संबंधी मुद्दों के कारण सुरक्षित निवेश की लगातार मांग बनी रह सकती है।

बाजार में तीन दिनों की तेजी थमी, सेंसेक्स 387 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- निफ्टी में 96 अंक की गिरावट बाजार में मुनाफावसूली देखी गई

प्रमुख कंपनियों एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में मुनाफावसूली होने के कारण स्थानीय शेयर बाजार में तीन दिनों से चली आ रही तेजी शुक्रवार को थम गई। सेंसेक्स 387 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 96 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 387.73 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,626.23 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 528.04 अंक गिरकर 82,485.92 अंक पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 96.55 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 25,327.05 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक गिरावट रही। दूसरी तरफ, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एसबीआई, एनटीपीसी और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। कारोबार के दौरान अदाणी समूह की कंपनियों में खासी तेजी देखी गई।

परमार्थ संस्थाएं सोशल स्टॉक एक्सचेंज के दायरे में

नई दिल्ली। सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) का दायरा बढ़ाते हुए अधिक परमार्थ संस्थाओं को इस मंच के जरिये धन जुटाने की अनुमति दी। सोशल स्टॉक एक्सचेंज पूंजी बाजार का एक विशेष मंच है जिसे सेबी ने सामाजिक उद्यमों एवं गैर-लाभकारी संगठनों को पारदर्शी तरीके से धन जुटाने की सुविधा देने के लिए शुरू किया है। इस मंच के जरिये ट्रस्ट, सोसाइटी और सेक्शन-आठ में आने वाली कंपनियां दान-आधारित साधनों व सामाजिक उद्यम इक्विटी या ऋण साधनों से पूंजी जुटा सकती हैं।

काम के आधार पर नियुक्त अस्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 92 लाख होने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएसएफ ने पेश की रिपोर्ट

देश में कार्य के आधार पर अनुबंध पर नियुक्त किये जाने वाले 'फ्लेक्सी' कर्मचारियों की संख्या सालाना आधार पर संचयी रूप से 12.6 प्रतिशत बढ़कर 2026-27 तक 91.6 लाख होने का अनुमान है। फ्लेक्सी-स्टाफिंग उद्योग में कोई कंपनी सीधे तौर पर कर्मचारियों को नौकरी पर नहीं रखती, बल्कि कार्य आधार पर अनुबंध पर कर्मचारियों को नियुक्त करती है।

इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) की नई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 तक इस श्रमबल की संख्या सालाना आधार पर संचयी रूप से 12.6 प्रतिशत बढ़कर 91.6 लाख तक पहुंच सकती है, जिससे रोजगार के नए और लचीले अवसर बनेंगे। 'इंडियन फ्लेक्सी स्टाफिंग इंडस्ट्री 2025' शीर्षक से रिपोर्ट में बताया कि देश में फ्लेक्सी-स्टाफिंग उद्योग के 17.3 प्रतिशत की दर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 2,58,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कंपनियां इस मॉडल को इसलिए अपना रही हैं क्योंकि इससे उन्हें जरूरत के हिसाब से कर्मचारी मिल जाते हैं, खासकर त्योहारी सीजन या खास परियोजनाओं के लिए।

यह कंपनियों को काम में लचीलापन देता है और कानूनी औपचारिकताओं का बोझ कम करता है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने कहा, यह रिपोर्ट भारत के आर्थिक वृद्धि में 'फ्लेक्सी-स्टाफिंग' के विशाल योगदान को दर्शाती है।

वोडाफोन आइडिया की याचिका पर न्यायालय करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। याचिका में 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने का आग्रह किया है। कोर्ट 26 सितंबर को मामले की सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ दूरसंचार विभाग (डॉट) द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 से संबंधित 5,606 करोड़ की नई मांग के खिलाफ वोडाफोन आइडिया की नई याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

जीएसटी दरों में कटौती से सरकार पर नहीं पड़ेगा कोई खास राजकोषीय बोझ

कोलकाता, एजेंसी

- रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने पेश की ताजा रिपोर्ट

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने शुक्रवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में हाल ही में किए गए बदलाव से सरकार पर कोई खास राजकोषीय बोझ नहीं पड़ेगा। रेटिंग एजेंसी की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने दर कटौती की वजह से अल्पावधि में सालाना करीब 48,000 करोड़ रुपये के शुद्ध नुकसान का अनुमान लगाया है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल जीएसटी संग्रह 10.6 लाख करोड़ रुपये रहा था।

रिपोर्ट कहती है कि कुल जीएसटी संग्रह के अनुपात में यह राजस्व नुकसान बहुत अधिक नहीं है। जीएसटी परिषद ने हाल ही में कर दरों को तर्कसंगत बनाते हुए पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में रखने का फैसला किया है। यह संशोधन 22 सितंबर से प्रभावी होने वाला है जिससे कई उत्पादों और सेवाओं की कीमतों में कमी आएगी। क्रिसिल ने कहा कि दरों को तर्कसंगत बनाने से अधिक वस्तुएं और सेवाएं औपचारिक कर दायरे में आ सकेंगी, जिससे मध्यम अवधि में कर वसूली में मजबूती मिलेगी। पहले 70-75% जीएसटी राजस्व 18 प्रतिशत स्लैब से आता था, जबकि 12 प्रतिशत स्लैब से केवल पांच-छह प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब से 13-15 प्रतिशत राजस्व मिलता था। रिपोर्ट के मुताबिक, 12% स्लैब में शामिल वस्तुओं पर कर घटाने से राजस्व को कोई खास नुकसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय

1965 के युद्ध में शास्त्री ने निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया

रक्षा मंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री की सराहना की, ऑपरेशन सिंदूर को इस दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 1965 के युद्ध के पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और भारतीय सैनिकों की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह राष्ट्र की ताकत की परीक्षा थी। सिंह ने कहा कि शास्त्री जी के दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व के कारण ही भारत 1965 में अनिश्चितता और चुनौतियों का सामना करने में सफल रहा, क्योंकि उन्होंने न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे राष्ट्र का मनोबल भी बढ़ाया।

रक्षा मंत्री एक कार्यक्रम में 1965 के युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और शहीद नायकों के परिजनों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस बात पर जोर देते हुए कि भारतीयों ने बार-बार यह साबित किया है कि देश अपना भाग्य स्वयं बनाता है, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इस दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे दुश्मनों को दिखा दिया कि हम कितने मज़बूत हैं। जिस समन्वय और साहस के साथ हमारी सेनाओं ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि जीत अब हमारे लिए कोई अपवाद नहीं है; यह हमारी आदत बन गई है। हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए। हालाँकि, रक्षा मंत्री के संबोधन का मुख्य आकर्षण 1965 के युद्ध पर उनका अवलोकन था। सिंह ने कहा, कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता; युद्ध में विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है। उन्होंने कहा, 1965 के उस दौर में, भारत अनिश्चितताओं और चुनौतियों का सामना करने में कामयाब रहा, जिसका श्रेय लाल बहादुर शास्त्री जी के दृढ़-इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व को भी जाता है।

युद्ध के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

रक्षा मंत्री ने कहा, पाकिस्तान ने सोचा था कि वह घुसपैठ, गुरिल्ला रणनीति और अचानक हमलों के माध्यम से हमें डरा सकता है, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि प्रत्येक भारतीय सैनिक इस भावना के साथ मातृभूमि की सेवा करता है कि राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान लड़ी गई विभिन्न लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय वीरता और देशभक्ति पर प्रकाश डाला, जिसमें असल उत्तर की लड़ाई, चाविंडा की लड़ाई और फिलोरा की लड़ाई शामिल थी। रक्षा मंत्री ने परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद की अदम्य भावना और वीरता का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने असल उत्तर की लड़ाई के दौरान मशीन गन टैंक की निरंतर गोलाबारी के बीच दुश्मन के कई टैंकों को नष्ट करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। हमारे बहादुर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि बहादुरी हथियार के आकार की नहीं, बल्कि दिल के आकार की होती है।

पित्रोदा के पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस होने' संबंधी बयान पर माफी मांगे कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा नेता भंडारी ने कहा- बयान राष्ट्र विरोधी गांधी-वाद्रा परिवार का दिल आतंकी पाकिस्तान में बसता है

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख सैम पित्रोदा की पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस होने' संबंधी टिप्पणी के लिए माफी मांगने की मांग की और इस बयान को 'राष्ट्र-विरोधी' करार दिया। सैम पित्रोदा ने पड़ोमहिमामंडन किया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बात करते हुए भंडारी ने कहा, यह सैम पित्रोदा का व्यक्तिगत बयान नहीं है, यह राहुल गांधी, सोनिया गांधी और गांधी-वाद्रा परिवार की नीति और मंशा है।

पहले भी राहुल गांधी कह चुके हैं कि वह भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ना चाहते हैं। गांधी-वाद्रा परिवार का दिल आतंकी पाकिस्तान में बसता है। उन्होंने कहा, गांधी-वाद्रा परिवार को पित्रोदा की इस टिप्पणी के लिए देश के वीर सैनिकों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस या पित्रोदा की ओर से भाजपा के आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भंडारी ने कहा कि पित्रोदा की टिप्पणी से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस की नीति और मंशा में देशभक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी की नीति में केवल पाकिस्तान प्रेम है। भंडारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "राहुल गांधी के करीबी और कांग्रेस के प्रवासी मामलों के प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं- मैंने पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' किया। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि संप्रग ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान की पसंद, कांग्रेस की पसंद!" पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति प्रेम कभी खत्म नहीं होता।

पूनावाला ने कहा, उन्होंने हाफिज सईद से यासीन मलिक के ज़रिए बात की। उन्होंने 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम (आतंकी हमलों) पर पाकिस्तान को क्लीन चिट दी। उन्होंने अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान का पक्ष रखा वे सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को 80 प्रतिशत पानी देते हैं! उन्हें पाकिस्तान से प्यार है! पूनावाला ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) मतलब इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस।

बानू मुश्ताक ही करेंगी मैसूर दशहरा समारोह का उद्घाटन, विरोध वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याची से पूछा राज्य कैसे कर सकता है भेदभाव

उच्चतम न्यायालय ने अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस साल मैसुरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी और सवाल किया कि राज्य कैसे भेदभाव कर सकता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायामूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील से पूछा, इस देश की प्रस्तावना क्या है?।

याचिकाकर्ता के वकील ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 15 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें राज्य के फैसले के खिलाफ याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। यह उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा। याचिकाकर्ता एचएस गौरव के वकील ने कार्यक्रम के उद्घाटन पर कोई आपत्ति नहीं जताई और इसे एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि बताया, लेकिन उन्होंने पीठ का ध्यान मंदिर परिसर के रीति-रिवाजों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा, यह (रीति-रिवाज) पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष नहीं है। ये एक आध्यात्मिक या धार्मिक क्रियाएं रूप ले लेते हैं। पीठ ने हालांकि इसे राज्य स्तरीय कार्यक्रम बताया और उनसे सवाल किया, यह कोई निजी कार्यक्रम नहीं है। राज्य सरकार इसका आयोजन कर रही है। राज्य सरकार कैसे अंतर कर सकती है? उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने वालों में से एक ने 2017 में आयोजित समारोह के उद्घाटन में आमंत्रित डॉ. निसार अहमद के साथ मंच साझा किया था। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, क्या यह सच है या नहीं? वकील ने कहा कि कार्यक्रम के दो पहलू हैं, एक उद्घाटन और दूसरा पूजा। पीठ ने पूछा, आपने याचिका क्यों दायर की? याचिका में क्या आधार लिया गया है? वकील ने कहा कि राज्य का फैसला अनुच्छेद 25 के तहत दिए गए उनके अधिकारों को प्रभावित करता है।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा और चोरों को बचाता रहा : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा।

उन्होंने मतदाता सूची से नाम कथित तौर पर नाम हटाए जाने से संबंधित अपने संवाददाता सम्मेलन का एक संक्षिप्त वीडियो 'एक्स' पर साझा किया जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जिन लोगों के नाम का इस्तेमाल कर वोट हटाए गए उन्हें यह पता ही नहीं था और सुबह चार बजे भी नाम हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुबह चार बजे उठो, 36 सेकंड में दो वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ। ऐसे भी हुई वोट चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। गांधी ने गुरुवार को कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों" तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं।

राहुल युवाओं के नाम पर देश में फैलाना चाहते हैं अशांति : रविशंकर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुये आरोप लगाया कि वह 'जेन जी' और युवाओं के नाम पर देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन प्रसाद ने राहुल के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट को 'दुर्भाग्यपूर्ण और खतरनाक' करार दिया। दरअसल, राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा था कि, देश के युवा, छात्र और जेन जेड संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुये पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि यह बयान संसद की गरिमा के खिलाफ है और इससे यह साफ होता है कि राहुल गांधी देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर कर अराजकता फैलाना चाहते हैं।

पोस्ट हटाने, माफी मांगने का मतलब यह नहीं कि मामला रद्द हो सकता है

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर मामले में 19 वर्षीय छात्रा द्वारा की गई टिप्पणी मामले में की टिप्पणी

मुंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए 19 वर्षीय छात्रा के खिलाफ मामला केवल इस आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता कि उसने पोस्ट हटा दिया है और इसके लिए माफी मांग ली है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि आरोपी एक मेधावी छात्रा है और उसने अपनी परीक्षाएं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द की जा सकती है।

अदालत पुणे की एक छात्रा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान शत्रुता पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए मई में उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। उसे गिरफ्तार किया गया था लेकिन बाद में उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। शुक्रवार को छात्रा के वकील ने अदालत को बताया कि जमानत मिलने के बाद, वह परीक्षा में शामिल हुई और उसे अच्छे अंक मिले। हालांकि, पीठ ने कहा कि इसलिए कि वह एक मेधावी छात्रा है, प्राथमिकी रद्द करने का आधार नहीं हो सकता।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : नेटवर्क में व्यवधान से तीन की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी में गुरुवार को नेटवर्क व्यवधान के दौरान तीन ग्राहकों की मौत के बाद माफी मांगी है। सिंगापुर के समूह सिंगटेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ऑप्टस ने शुक्रवार को पुष्टि की कि नेटवर्क अपडेट के कारण कल ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय आपातकालीन टेलीफोन नंबर, ट्रिपल जीरो पर कॉल बाधित हो गई। ऑप्टस के सीईओ स्टीफन रू ने कहा कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी क्षेत्र प्रांतों के 600 ग्राहक प्रभावित हुए हैं। स्टीफन ने कहा, नेटवर्क अपडेट प्रक्रिया के दौरान ट्रिपल जीरो के तीन कॉल ऐसे घरों से संबंधित थे जहाँ एक व्यक्ति की दुखद मृत्यु हो गई थी।

तालिबान ने ब्रिटिश दंपती को रिहा किया

दुबई। तालिबान ने अघोषित आरोपों में सात महीने से अधिक समय से अफगानिस्तान में हिरासत में रहे एक ब्रिटिश दंपती को शुक्रवार को रिहा कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीटर (80) और बार्बी रेनॉल्ड्स (75) का मामला पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय था। रेनॉल्ड्स दंपती 18 वर्षों तक अफगानिस्तान में रहे थे और देश के मध्य प्रांत बामियान में एक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान चलाते थे, लेकिन तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद उन्होंने देश में ही रहने का फैसला किया। अरब प्रायद्वीप पर स्थित ऊर्जा संपन्न राष्ट्र कतर ने रेनॉल्ड्स को रिहा कराने में मदद की। एक राजनयिक ने बताया कि दंपती शुक्रवार को अफगानिस्तान से चले गए।

रूस में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

मास्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। रूसी विज्ञान अकादमी के भूभौतिकीय सर्वेक्षण की कामचटका शाखा के अनुसार भूकंप के झटके ग्रीन मिड टाइम के मुताबिक 18:58 बजे महसूस किए गए। इसका केंद्र क्षेत्रीय राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 149 किमी दूर 39 किमी की गहराई पर था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि प्रायद्वीप के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है और लोगों को सूचित किया जा रहा है।

सूडान : ड्रोन हमले में 43 नमाजियों की मौत

काहिरा। सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी अल फशर शहर में एक अर्धसैनिक संगठन ने शुक्रवार तड़के एक मस्जिद में नमाज अदा कर रहे 43 लोगों की हत्या कर दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के ड्रोन हमले में वृद्धों और बच्चों समेत मुस्लिम श्रद्धालु मारे गए। उसने इसे जघन्य अपराध करार देते हुए कहा कि यह मानवीय और धार्मिक मूल्यों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति (अर्धसैनिक) संगठन की घोर उपेक्षा' को दर्शाता है।

ब्रिटेन दुनिया भर में करेगा अपने जासूसी के नेटवर्क का विस्तार

लंदन, एजेंसी

- डार्क वेब पोर्टल के माध्यम से पूरी दुनिया में करेगा जासूसों की भर्ती

ब्रिटेन द्वारा शुक्रवार को शुरू किया गया डार्क वेब पोर्टल खुफिया एजेंसी एमआई6 के नए सुरक्षित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म साइलेंट कूरियर का उपयोग करके देश के लिए दुनिया भर से जासूसों की भर्ती करेगा।

विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि इसका लक्ष्य पहली बार डार्क वेब की गुमनामी का उपयोग करके रूस के साथ अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में एजेंटों की भर्ती करना है। पोर्टल तक पहुंचने के निर्देश एमआई6 के सत्यापित यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होंगे, क्योंकि ब्रिटेन सक्रिय रूप से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संभावित नए एजेंटों तक पहुंच रहा है।

विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा, जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है और हमारे सामने मौजूद खतरे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिटेन हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वियों से एक कदम आगे रहे। उन्होंने कहा, हमारी विश्वस्तरीय ख़ुफ़िया एजेंसियां इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं और ब्रिटिश लोगों की सुरक्षा के लिए पर्दे के पीछे से काम कर रही हैं। अब हम अत्याधुनिक तकनीक के साथ उनके प्रयासों को मजबूत कर रहे हैं ताकि एमआई6 रूस और दुनिया भर में ब्रिटेन के लिए नए जासूसों की भर्ती कर सके।

सेलिब्रिटीज पर निशाना दहशत बढ़ाने के लिए

सनातन के अपमान के मुद्दे पर बरेली में रोहित गोदारा के गुर्गों का बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोलीबारी करना असल में ठीक वैसी ही घटना है जैसा लॉरेंस बिश्नोई गैंग का जोधपुर में काले हिरन के शिकार के मामले में फिल्म स्टार सलमान खान को धमकियां देने का मामला है। असल में इस तरह की धमकियों के पीछे व्यापारी, राजनेता और ठेकेदारों के उस समुदाय में दहशत फैलाना होता है जो रंगदारी की वसूली के लिए इन गैंगस्टर का असल निशाना होते हैं। इसी वजह से दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद इस संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि रंगदारी की वसूली के लिए उन गुर्गों गैंगस्टरों की निगाह अब बरेली जैसे शहरों पर भी है जो किसी और देश में बैठकर भारत के पूंजीपतियों को निशाना बना रहे हैं। हालांकि पाटनी के घर पर गोली चलाने वाले शूटरों का पुलिस मुठभेड़ में मारा जाना फिलहाल इस संभावना पर फिलहाल एक विराम माना जा सकता है।

यूपी में गैंगस्टर

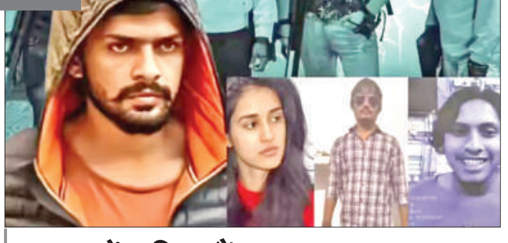

भारत में सक्रिय गैंग

- लॉरेंस बिश्नोई गिरोह में गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा, जग्गू भगवानपुरिया जैसे कई बड़े और कुख्यात नाम शामिल हैं।
- दिल्ली-हरियाणा-पश्चिमी यूपी गैंग में काला जठेड़ी, सुनील टिल्लू, संदीप काला उर्फ काला राणा जैसे नाम रिकॉर्ड में हैं।
- पंजाब में सुखा दुनीके, गज्जी फौजी, भिंडर गुज्जर, हरियाणा राजस्थान में बलराज डागर, नरेश सेठी गैंग सक्रिय हैं।
- मुंबई-ठाणे में अभी भी दाऊद इब्राहिम नेटवर्क, छोटा शकील और कुछ लोकल सिंडिकेट हैं, हालांकि अब दबदबा कम है।
- बिहार और उत्तर प्रदेश में सक्रिय रहे मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद का खात्मा हो चुका है, लेकिन छोटे गैंग सक्रिय हैं।

किस राज्य में कितने गैंग

- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में ही 30-40 संगठित गैंग सक्रिय माने जाते हैं।
- दिल्ली और एनसीआर में 10 से 15 बड़े गैंग और दर्जनों छोटे गिरोह सक्रिय हैं।
- यूपी-बिहार में बड़े आपराधिक गिरोहों की संख्या पुलिस रिकॉर्ड में 20 से ज्यादा है।
- इसके साथ महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत के राज्यों में भी लोकल नेटवर्क हैं।

प्रमुख गतिविधियां

- कारोबारियों, उद्योगपतियों और ठेकेदारों से पूंजीपतियों से रंगदारी यानी रकम की वसूली।
- ड्रग और हथियारों की तस्करी, कई गैंगस्टर नकली सामान और मानव तस्करी में भी लिप्त।
- बड़ी फिरौती के लिए अपहरण, शैल कंपनियां, मनी लॉन्डरिंग, फर्जी कंपनियों के जरिए नकदी प्रवाह छिपाना।

यूपी पर क्यों निगाहें

- बड़े गैंगस्टर यूपी के बड़े बाजार की वजह से यहां पैर जमाना चाहते हैं। जमीन और कारोबार के विवाद और ठेकों पर उनकी निगाह है।
- अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी के मारे जाने और उनका नेटवर्क के कमजोर होने से यहां नए गैंग के लिए संभावना पैदा हो गई है।
- वर्ष 2023 में लखनऊ पुलिस ने खुलासा किया था कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग यूपी के कारोबारियों से फिरौती वसूलने की योजना बना रहा था।
- मेरठ-बागपत बेल्ट में सुनील राठी जैसे गैंग से संपर्क करके लॉरेंस ग्रुप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नेटवर्क बनाने की कोशिश कर चुका है।

पुलिस से मुकाबला

पिछले कुछ सालों में उत्तर प्रदेश की पुलिस ने कई गैंगस्टर के शूटरों को गिरफ्तार किया है या मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। नोएडा में 2023 में सचिन भाटी गैंग के दो शूटर और 2024 में मेरठ में पंजाब से आए तीन शूटरों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। गाजियाबाद में 2023 में गोल्डी बराड़ का कुख्यात शूटर अभिषेक और बागपत में सुनील राठी का शूटर मनोज मुठभेड़ में मारा गया।

गाजा में युद्धविराम के लिए 15 में से 14 वोट, जवाब में अमेरिका का वीटो

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने की तीखी आलोचना, कहा- ये शर्मनाक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

अमेरिका ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनजीसी) के उस मसौदा प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया, जिसमें इजराइल से गाजा में मानवीय पहुंच और आपूर्ति पर सभी प्रतिबंधों को तुरंत हटाने की मांग की गई थी। मसौदे में गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थाई युद्धविराम के साथ हमास और अन्य सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की बिना शर्त, सम्मानजनक और तत्काल रिहाई की भी मांग की गई थी।

सुरक्षा परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों की ओर से प्रस्तुत इस मसौदे को 15 सदस्यीय परिषद में से 14 मतों से समर्थन मिला। परिषद के स्थाई सदस्य अमेरिका के पास वीटो शक्ति है। अमेरिकी वीटो की सुरक्षा परिषद में व्यापक आलोचना हुई। अल्जीरिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत अमर बेंडजामा ने कहा कि मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वाले 14 परिषद सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय जनमत के आह्वान को दोहराते हुए विवेक से काम लिया है। उन्होंने कहा, यह परिषद फिर से विफल रही, मानवता की अंतरात्मा पर एक और धब्बा। उन्होंने कहा कि खुली आंखों के सामने हो रहे नरसंहार के सामने यह शर्मनाक है।

बेंडजामा ने कहा, इस समय कोई अस्पष्टता नहीं हो सकती। हममें से प्रत्येक को या तो नरसंहार रोकने के लिए कार्रवाई करनी होगी या फिर इसमें शामिल लोगों में गिना जाना होगा। सोमालिया के संयुक्त राष्ट्र के राजदूत अबुकर दाहिर उस्मान ने मतदान परिणाम को गंभीर नैतिक विफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह मसौदा संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भाषा और भावना पर आधारित है, जिसका पालन करने की सभी सदस्य देशों ने शपथ ली है। मसौदा प्रस्ताव में न्यूनतम जरूरत की मांग की गई थी। फिर भी, बार-बार, सुरक्षा परिषद को कार्रवाई करने से रोका गया है।

दक्षिणी इजराइल में शुक्रवार को गाजा सीमा पर लोगों ने युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया।

अमेरिकी रुख पर चीन-रूस ने भी जताई निराशा

संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि चीन मतदान के परिणाम से बेहद निराश है। गाजा संघर्ष लगभग दो वर्षों से चल रहा है, जिससे एक अभूतपूर्व मानवीय आपदा पैदा हुई है। सुरक्षा परिषद ने बार-बार कार्रवाई करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि फिर भी हर बार अमेरिका ने उसके प्रयासों को विफल किया है। इजराइल को गाजा में अपने सैन्य आक्रमण और तनाव बढ़ाने वाले किसी भी खतरनाक कदम को रोकना चाहिए। कांग ने कहा कि चीन को उम्मीद है कि अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर निष्पक्ष और ज़िम्मेदार रुख अपनाएगा और युद्धविराम की दिशा में प्रयास करेगा। संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंज़िया ने कहा कि जब तक गाजा संकट के बारे में अमेरिका की धारणा बदलती रहेगी और जब तक वह संयुक्त राष्ट्र में बहुपक्षीय कूटनीति को एक महत्वपूर्ण उपकरण के बजाय एक बाधा के रूप में देखता रहेगा, तब तक पश्चिम एशिया के प्रश्न पर कोई सफलता नहीं मिलेगी। ब्रिटेन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने खेद व्यक्त किया कि सुरक्षा परिषद मसौदा प्रस्ताव पर आम सहमति तक नहीं पहुंच पाई।

हूतियों ने इजराइल के तीन शहरों पर कई हमलों किया का दावा

सना। यमन के हूती समूह ने कहा कि उसने गुरुवार रात इजराइल के तीन शहरों पर लंबी दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन से हमला किया। हूती समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि मिसाइल ने जाफा (तेल अवीव) में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया जबकि तीन ड्रोनों ने बीर शेवा शहर और बंदरगाह शहर ऐलात में ठिकानों को निशाना बनाया। इस बीच, इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि एक ड्रोन ने ऐलात में एक होटल पर हमला किया जबकि यमन से आने वाली मिसाइल और अन्य ड्रोनों को रोक लिया गया।

बगराम एयरबेस पर फिर तैनात करेंगे अमेरिकी सैनिक: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान के बगराम एयर बेस पर अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की वह योजना बना रहे हैं। चार वर्ष पहले अमेरिकी सैनिकों के अचानक अफगानिस्तान से जाने के बाद बगराम एयर बेस पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। ट्रंप ने ब्रिटेन की यात्रा के समापन पर एक प्रेस वार्ता में यह बात कही। साथ ही इस कदम को सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चीन का मुकाबला करने की जरूरत से जोड़ा। यूक्रेन पर आक्रमण के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने इस बेस का जिक्र किया और कहा, हम इसे वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं।

कड़ी धूप और प्रदर्शन

ऑल ओडिशा कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स एसोसिएशन ऑफ स्टेट मिशन, शक्ति विभाग के सैकड़ों महिला सदस्यों ने अपनी वेतन वृद्धि और नौकरियों के नियमितीकरण की मांग को लेकर शुक्रवार को ओडिशा में कड़ी धूप में प्रदर्शन किया। एजेंसी

सऊदी अरब के साथ हुए रक्षा समझौते में दूसरे अरब देशों के शामिल होने का रास्ता बंद नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने किया साफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि उनके मुल्क और सऊदी अरब के बीच आपसी रक्षा समझौते में अन्य अरब देशों के शामिल होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह के समझौते के लिए दरवाजे बंद नहीं हैं। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार उनमें से किसी भी देश पर किसी भी हमले को दोनों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने और अरब देशों के इस समझौते का हिस्सा बनने की संभावना पर एक सवाल पर कहा, मैं इसका अभी जवाब नहीं दे सकता लेकिन इतना अवश्य कहूंगा कि दरवाज़े बंद नहीं हैं। मंगलवार को 'जियो न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा था कि वह हमेशा से नाटो जैसे समझौते की वकालत करते रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के लिए खतरे की स्थिति अधिक रही है।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यहां के देशों और लोगों, विशेष रूप से मुस्लिम आबादी का यह मौलिक अधिकार है कि वे मिलकर अपने क्षेत्र और राष्ट्रों की रक्षा करें। उन्होंने बताया कि इस समझौते में ऐसी कोई धारा नहीं है जो किसी अन्य राष्ट्र को शामिल होने से रोकती हो या पाकिस्तान को किसी और के साथ ऐसा ही समझौता करने से रोकती हो। उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान की परमाणु संपत्ति भी इस समझौते के तहत उपलब्ध होगी, इस पर आसिफ ने कहा, हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे निश्चित रूप से इस समझौते के अंतर्गत उपलब्ध होंगी।

रूस की परमाणु पनडुब्बियों ने किया मिसाइल का परीक्षण

- ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास कर रही है रूसी फ्लीट

व्लादीवोस्तोक। रूस के प्रशांत फ्लीट की दो परमाणु पनडुब्बियों ने ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास के दौरान सफलतापूर्वक क्रूज मिसाइल दागी। प्रशांत फ्लीट ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

फ्लीट ने कहा कि बहुउद्देशीय सबमरीन क्रास्नोयार्स्क और ओम्स्क ने अपने 250 किमी दूर समुद्री लक्ष्य पर ओनिक्स तथा ग्रनिट नाम की क्रूज मिसाइलें दागीं। तकनीकी निगरानी आधारित डाटा के मुताबिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। परीक्षण के दौरान लक्ष्य क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए प्रशांत सागर बेड़े के जहाजों और नौसेना विमानन इकाइयां तैनात की गई थीं। यह मिसाइल फायरिंग, 12 सितंबर से रूस के उत्तर-पूर्व में संयुक्त सेना कमान के कमांड-एंड-स्टाफ अभ्यास का हिस्सा थी। इसका उद्देश्य उत्तरी प्रशांत महासागर में समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ कामचटका और चुकोटका क्षेत्रों तथा निकटवर्ती द्वीप क्षेत्रों की तटों की सुरक्षा था।

यूक्रेन की अपने रक्षा उद्योग में पश्चिमी देशों के निवेश की योजना

कीव। यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की क्षीण संभावनाओं के बीच उसके पश्चिमी सहयोगियों ने उसके हथियार उद्योग में बड़े निवेश की रणनीति बनाई है ताकि वह रूस का बेहतर मुकाबला कर सके। यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो यूक्रेन की विकसित सैन्य तकनीक अमेरिकी और यूरोपीय सेनाओं को भी उपलब्ध कराई जा सकेगी। हाल ही में यूक्रेन ने एक 'क्वाडकॉप्टर' ड्रोन विकसित किया है, जो रूस के जैमिंग उपकरणों से बचकर 20 किमी तक उड़ सकता है और छह किलो विस्फोटक गिरा सकता है। यूक्रेन के लिए ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत कीथ केलॉग ने पिछले सप्ताह कहा था कि ड्रोन तकनीक में यूक्रेन दुनिया में अग्रणी है।

जेन जी आंदोलनकारियों पर गोलीबारी का आदेश नहीं दिया था: ओली

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ने घुसपैठियों को ठहराया जिम्मेदार, जांच की मांग की

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस बात से इन्कार किया है कि उनकी सरकार ने आठ सितंबर को 'जेन जी' आंदोलन के पहले दिन गोलीबारी का आदेश दिया था, जिसमें 19 लोग मारे गए थे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ने इस त्रासदी के लिए घुसपैठियों को दोषी ठहराया।

ओली ने देश के संविधान दिवस पर जारी एक संदेश में दावा किया, सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश नहीं दिया था। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित बंदूकों से गोलियां चलाई गईं, जो पुलिसकर्मियों के पास नहीं थीं और इसकी जांच होनी चाहिए। ओली ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में घुसपैठ का दावा करते हुए कहा, घुसपैठ करने वाले षड्यंत्रकारियों ने आंदोलन को हिंसक बना दिया और इस तरह हमारे युवा मारे गए। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की जांच की मांग की।

- कहा- स्वचालित बंदूकों से चलाई गई थीं गोलियां जो नहीं हैं पुलिस के पास

ओली ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मेरे पद से इस्तीफा देने के बाद सिंह दरबार सचिवालय और उच्चतम न्यायालय को आग लगा दी गई, नेपाल का नक्शा जला दिया गया और कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों को आग लगा दी गई। उन्होंने कहा, मैं इन घटनाओं के पीछे की साजिशों के बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता, समय खुद ही सब बता देगा। ओली ने संविधान लागू करते समय देश के सामने आई चुनौतियों को भी याद किया।

संविधान की रक्षा सभी नेपाली नागरिकों की जिम्मेदारी: कार्की

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शुक्रवार को कहा कि 10 साल पहले अपनाए गए संविधान की रक्षा करना सभी नेपाली नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा लोकतंत्र बातचीत और समाधान खोजने की प्रणाली है। कार्की संविधान दिवस पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह दिन नेपाल में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, पिछले हफ्ते युवा आंदोलन में हुई हिंसा में 72 लोगों की मौत के शोक के कारण पिछले सालों की तुलना में इस साल के कार्यक्रम छोटे पैमाने पर आयोजित किए गए। नेपाल की संविधान सभा ने देश के राष्ट्रीय कैलेंडर के अनुसार, तीन आश्विन 2072 विक्रम संवत को, या 20 सितंबर 2015 को संविधान अंगीकार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 21 सितंबर 00.16 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

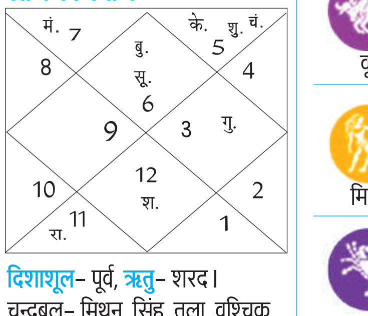

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।

चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- मघा 08.05 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष - आज आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। आपको मौके पर लोगों की मदद नहीं मिल पाएगी। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों के कारण हानि हो सकती है।

वृष - आज वरिष्ठ व्यक्तियों की अवहेलना न करें। तनाव के कारणों को पहचानें और उनसे बचें। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। सरकारी मामलों को लेकर परेशानी होगी। अपनी प्रतिभा का उचित लाभ नहीं उठा पाएंगे।

मिथुन - आज दोपहर के बाद कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। जॉब में उच्च पद मिल सकता है। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है। करियर को लेकर शुभ समाचार मिलने की संभावना है। अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे।

कर्क - आज सहकर्मी आपके प्रति ईर्ष्या का भाव रख सकते हैं। क्रोध में आकर कड़वे वचन बोलने से बचें। कोई मूल्यवान वस्तु गुम हो सकती है। समय अनुसार आपके सभी काम बनते जाएंगे। बच्चों के साथ आपका समय अच्छे से बीतेगा।

सिंह - आज महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके संपर्क विकसित होंगे। सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। अपने आचरण को संयमित रखें। आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। बेरोजगार लोगों की नौकरी की समस्या समाप्त होगी।

कन्या - आज नए काम की शुरुआत में अति शीघ्रता उचित नहीं है। बड़ों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। महिलाओं को इंफेक्शन संबंधी परेशानी हो सकती है। दूसरों की सहायता करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति होगी। मन में बेचैनी का भाव आ सकता है।

तुला - आज व्यापार में बेहतरीन धन लाभ प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष के साथ तनाव कम हो सकता है। आपकी सलाह से लोगों का हित होगा। भाई-बहनों की उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति होगी। मन का तनाव दूर होगा। व्यर्थ के कार्यों से स्वयं को दूर रखें।

वृश्चिक - आज प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए दिन काफी अच्छा है। आप लोगों की सहायता करने को तत्पर रहेंगे। आप रचनात्मक विचारों के कारण प्रशंसा के पात्र बनेंगे। खेल और कला के क्षेत्र से जुड़े करियर में उत्तम सफलता मिलेगी।

धनु - आज बड़ी व्यापारिक डील हो सकती है। विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। धैर्य और संयम के कारण आपको सफलता मिलेगी। यदि कोई आपके विचारों से सहमत नहीं है तो उस पर विचार थोपने से बचें।

मकर - आज मन में थोड़ी अशांति हो सकती है। यदि महंगी वस्तुओं को खरीद रहे हैं तो पहले उनकी थोड़ी जांच-परख कर लें। अपने व्यवहार में अभिमान न आने दें। विदेश में शिक्षा ले रहे छात्रों को अध्ययन में थोड़ी असुविधा महसूस होगी।

कुंभ - आज सत्कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। दूसरों के मामलों में आप हस्तक्षेप न करें। नई तकनीक के अध्ययन के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। ऑफिस का माहौल बहुत ही अच्छा रहेगा। विरोधियों के ऊपर वर्चस्व स्थापित कर पाएंगे।

मीन - आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छा रहेगी। क्रोध के स्थान पर शांतिपूर्वक समस्याओं का समाधान करें। बदलते मौसम के कारण आपके शरीर में थकावट हो सकती है। राजनैतिक गतिविधियों में आपका मन लगेगा।

सुडोकू -105

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				6		4		
4	7	8	1			9		
			2		4			
6							2	
3		7				5		8
	2		8		7		1	
			9					
		9			6		7	
		5		4				

सुडोकू - 104 का हल

1	3	9	7	6	5	4	8	2
2	7	8	4	1	3	5	9	6
4	6	5	2	9	8	1	7	3
7	9	2	6	5	4	8	3	1
8	5	1	9	3	7	2	6	4
3	4	6	8	2	1	9	5	7
5	8	3	1	7	2	6	4	9
6	1	4	3	8	9	7	2	5
9	2	7	5	4	6	3	1	8

"यहां काफी सहज लग रहा था। हमारा लक्ष्य खेल पर फोकस रखने का था। हम जिस तरह से खेल रहे हैं, बहुत अच्छा लग रहा है। लगातार मैचों में खुलकर खेल पा रहे हैं। हमारी टीम मजबूत है। हमने शुरू ही से चीजों को सरल रखकर बढत बनाने की रणनीति अपनाई। -सात्विक साईराज

स्टेडियम

अयोध्या, शनिवार, 20 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

त्वेसा पहले दौर के बाद 17वें स्थान पर

एलिकांटे (स्पेन) : लेडीज यूरोपियन टूर में खेलना जारी रखने के लिए अपना कार्ड बरकरार रखने को प्रयासरत भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने ला सेला ओपन में एक अंडर 71 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। त्वेसा ला सेला गोल्फ रिसोर्ट में आयोजित की जा रही इस 10 लाख यूरो इनामी प्रतियोगिता में खेल रही सात भारतीय महिला खिलाड़ियों में पहले दौर के बाद सबसे आगे हैं।

झिंगन मैच के लिए उपलब्ध : जमील

बेंगलुरु : भारतीय फुटबॉल टीम के कोच खालिद जमील ने शुक्रवार को कहा कि सिंगापुर के खिलाफ अगले महीने एएफसी एशियाई क्वालीफायर में अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन खेलेंगे। झिंगन को ताजिकिस्तान में हाल ही में हुए काफा नेशंस कप के दौरान लगी चोट के बाद गले की हड्डी की सर्जरी करानी पड़ी थी और अब फिट होने की राह पर है। भारत का सामना सिंगापुर से नौ अक्टूबर को कालांग में होगा। इसके बाद रिटर्न मैच गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर खेला जाएगा।

अनीश राज ने चीन में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारतीय जूनियर स्पीड स्केटर अनीश राज ने चीन के बेइदैहे में हुई 73वीं इनलाइन स्पीड विश्व चैंपियनशिप में जूनियर पुरुषों के वन लैप रोड स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता। अनीश ने 39.714 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन में 13 से 21 सितंबर तक चल रहे टूर्नामेंट में 42 देशों के प्रतियोगी भाग ले रहे हैं।

थंगराजा ने जीता चेन्नई ओपन खिताब

चेन्नई : श्रीलंकाई एन थंगराजा ने चेन्नई के कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले गए एक करोड़ रुपये के इनामी टूर्नामेंट, चेन्नई ओपन 2025 पावर्ड बाय सीपीसीएल के अंतिम दिन कड़े संघर्ष के बाद एक ओवर 73 का स्कोर बनाकर खिताबी जीत हासिल की। एन थंगराजा (69-66-63-73), जो कल रात एक शॉट से आगे उन्होंने पूरे हफ़्ते 17-अंडर 271 का स्कोर बनाया।

ब्रिटेन की एबिगेल पावलेट, संयुक्त राज्य अमेरिका की तलियाह ब्रूक्स, कोलंबिया की मार्था अराउजो और लिथुआनिया की बीट्राइस जुस्केविसीउते (बाएं से दाएं) टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेती हुईं।

पदक के करीब पहुंचकर चूकने से निराश सचिन

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव

भारत के भाला फेंक एथलीट सचिन यादव का कहना है कि अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन करना सुखद अहसास है, लेकिन इससे अच्छी शुरुआत के बाद कांस्य पदक हाथ से जाने देने की निराशा की भरपाई नहीं हो सकती।

सचिन का यह दूसरा ही अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट था, लेकिन उन्होंने बृहस्पतिवार को टोक्यो दमदार प्रदर्शन करते हुए दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा (84.03 मीटर), मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (82.75 मीटर) और डायमंड लीग ट्रॉफी विजेता वेबर (86.11 मीटर) जैसे प्रतिष्ठित प्रतिभागियों को पछाड़ कर चौथा स्थान हासिल किया। इस भारतीय ने पहला थ्रो 86.27 मीटर फेंका जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उनका पहला अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट मई में एशियाई चैंपियनशिप था जिसमें उन्होंने 85.16 मीटर के थ्रो से रजत पदक जीता था। इस तरह बृहस्पतिवार को उन्होंने पिछले प्रदर्शन को बेहतर किया। अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर से कांस्य पदक जीता जो सचिन के थ्रो से 40 सेमी बेहतर था। यादव ने कहा शुरुआती थ्रो बहुत अच्छा रहा। मौसम अच्छा था, जैसे ही मैंने भाला गिरते हुए देखा तो मुझे लगा कि मैं पदक जीत सकता हूं। मुझे भरोसा था कि कम से कम एक बार 87 मीटर का थ्रो जरूर डाल लूंगा।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली : भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था, पर वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा टोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही परेशान कर रही थी, पर वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा मैंने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था।

भारत ने ओमान को दिया 189 रनों का लक्ष्य, संजू ने खेली दमदार पारी

एशिया कप : कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबको दिया बल्लेबाजी का मौका

अबु धाबी, एजेंसी

संजू सैमसन (56), अभिषेक शर्मा (38) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने शुक्रवार को एशिया कप के 12वें मुकाबले में ओमान को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में शुभमन गिल (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये संजू सैमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 66 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में जितेन रामानंदी ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 38 रन बनाये। इसके बाद हार्दिक पांड्या (एक) रनआउट हुये। 12वें ओवर में अक्षर पटेल 13 गेंदों में (26) को आमिर कलीम ने आउट किया। शिवम दुबे (पांच) भी आमिर का शिकार बने। 18वें ओवर में शाह फैसल ने संजू सैमसन को आउट किया। संजू सैमसन ने 45 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 56 रनों की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 18 गेदों में 29 रन बनाये। आठवें विकेट के रूप में अर्शदीप सिंह (एक) रनआउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में विकेट आठ विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। हर्षित राणा आठ गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

ओमान के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन शॉट लगाते हुए। एजेंसी

भारत

188/8 (20 ओवर)

अभिषेक का शुक्ला बो रामानंदी	38
शुभमन गिल बो शाह फैसल	05
सैमसन का बिष्ट बो शाह फैसल	56
हार्दिक पंड्या रन आउट	01
अक्षर का शुक्ला बो आमिर	26
शिवम दुबे का जतिंदर बो आमिर	05
तिलक का जिक्रिया बो रामानंदी	29
हर्षित राणा नाबाद	13
अर्शदीप सिंह रन आउट	01
कुलदीप यादव नाबाद	01

गेंदबाजी : शकील अहमद 3-0-33-0, शाह फैसल 4-1-23-2, मोहम्मद नदीम 1-0-19-0, जितेन रामानंदी 4-0-33-2, समय श्रीवास्तव 2-0-23-0, जिक्रिया इस्लाम 3-0-23-0, आमिर कलीम 3-0-31-2

भारत ए और आस्ट्रेलिया ए का अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ

लखनऊ, एजेंसी : देवदत्त पड्डिकल ने सातवां प्रथम श्रेणी शतक लगाया जिसकी बदौलत भारत ए ने आस्ट्रेलिया ए के पहली पारी के विशाल स्कोर का मजबूत जवाब देकर शुक्रवार को यहां पहला अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ कराया। सुबह 86 रन से आगे खेलते हुए पड्डिकल ने 281 गेंद में 150 रन बनाए। भारत ए ने अपनी पारी सात विकेट पर 531 रन पर घोषित की। आस्ट्रेलिया ए ने पहली पारी में छह विकेट पर 532 रन बनाये थे। आस्ट्रेलिया ए ने दूसरी पारी में 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 56 रन बना लिये थे जब मैच ड्रॉ पर छूटा। पहली पारी में शतक जमाने वाले सैम कोंस्टास 27 और कैंपबेल केलावे 24 रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे पड्डिकल ने अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया।

ध्रुव जुरेल 197 गेंद में 13 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 140 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 228 रन की साझेदारी की। आस्ट्रेलिया ए के लिये कोरी रोचिसियोली ने 159 रन देकर तीन विकेट लिए।

श्रीलंका की निगाह विजय अभियान जारी रखने पर

दुबई, एजेंसी

- बांग्लादेश करना चाहेगा पलटवार, मैच आज रात 8 बजे से

ग्रुप शरण में अपनी सभी मैच जीत कर उत्साह से भरी श्रीलंका की टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

चरिथ असलांका के कुशल नेतृत्व में, श्रीलंकाई टीम ग्रुप बी में तीन मैचों में जीत के साथ शीर्ष पर रही। बांग्लादेश ने दूसरे स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। श्रीलंका ने बांग्लादेश को छह विकेट से पराजित किया और फिर उसके बाद हांगकांग और अफगानिस्तान को क्रमशः चार और छह विकेट से हराया। श्रीलंका की बल्लेबाजी का हालांकि अचानक पतन हो जाता है जैसा कि हांगकांग के खिलाफ हुआ था जब पथुम निसांका के अर्धशतक के बाद वह एक समय हार के कगार पर पहुंच गया था। श्रीलंका के लिए कमजोर मध्यक्रम मुख्य चिंता का विषय है। निसांका ने श्रीलंका के लिए बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो वह सुपर 4 में श्रीलंका के रहमोकरम पर पहुंचा है। अगर गुरुवार को श्रीलंका अफगानिस्तान से हार जाता, तो बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो जाता। बांग्लादेश ने टूर्नामेंट की शुरुआत हांगकांग पर सात विकेट की आसान जीत के साथ की, लेकिन श्रीलंका से छह विकेट से हार गया। अफ़ग़ानिस्तान पर आठ रन की जीत के साथ उसने अपने अभियान को फिर से पटरी पर ला दिया।

टीम

श्रीलंका : चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

बांग्लादेश : लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंच, सिंधु फिर बाहर

शेनझेन, एजेंसी

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि पीवी सिंधु विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कोरिया की आन से यंग के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में हार गई। हाल ही में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य जीतने वाले और हांगकांग ओपन में उपविजेता रही दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक और चिराग ने चीन के रेन शियांग यू और शिये हाओनान को 21-14, 21-14 से हराया। इस समय विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक से हो सकता है। इससे पहले सिंधु को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आईसीसी प्रोटोकॉल कैमरे अनुमति देते हैं : पीसीबी

अबुधाबी, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को अपने मीडिया मैनेजर द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और टीम अधिकारियों के बीच हुई बैठक का वीडियो बनाने का बचाव करते हुए कहा कि यह आईसीसी प्रोटोकॉल के दायरे में था।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बृहस्पतिवार को पीसीबी को पत्र लिखकर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) संहिता के कई उल्लंघनों का हवाला दिया था। जिसमें कोच माइक हेसन, कप्तान सलमान अली आगा और मैनेजर नवीद अकरम चीमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी शामिल थी। आईसीसी ने पीसीबी की उस प्रेस विज्ञप्ति पर भी सवाल उठाया था।

जिसमें कहा गया था कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है जबकि इसमें स्पष्ट किया गया था कि रैफरी ने केवल एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के स्थल प्रबंधक द्वारा की गई गलतफहमी पर खेद व्यक्त किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बोर्ड की प्रतिक्रिया पर कहा टीम का मीडिया मैनेजर टीम का हिस्सा है और उसे पीएमओए तक जाने की अनुमति है। वहां उसकी मौजूदगी कोई उल्लंघन नहीं है। पीसीबी के अनुसार मौजूदा प्रोटोकॉल मीडिया प्रबंधकों को पीएमओए में कैमरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। सूत्र ने आगे कहा अगर मानक परिचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया होता तो आईसीसी को मैच रैफरी से यह पूछना चाहिए कि क्या इस मामले की सूचना एसीयू (भ्रष्टाचार रोधी इकाई) को दी गई थी। जब पीटीआई ने टूर्नामेंट के एक सूत्र से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि आईसीसी मैच अधिकारी ने इस मामले को पाकिस्तानी टीम के एसीयू अधिकारी के सामने उठाया था और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया था। इससे पहले वैश्विक संस्था ने पीसीबी को भेजे ईमेल में स्पष्ट कहा था। सूत्र ने कहा आईसीसी ने खेल, टूर्नामेंट और संबंधित हितधारकों के हित को बनाए रखने के लिए पीसीबी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, हालांकि यह पीएमओए के प्रति पूर्ण अनादर दर्शाता है। यह सब तब शुरू हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया और मैच रैफरी पर खेल भावना से का उल्लंघन किया।

श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

हमारे तेज गेंदबाज भारत में 20 विकेट लेने में सक्षम हैं : सैमी

किंग्स्टन, एजेंसी

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी का मानना है कि उनके तेज गेंदबाजी आक्रमण में इतनी विविधता है कि वह भारतीय हालात में 20 विकेट ले सकता है। उन्होंने अपनी टीम से आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड से प्रेरणा लेने को कहा जिसने पिछले साल भारत को उसकी धरती पर हराकर इतिहास रचा था।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। सैमी ने संवाददाताओं से कहा अब हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमारा तेज गेंदबाजी आक्रमण किसी भी परिस्थिति में विकेट लेने में सक्षम हैं। हमारे पास चार अलग-अलग

तरह के तेज गेंदबाज हैं जिनकी अपनी खास विशेषता है। हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण में विविधता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण में अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स के अलावा ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स शामिल हैं।

सैमी ने कहा हमारे पास शमर जोसेफ है, जो बेहद कुशल गेंदबाज है। हमारे पास जेडन है, जिसका अगला पैर मजबूत है और वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकता है। हमारे पास अल्जारी जोसेफ है जो अपने कद के कारण उछाल हासिल कर सकता है। इस तरह से हमारे पास भारत में टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता है।

सैमी ने कहा उनकी टीम न्यूजीलैंड का अनुसरण करना चाहती है, जिसने पिछले साल भारत को 3-0 से हराया था। उन्होंने कहा न्यूजीलैंड ने वहां जाकर अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और हमें उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। पर यह उन चीजों को समझने की बात है जो न्यूजीलैंड ने उन परिस्थितियों में कीं। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी उनका अनुसरण करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगी महिला टीम

चंडीगढ़, एजेंसी : दूसरे मैच में रिकॉर्ड जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम शनिवार को यहां तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली वनडे सीरीज जीतकर विश्व कप से पहले अपनी उम्मीदों को पंख लगाने की कोशिश करेगी।

भारतीय महिला टीम अभी तक द्विपक्षीय वनडे सीरीज में विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया को नहीं हरा पाई है और अगर वह यहां जीत हासिल करने में सफल रहती है तो इससे उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया को हराना हालांकि इतना आसान काम नहीं है और अगर भारत को इतिहास रचना है तो उसे खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

आदेश | उच्चतम न्यायालय ने चार सप्ताह में आम सभा कर मसौदे को अपनाने का आदेश दिया

एआईएफएफ के मसौदा संविधान को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी और फुटबॉल संस्था को इसे चार सप्ताह के भीतर आम सभा में अपनाने का आदेश दिया।

यह मसौदा पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव ने तैयार किया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यक्ष कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की वर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्यों के चुनाव को मान्यता दी और कहा कि नए सिरे से चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वर्तमान पदाधिकारियों

का केवल एक वर्ष का कार्यकाल बचा है। न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन सहित कई वरिष्ठ वकीलों की कुछ आपत्तियों और सुझावों को सुना। न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों पर सुनवाई की।

शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप में कुछ आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव था। इनमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने का प्रावधान था, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार चार-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सके।

हालांकि इसमें कहा गया है कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ वर्ष तक रहने के बाद चार वर्ष तक कोई पद नहीं संभालने के कूलिंग ऑफ पीरियड नियम का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में कहा गया है कि कोई व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता।

कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे

मसौदा संविधान के अनुसार एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे, जिन पर आयु और कार्यकाल का नियम लागू होगा। इसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष और 10 अन्य सदस्य होंगे। अन्य 10 सदस्यों में से पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल होंगी। मसौदा संविधान में अविश्वास प्रस्ताव के ज़रिए अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों को हटाने का भी प्रावधान है, जो एआईएफएफ के मौजूदा संविधान में नहीं है।